YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-218 ❐ बुधवार, 09 सितम्बर 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12



मौर्य शाक्य व सैनी समाज सपा का 'जंगलराज' नहीं आने देगा। अखिलेश यादव ने कुशवाहा, मौर्य, शाक्य और सैनी समाज को लुभाने के लिए जो पांसा फेंका है, उस पर इतना ही कहूंगा कि 'केर और बेर' का साथ नहीं हो सकता। **केशव प्रसाद मौर्य**

पोखरण रेंज में वायुसेना का 'ड्रोनथॉन' दिखाएगा स्वदेशी ऑपरेशनल क्षमता 11

समस्याओं का समाधान करना और न्याय दिलाना हमारा दायित्व है: सम्राट चौधरी 12

संक्षेप

पूर्व मंत्री मोहसिन रज़ा बने उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अल्पसंख्यक आयोग का पुनर्गठन करते हुए पूर्व मंत्री मोहसिन रज़ा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही आयोग में पांच सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार संदीप जैन, अंशुमान कुमार सिंह मैसी, सरदार हनप्रीत सिंह बेदी, मोहम्मद असलम और सरदार परविन्दर सिंह को अल्पसंख्यक आयोग का सदस्य बनाया गया है। नवनियुक्त अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल तथा अन्य औपचारिकताएं शासनादेश के अनुसार होंगी। आयोग का दायित्व प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े मामलों, उनकी समस्याओं और कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी तथा सरकार को आवश्यक सुझाव देना है।

जजों की नियुक्ति मामले को सूचीबद्ध करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार के काम/कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाली याचिका सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। शीर्ष अदालत में यह याचिका 2018 से लंबित है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता संगठन 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। भूषण ने पीठ से कहा कि दिसंबर, 2023 में जस्टिस संजय किशन कौल के सेवानिवृत्ति के बाद से सुनवाई के लिए यह मामला सूचीबद्ध नहीं किया गया है। अधिवक्ता भूषण ने कहा कि दुर्भाग्य से दिसंबर 2023 के बाद इसे सूचीबद्ध नहीं किया गया है। इसे बुधवार को सूचीबद्ध किया जाना था लेकिन नहीं किया गया। न्यायिक नियुक्तियों की पूरी प्रक्रिया में अभी भी कुछ समस्याएं बनी हुई हैं, हालांकि कुछ समस्याएं शायद सुलझा ली गई हैं। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अधिवक्ता भूषण से कहा कि काफी हद तक समस्याएं सुलझने की उम्मीद है, बहरहाल हम इसे सूचीबद्ध कर सकते हैं।

पूर्व सीएम विजयन, बेटी और दामाद पर दर्ज हो सकता है केस

कोच्चि/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल कंपनी से जुड़े कथित रिश्वत मामले में केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी टी. वीना और दामाद पीए मोहम्मद रियास के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ईडी ने इस संबंध में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखा है। ईडी का दावा है कि विजयन ने मुख्यमंत्री रहते हुए अपनी बेटी के माध्यम से सीएमआरएल से रिश्वत ली और बाद में रियास ने इन धनराशियों को दुबई भेज दिया।

आंगनवाड़ियों को योगी की बड़ी सौगात

मानदेय बढ़ा, 5 लाख का कैशलेस इलाज, अतिरिक्त साड़ी के लिए 500 रुपए

एजेंसी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश की 2.91 लाख आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को बड़ी सौगात दी। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय आठ हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये और सहायिकाओं का चार हजार से बढ़ाकर छह हजार रुपये प्रतिमाह किया जाएगा। इसके साथ ही कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा उनके परिवारों को हर वर्ष पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। अब उन्हें दो के बजाय तीन साड़ियां मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने स्मार्टफोन और रियल टाइम डेटा के इस्तेमाल से आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट बनाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को अयोध्या धाम में आईसीडीएस के तहत आयोजित आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। अयोध्या में करीब 12 हजार आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं मौजूद रहीं, जबकि सभी 75 जिलों में आयोजित कार्यक्रमों से मंत्री, सांसद, विधायक और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं जुड़ीं। बुधवार से शुरू हो रहे पोषण माह से पहले मुख्यमंत्री योगी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को मानदेय वृद्धि, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, अतिरिक्त साड़ी और स्मार्टफोन की चार प्रमुख सौगातें दीं। अपने संबोधन से पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों के स्टॉल्स का अवलोकन किया, महिलाओं को



पुष्टाहार भेंट किया तथा कई बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के समय आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को महज तीन हजार रुपये मानदेय मिलता था। सरकार ने इसे परफॉर्मेंस आधारित व्यवस्था से जोड़ते हुए आठ हजार रुपये किया। अब इसे बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया जाएगा। सहायिकाओं का मानदेय भी 1,500 रुपये से बढ़ाकर पहले चार हजार और अब छह हजार रुपये किया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने कोरोना जैसी सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव स्क्रीनिंग से लेकर दस्तक अभियान और संक्रमित लोगों की सेवा तक अपनी जान जोखिम में डालकर जुटी रहीं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के साथ उनके परिवार को हर वर्ष पांच लाख रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। इसका लाभ इम्पैनल्ड अस्पतालों के साथ सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में लिया जा सकेगा। हाल में प्रदेश के करीब 15 लाख शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को पांच लाख रुपये की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा दी गई है। लगातार मांग आ रही थी कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को भी इससे जोड़ा जाए। अब सरकार यह सुविधा उन्हें भी देने जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की 2.91 लाख आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के लिए साड़ी की धनराशि जारी कर दी गई है। अब तक उन्हें दो साड़ियां मिलती थीं। अब एक अतिरिक्त साड़ी के लिए 500 रुपये और दिए जाएंगे। इस पर प्रदेश सरकार करीब 20 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार वहन करेगी। पहले चरण में 1.28 लाख स्मार्टफोन भी उपलब्ध कराए गए हैं। इससे योजनाओं का डेटा रियल टाइम में दर्ज किया जा सकेगा और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का काम भी आसान होगा। मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की भूमिका को बच्चों के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2018 में इनकी भूमिका की तुलना माता यशोदा से की थी। मां के बाद छोटे बच्चों का पहला संवाद आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं से होता है। बचपन स्वस्थ होगा तो भारत स्वस्थ, समर्थ, ● शेष पेज 11 पर

उपहार

❐ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार, सहायिकाओं का मानदेय भी 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की घोषणा

कोरोना काल में निभाई अहम भूमिका

मुख्यमंत्री ने कोरोना महामारी के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा वर्करों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि कोरोना के कठिन दौर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा वर्करों ने अपनी जान की परवाह किए बिना गांव-गांव जाकर लोगों की सेवा की। उन्होंने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरकार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के इस योगदान को लगातार सम्मान देने और उनकी सुविधाओं में बढ़ोतरी करने का काम कर रही है।

टेक्सटाइल सेक्टर बनेगा नई औद्योगिक ताकत

यूपी का मतलब अल्टीमेट पोटेंशियल : मुख्यमंत्री



कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी का मतलब अप यानी 'अल्टीमेट पोटेंशियल' है। उत्तर प्रदेश के पास विरासत, हुनर, मानव संसाधन, उद्योग, उद्यमिता और देश का सबसे बड़ा बाजार है। दुनिया की सबसे युवा वर्कफोर्स भी हमारे पास है। अब इसी ताकत के सहारे उत्तर प्रदेश को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बनाना है। हमारा लक्ष्य फाइबर से यार्न, यार्न से फैब्रिक, फैब्रिक से गारमेंट और गारमेंट से ब्रांड होते हुए ग्लोबल मार्केट तक पूरी वैल्यू चेन प्रदेश में विकसित करने का है। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को दो दिवसीय यूपी टेक्सटाइल्स कॉन्क्लेव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने यूपी टेक मित्र पोर्टल लॉन्च करने के साथ हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में टेक्सटाइल सेक्टर में 5,196 करोड़ रुपये के नए निवेश प्रस्तावों के एमओयू किए गए। साथ ही 163 करोड़ रुपये के लेटर ऑफ कम्फर्ट और 60 करोड़ रुपये की सब्सिडी का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए टेक्सटाइल सेक्टर के प्रतिष्ठित उद्यमियों, निवेशकों, निर्यातकों, प्रदेश के परंपरागत बुनकरों, हथकरघा संचालकों और इस क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवाओं का स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की टेक्सटाइल पहचान हजारों वर्षों ● शेष पेज 11 पर

यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव

❐ योगी आदित्यनाथ ने किया दो दिवसीय यूपी टेक्सटाइल्स कॉन्क्लेव-2026 का उद्घाटन

❐ यूपी टेक मित्र पोर्टल तथा हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना का भी किया शुभारंभ

❐ टेक्सटाइल सेक्टर में 5,196 करोड़ रुपये के नए निवेश प्रस्तावों के एमओयू

❐ 163 करोड़ के लेटर ऑफ कम्फर्ट, 60 करोड़ रुपये की सब्सिडी का वितरण

पांच तहसीलदार निलंबित

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही बरतने पर योगी सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि 13 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक राजस्व परिषद ने सात सितंबर को प्रदेश के सभी राजस्व न्यायालयों में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 34 के तहत दाखिल वादों के निस्तारण की तहसीलवार और अधिकारीवार समीक्षा की। इसमें कई अधिकारियों के स्तर पर अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। निलंबित अधिकारियों में हरदोई की संडीला तहसील के तहसीलदार अमित यादव, देवरिया के तहसीलदार कृष्ण कुमार मिश्रा, जौनपुर के तहसीलदार सौरभ कुमार,



❐ राजस्व मामलों में लापरवाही पर योगी सरकार का शिकंजा

अयोध्या के तत्कालीन नायब तहसीलदार एवं वर्तमान में गाजीपुर के तहसीलदार रंजन वर्मा तथा प्रतापगढ़ के तहसीलदार अलख शुक्ला शामिल हैं। इससे पहले एक सितंबर को भी चार तहसीलदारों और एक नायब तहसीलदार को निलंबित किया गया था। यह कार्रवाई 29 अगस्त को मुख्यमंत्री द्वारा राजस्व अदालतों में लंबित मामलों की उच्चस्तरीय समीक्षा के बाद दिए गए निर्देशों के क्रम में की जा रही है। मुख्यमंत्री ने निर्धारित समय सीमा में राजस्व वादों का निस्तारण सुनिश्चित करने और लापरवाही पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। लापरवाही के आरोप में 13 तहसीलदारों और नायब ● शेष पेज 11 पर

हाईकोर्ट का राहुल गांधी को जारी समन रद्द करने से इनकार

एजेंसी

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले की प्रक्रिया को रद्द करने या उसमें हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। यह मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक एवं मानहानि कारक टिप्पणियों से जुड़ा है।

यह शिकायत भाजपा के एक स्थानीय पदाधिकारी ने दायर की थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि श्री गांधी का प्रधानमंत्री मोदी को कथित तौर पर ''चोरों के सरदार'' और ''कमांडर-इन-चीफ'' कहे जाने संबंधी बयान मानहानि कारक हैं। उनका तर्क था कि इस तरह की टिप्पणियों का उद्देश्य प्रधानमंत्री के साथ-साथ सत्तारूढ़ दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं की छवि को धूमिल करना था। निचली अदालत के समन और कार्यवाही को रद्द करने की मांग करते हुए श्री गांधी की कानूनी टीम ने तर्क दिया था कि कथित बयानों में विशेष रूप से भाजपा या किसी स्पष्ट रूप से पहचाने योग्य वर्ग का नाम नहीं लिया गया, इसलिए शिकायतकर्ता को ऐसा 'पीड़ित व्यक्ति' नहीं माना जा सकता जो इस मामले में आपराधिक मानहानि की याचिका दायर करने का कानूनी हक रखता हो। वहीं दूसरी ओर, शिकायतकर्ता और अभियोजन पक्ष ने श्री गांधी की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि ये टिप्पणियां एक विशिष्ट और स्पष्ट रूप से पहचाने जाने योग्य समूह के खिलाफ की गई थीं। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे समूह से जुड़ा कोई भी व्यक्ति, मानहानि का दावा करते हुए कानूनी रूप से अदालत का रुख कर सकता है। दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद, उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने इस चरण में कार्यवाही को समाप्त करने के लिए अपनी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही कांग्रेस नेता के खिलाफ ● शेष पेज 11 पर

हल्द्वानी में शुद्धिकरण मामले में पहली प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज

हल्द्वानी। रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कथित शुद्धिकरण किए जाने के मामले में आखिरकार पुलिस ने पहली एफआईआर दर्ज कर ली है। हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने अधिवक्ता अंजू की शिकायत परअज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्जकिया है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शुद्धिकरण की घटना के जरिएजातिगत भेदभाव, सामाजिक अपमान तथा अनुसूचित जाति के व्यक्ति के प्रति घृणा और हीनता का भावप्रदर्शित किया गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया है। रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद कथित तौर पर मैदान का शुद्धिकरण किए जाने को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध जताया था।

मेघालय हाईकोर्ट ने यूपी के छह छात्रों के खिलाफ एफआईआर रद की

इंफाल। मेघालय हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के छह छात्रों के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी। छात्रों पर यहां एक होमस्टे में तोड़फोड़ करने का आरोप था। छात्रों ने 2.06 लाख रुपये का मुआवजे के तौर पर भुगतान किया। हाईकोर्ट ने दो छात्रों को 25-25 हजार रुपये प्रति व्यक्ति देने और छह दिन समाज सेवा करने का निर्देश भी दिया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह आदेश सोमवार को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रेवती मोहिते डेरे ने तब दिया जब दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो गया। होमस्टे के मैनेजर और मालिक ने एफआईआर रद्द करने पर अपनी सहमति (नो-ऑब्जेक्शन) दे दी थी। होमस्टे को नुकसान पहुंचाने की शिकायत के बाद 11 जुलाई को लैतुमखराह पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। छात्रों पर शिकायतकर्ता को धमकाने का भी आरोप था, क्योंकि तय संख्या से ज्यादा मेहमानों को एक कमरे में रहने की इजाजत नहीं दी गई थी। आरोपियों ने एफआईआर रद्द करने के लिए कोर्ट में याचिका दायर की थी। ● शेष पेज 11 पर

पीएम की सुरक्षा में चूक!

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाराष्ट्र दौरे से पहले मुंबई में उनकी सुरक्षा में बड़ी चूक की खबर सामने आई है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम से एक दिन पहले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक के पास से बंदूक बरामद हुई है।

पुलिस ने बताया कि बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। वह खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बता रहा था। हिरासत में लिए गए व्यक्ति की उम्र 24 साल बताई जा रही है। उसके साथ एक बॉडीगार्ड भी था, जिसके पास बंदूक थी। मुंबई पुलिस के अनुसार, मामले की आगे की जांच मुंबई अपराध शाखा कर रही है।

मुंबई पुलिस ने बताया कि तीन लोगों ने एक संदिग्ध सरकारी आईडी कार्ड का इस्तेमाल किया और हथियार लेकर मॉल की सिक्योरिटी को पार करते हुए जबरदस्ती



❐ कल्चरल सेंटर से पकड़े गए दो संदिग्ध, बंदूक बरामद, खुद को बताया पीएमओ अधिकारी

बीकेसी के जियो वर्ल्ड प्लाजा में घुस गए। बीकेसी पुलिस स्टेशन में सरकारी कर्मचारी होने का नाटक करने और हथियार के साथ गैर-कानूनी तरीके से घुसने समेत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मुंबई पुलिस ने कहा कि क्राइम ब्रांच मामले की आगे जांच कर रही है। हथियार का लाइसेंस वैध पाया गया है और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह भी साफ किया है कि यह घटना सोमवार को हुई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया। अदालत ने दोनों आरोपियों को 11 सितंबर तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

मोदी ने वडोदरा में विपक्ष पर फिर साधा 'नाराज़ फूफा' वाला निशाना

'झूठ की गूंज को हरायेगा सच'

एजेंसी

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत लोगों और सामान की आवाजाही को तेज करने, नए आर्थिक अवसर पैदा करने और विकास को गति देने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार के बारे में देश में झूठ फैलाने में लगा है।

श्री मोदी ने किसी का नाम लिये बिना कहा कि 'झूठ की गूंज को सच के सामने हार मिलेगी'। वह विभिन्न क्षेत्रों में विकास की 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। वडोदरा का यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के लिए विपक्ष पर तीखा राजनीतिक हमला करने का मंच भी बन गया। श्री मोदी ने उन लोगों पर निशाना साधा, जो उनके अनुसार देश की प्रगति को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने फिर से



'नाराज़ फूफा' वाली टिप्पणी दोहराई और कहा कि कुछ लोग देश की उपलब्धियों के बावजूद लगातार असंतुष्ट रहते हैं।

वडोदरा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) के पवेलियन ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा 'नमो फॉर विकसित भारत' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का बुनियादी ढांचे पर जोर विकसित भारत की नींव तैयार करने के उद्देश्य से है। इस कार्यक्रम में एक ही मंच पर युवाओं के साथ संवाद और प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा और नागरिक शामिल हुए। श्री मोदी ने कहा कि कुछ राजनीतिक विरोधी भारत के विकास से खुश होने में असमर्थ नजर आते हैं और लगभग हर मुद्दे पर शिकायत करते रहते हैं। परिवार में किसी समारोह के दौरान नाराज रहने वाले रिश्तेदार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष 'नाराज फूफा' की तरह व्यवहार कर रहा है, जो दूसरों की खुशियों और प्रगति के बीच भी असंतुष्ट रहता है। श्री मोदी ने भारत की उपलब्धियों के बारे में उनके अनुसार 'झूठ की गूंज' पैदा करने की कोशिशों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, ''युवाओं का सच, झूठ की गूंज को हरा देगा।'' मोदी ने जोर देकर कहा कि युवा भारतीय अंततः तथ्यों और गलत सूचनाओं के बीच अंतर समझ पाएंगे। उल्लेखनीय है कि विपक्ष के नेता -छात्रों की गूंज नाम से जगह जगह सभाएं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''झूठ की गूंज युवाओं को गुमराह नहीं कर सकती,'' और आगे कहा कि ''सच की जीत होगी।'' मोदी की ये टिप्पणियां खास तौर पर उन प्रयासों के खिलाफ थीं, जिनमें भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और वास्तविकता को कमतर दिखाने की कोशिशें की गयी हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी बार-बार किए जाने वाले उन दावों से गुमराह नहीं होगी, जिनमें देश की प्रगति को महज दिखावा बताया जाता है। उन्होंने कहा, ''भारत इस समय चिप (माइक्रो चिप) से लेकर शिप (समुद्री पोत) तक , विनिर्माण की एक नयी गाथा लिख रहा है।'' श्री मोदी ने कहा, ''हम भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं, ताकि ● शेष पेज 11 पर

'फूफा' को शिकायत करने के लिए एक नई बात मिल गई

प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 10 साल के दौरान रेलवे में 50 हजार नए आधुनिक कोच जोड़े। इतना ही नहीं हमने मालगाड़ी में 2.50 लाख से ज्यादा वैगन जोड़ा है। हाल ही में जेएनपीटी (मुंबई) से वडोदरा के बीच डबल-स्टैक कंटेनर मालगाड़ी चलाई गई। यानी ट्रेन में एक कंटेनर के ऊपर दूसरा कंटेनर रखा गया था। इस एक यात्रा में मुंबई से वडोदरा तक जितना माल पहुंचाया गया, वह 250 से अधिक ट्रकों के बराबर था। अब आते हैं हमारे 'नाराज फूफा' पर वह शख्स जो तुरंत शिकायत शुरू कर देगा, 'ट्रक ड्राइवरों का क्या होगा? ट्रक कहां जाएंगे? जिन्होंने ट्रक खरीदे हैं, उनका क्या होगा?' खैर, अब 'फूफा' को शिकायत करने के लिए एक नई बात मिल गई है।

योगी सरकार की नीतियों से यूपी का वस्त्र उद्योग नई ऊंचाइयों पर : राकेश सचान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ यूपी में वस्त्र उद्योग को मिल रहा नया विस्तार, 5,354 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मंजूर

लखनऊ। उप्र के वस्त्र उद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार की नीतियों और निवेश अनुकूल माहौल से प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ उद्योगों को भी नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश से करीब 35 हजार करोड़ रुपये का हस्तशिल्प निर्यात हुआ है, जबकि दो लाख से अधिक हथकरघा बुनकर इस क्षेत्र से जुड़े हैं और 110 करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी के वस्त्र उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली है।

उप्र टेक्सटाइल कॉन्क्लेव के शुभारम्भ अवसर पर राकेश सचान ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार निवेशकों को प्रोत्साहन दे रही है। आज पांच हजार 354 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं। वर्ष 2017 और 2022 की वस्त्र उद्योग नीतियों के तहत करीब 116 निवेशकों को 322 करोड़ रुपये का इंसेंटिव दिया गया है। इसके अलावा करीब 96 करोड़ रुपये का इंसेंटिव भी दिया जा चुका है। उन्होंने बताया कि उद्यमियों को कैपिटल सब्सिडी, 100 प्रतिशत स्टांप ड्यूटी में छूट और 60 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी समेत जमीन आवंटन और बिजली में भी छूट जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मेलों में हिस्सा लेने वाले उद्यमियों को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद का गारमेंट क्षेत्र, कानपुर का हौजरी उद्योग, वाराणसी की सिल्क साड़ी, भदोही-मिर्ज़ापुर की कालीन, लखनऊ की चिकनकारी, पिलखुवा के घरेलू वस्त्र, मेरठ के खेल परिधान और फर्रुखाबाद की वस्त्र छपाई प्रदेश की पहचान बन चुके हैं। प्रदेश के 17 उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है। योगी सरकार बुनकरों को डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और डिजिटल मार्केटिंग में मदद दे रही है। वाराणसी में 443 विद्यार्थियों को 84 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देकर आगे बढ़ाने का काम किया गया है। इससे पारंपरिक हुनर को आधुनिक बाजार से जोड़ने में मदद मिलेगी। राकेश सचान ने बताया कि लखनऊ-हरदोई के बीच एक हजार एकड़ में पीएम मित्र पार्क विकसित किया जा रहा है। इसके लिए योगी सरकार 1,100 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। पार्क में सिक्स लेन सड़क, 125 केवी की विद्युत लाइन और पानी की सप्लाई पहुंच चुकी है। मास्टर डेवलपर भी तय हो गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में 10 टेक्सटाइल पार्क विकसित करने का लक्ष्य दिया है। इसके तहत अमरोहा, बिजनौर, संत कबीर नगर, बरेली और बनारस में शिल्प पार्क के लिए जमीन उपलब्ध हो चुकी है। करीब 400 एकड़ क्षेत्र में उद्यमियों को निवेश का अवसर मिलेगा और विभाग उन्हें सस्ती दरों पर जमीन उपलब्ध कराएगा। कानपुर समेत अन्य स्थानों पर टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग पार्क के लिए भी जमीन चिन्हित की जा रही है। उन्होंने कहा कि 2022 की तरह ही 2027 में बनने वाली नई नीति में भी प्रदेश के उद्यमियों के सुझावों को शामिल किया जाएगा। पर्यटन के बढ़ते दायरे और 25 करोड़ की आबादी वाले घरेलू बाजार को देखते हुए वस्त्र एवं ओडीओपी उत्पादों में निवेश की बड़ी संभावनाएं हैं। इसके लिए उद्यमियों को यूपी में बड़े स्तर पर निवेश के लिए आमंत्रित किया।

मूविंग झांकी में भक्तों ने देखा कालिया मर्दन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खालसा ग्रुप ने तोड़ी दही हाड़ी मटकी, बनी विजेता



लखनऊ। मित्तल परिवार की ओर से न्यू गणेशगंज में आयोजित डिजिटल मूविंग झांकी के चौथे दिन दही हांडी प्रतियोगिता में खालसा की टीम ने इस बार फिर मटकी फोड़ने में सफलता प्राप्त की। उन्हें ये सफलता दूसरे प्रयास में मिली। सोमवार की शाम रिमझिम बारिश के बीच झांकी के तय आयोजन में दही हांडी प्रतियोगिता हुई। दो टीमों ने इसमें प्रतिभाग किया। कार्यक्रम स्थल पर दो हांडियां लटकाई गई थी। पहले रिया ग्रुप को मौका दिया गया। उन्होंने दो प्रयास किए पर मटकी तक पहुंच नहीं सके। फिर खालसा ग्रुप ने प्रयास किया। पहला प्रयास असफल हुआ तो उन्होंने दूसरी बार पूरा जोर लगाया और मटकी फोड़ने में कामयाब हो गए। इसके बाद रिया ग्रुप को फिर मौका दिया गया तो उन्होंने तीसरे प्रयास में दूसरी मटकी को फोड़ने में सफलता प्राप्त की। छठी उत्सव के दिन बुधवार को विजेता टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।

लखनऊ। मित्तल परिवार की ओर से अमीनाबाद रोड स्थित न्यू गणेशगंज में 6 दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं डिजिटल मूविंग झांकियों में कृष्ण की लीलाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक अनुपम मित्तल ने बताया कि पांचवे दिन मंगलवार को डिजिटल मूविंग झांकी में कालिया मर्दन का प्रसंग के अलावा सांस्कृतिक मंच पर बच्चों की नृत्य गायन प्रतियोगिता हुई।

नृत्य एवं गायन प्रतियोगिता में जैशनवी कनौजिया, काव्या द्विवेदी, रिया यादव, शिवांशी ने मोहे मोर बनइय्यो राधा अपने वृंदावन को३, मानवी सिंह, पीहू बाजपेई, बुलबुल गोस्वामी, पीहू राजपूत, काव्या, अर्पित गुप्ता ने बरसाने की छोरी राधा गोरी गोरी..., आराध्या साहू, प्रगति सिंह ने राधा कैसे न जले..., परी श्रीवास्तव ने मन मंदिर में सजे बिहारी..., श्याम बंशी बजाते हो या मुझे बुलाते हो..., श्याम चूड़ी बेचने आया... पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नृत्य गायन स्पर्धा में बच्चों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से परिचित कराया। डिजिटल मूविंग कालिया मर्दन की झांकी में एक बार वृंदावन में यमुना नदी के अंदर कालिया नाम का बहुत विषैला नाग रहता था। उसके विष से नदी का पानी दूषित हो गया था और आसपास के पेड़-पौधे तथा जीव-जंतु मरने लगे थे। एक दिन श्रीकृष्ण अपने ग्वाल-बाल मित्रों के साथ यमुना किनारे खेल रहे थे। गेंद नदी में गिर गई। श्रीकृष्ण गेंद लेने के लिए यमुना में कूद पड़े। कालिया नाग ने उन्हें अपनी कुंडली में जकड़ लिया। श्रीकृष्ण ने तुरंत अपना शरीर बड़ा कर लिया और कालिया की पकड़ से बाहर आ गए। फिर वे कालिया के फनों पर चढ़कर नृत्य करने लगे। उनके पैरों के प्रहार से कालिया कमजोर हो गया। उसकी पत्नियों ने श्रीकृष्ण से दया की प्रार्थना की।

लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

एसीपी मेजा बृजेश पाठक ने थाना कोराँव में की समीक्षा बैठक



प्रयागराज। सहायक पुलिस आयुक्त मेजा बृजेश पाठक मंगलवार को थाना कोराँव पहुंचे। उन्होंने थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह व पुलिस स्टाफ के साथ अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं और आईजीआरएस को लेकर समीक्षा बैठक की।

बैठक में एसीपी ने सभी उपनिरीक्षकों को निर्देशित किया कि लंबित विवेचनाओं का गुण-दोष के आधार पर निष्पक्ष व समयबद्ध निस्तारण किया जाए। आईजीआरएस शिकायतें डिफाल्टर न होने पाएं। हर सिपाही अपनी-अपनी बीट की सूचना समय से दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि थाने पर आने वाले फरियादियों की फरियाद प्राथमिकता पर सुनी जाए, उनका सम्मानपूर्वक निस्तारण हो और किसी को अनावश्यक रूप से थाने पर न बैठाया जाए। पूछताछ के बाद संबंधित को छोड़ दिया जाए। पेसबंदी व पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर किसी के विरुद्ध गलत कार्रवाई न की जाए, अन्यथा शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसीपी ने क्षेत्र में हूटर-सायरन व ओवरलोड बड़े वाहनों पर अंकुश लगाने, अवैध गांजा, शराब तस्करी, अवैध खनन व परिवहन पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए ताकि जनता भयमुक्त होकर अपनी बात पुलिस से कह सके। बैठक के दौरान मालवीय नगर निवासी हिना पुत्री शहजाद अली ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी शादी लॉकडाउन के दौरान साजिद पुत्र शहजाद निवासी बलापुर कटरा, थाना घूरपुर से हुई थी, लेकिन ससुराल वाले उसे घर नहीं बुला रहे हैं। इस पर एसीपी ने थाना प्रभारी कोराँव को मामले के निष्पक्ष निस्तारण का आदेश दिया।

अयोध्या की तर्ज पर विकसित होगा सीतापुर का नैमिषारण्य, बनेगा भव्य वैदिक नगरी का स्वरूप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ 50 हजार प्राचीन एवं धार्मिक पुस्तकों वाला डिजिटल-वैदिक ग्रंथालय बनेगा

❐ चारों वेदों को समर्पित होगा 'वेद मंदिर'-वेद विज्ञान केंद्र में वेधशाला और तारामंडल की होगी स्थापना-300 विद्यार्थियों के लिए बनेगा छात्रावास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का नैमिषारण्य केवल एक प्राचीन तीर्थस्थल ही नहीं, बल्कि सनातन परंपरा में आस्था, ज्ञान और तपस्या की महत्वपूर्ण भूमि के रूप में प्रतिष्ठित है। सीतापुर जिले में गोमती नदी के तट पर स्थित इस पौराणिक तीर्थ को अब अयोध्या की तर्ज पर विकसित कर भव्य वैदिक नगरी का स्वरूप देने की दिशा में काम तेज किया गया है। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने नैमिषारण्य तीर्थ परिषद का गठन कर धार्मिक, सांस्कृतिक और बुनियादी सुविधाओं के योजनाबद्ध विकास की प्रक्रिया शुरू की है।

राजधानी लखनऊ से करीब 80 किलोमीटर दूर स्थित नैमिषारण्य लंबे समय से देश-विदेश के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा है। मान्यता है कि यहां साढ़े तीन करोड़ तीर्थ और तैंतीस कोटि देवताओं का वास है। सरकार की योजनाओं के पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी नया विस्तार मिलने की उम्मीद है। नैमिषारण्य के नामकरण और इसकी महत्ता से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार, जब 88 हजार ऋषि-मुनियों ने ब्रह्माजी से कलियुग के प्रभाव से मुक्त ऐसी तपोभूमि के बारे में पूछा, जहां वे निरंतर साधना कर सकें, तब ब्रह्माजी ने एक चक्र छोड़ा। वह चक्र जिस स्थान पर रुका, वहां चक्र के आकार का कुंड बन गया। चक्र की 'नेमि' (धुरी/नेम) यहीं पर गिरी थी, जिस कारण इस स्थान का नाम नैमिषारण्य (नेमि + आरण्य) पड़ा। वेद-पुराणों में भी इसे 88 हजार ऋषियों की तपस्या और ज्ञान की स्थली के रूप में वर्णित किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि महर्षि वेदव्यास ने यहीं वेदों का विभाजन किया और पुराणों की रचना तथा उनका पाठ किया। महाभारत सहित वायु पुराण और मार्कंडेय पुराण जैसे विभिन्न ग्रंथों में भी नैमिषारण्य का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि महाभारत की कथा का महत्वपूर्ण हिस्सा भी यहीं ऋषियों की प्रेरणा से सूतजी ने सुनाया था। सीतापुर निवासी डॉ. जितेंद्र प्रकाश मिश्र के अनुसार, नैमिषारण्य में दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ व्यक्ति को अपने जीवन के आध्यात्मिक संशयों से मुक्ति का अवसर भी मिलता है। उन्होंने कहा कि बचपन से इस तीर्थ की महिमा सुनते आए हैं और समय के साथ यहां लोगों की आस्था लगातार बढ़ी है। सुबह आश्रमों और मंदिरों से सुनाई देने वाली घंटियों तथा श्लोकों की गूंज से आज भी इस क्षेत्र की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा का अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, दधीचि ऋषि ने नैमिषारण्य में सभी देवताओं के दर्शन किए और परिक्रमा के बाद अपनी अस्थियों का दान किया था। इसी मान्यता के कारण श्रद्धालु आज भी 84 कोसीय परिक्रमा के लिए देश-विदेश से यहां पहुंचते हैं।



सार्वजनिक सूचना

मैं प्रशांत अरोरा पुत्र मनोहर लाल अरोड़ा निवासी गली नंबर 3 नेकपुर बदायूं। अपनी संपत्ति स्थिति नेकपुर बाहर चुंगी परगना तहसील एवं जिला बदायूँ। (वसीयत दिनांक 17/2/2023) से मालिक हूं पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 7 दिन में सूचित करें।
निम्न पते पर -
अनुपम कुमार (एडवोकेट)
चेंबर नंबर 47, कलेक्ट्रेट बदायूं
मोबाइल नंबर - 9411010 960

कोराँव बार एसोसिएशन ने संघर्ष समिति के दावे को नकारा, कहा - कोई समिति गठित ही नहीं हुई

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। संघर्ष समिति का उल्लेख करते हुए जिलाधिकारी प्रयागराज से तहसीलदार कोराँव के विरुद्ध शिकायत प्रार्थना पत्र दिये जाने का मामला सामने आया था। जिलाधिकारी ने मामले की जांच एडीएम फाइनेंस को सौंपी है।
सोशल मीडिया में इससे जुड़ा पत्र वायरल होने पर बार एसोसिएशन कोराँव ने स्वतः संज्ञान लिया है। अध्यक्ष राम बहादुर सिंह और मंत्री लक्ष्मीकान्त शुक्ल ने दिनांक 08-09-2026 को लिखित स्पष्टीकरण जारी किया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि बार एसोसिएशन द्वारा किसी भी प्रकार की संघर्ष समिति का गठन नहीं किया गया है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता गणेश प्रसाद मिश्र ने इसी वर्ष बार की सदस्यता ली है और बार काउंसिल से सीओपी न मिलने के कारण वे अभी मतदान के लिए अर्ह नहीं हैं। बार एसोसिएशन ने यह भी कहा कि अध्यक्ष-मंत्री की तरफ से तहसीलदार के विरुद्ध कोई हड़ताल या नाराजगी नहीं है। कुछ अधिवक्ता अपने निजी स्वार्थ में तहसीलदार के खिलाफ नारेबाजी करते हैं जो अनुचित है। तहसीलदार जनता, अधिवक्ता सबके बीच अच्छा कार्य कर रही हैं, यही अच्छा कार्य कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है, इसलिए वे निजी स्वार्थों में विरोध कर/करा रहे हैं।

कुंवर अभिजय पटेल बने अपना दल कमेरावादी युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल एवं राष्ट्रीय समिति के अनुमोदन के बाद प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीएल पटेल ने मंगलवार को लखीमपुर खीरी के कुंवर अभिजय पटेल को पार्टी के युवा मंच का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है।
इस दौरान आयोजित बैठक में अपना दल कमेरावादी की नेता एवं सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल भी उपस्थित रहीं। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कुंवर अभिजय पटेल को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।
बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर संगठनात्मक चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने चुनावी तैयारियों को गति देने और युवा मंच को सक्रिय भूमिका में लाने पर भी जोर दिया।

जल-निकासी ठप, संक्रामक बीमारियों से लोग परेशान



कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। नगर पंचायत कोराँव में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। पहले से बनी ज्यादातर नालियां टूटकर जाम और चोक हो चुकी हैं। बारिश का पानी निकल नहीं पा रहा है, जिससे बदबूदार गंदा पानी सड़कों और गलियों में बह रहा है।

दुर्गंध के कारण लोग संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। कस्बा कोराँव के अधिकांश घरों में परिजन जुकाम, खांसी, बुखार, मलेरिया, टाइफाइड के मरीज बने हुए हैं। सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। शहीद नगर लोहार वाली गली में घुसते ही शुरुआत में कई वर्षों से जलजमाव है, आज तक समाधान नहीं हुआ। हाल ही में ईओ ने निरीक्षण भी किया था, फिर भी सफाई नहीं कराई गई। बहादुर शाह नगर में नालियां जाम होने से घरों में पानी घुस रहा है। ठाकुर मार्केट के सामने मुख्य बाजार में पानी भरा हुआ है। थाना कोराँव के पास राकेश मिश्र के घर के पास नाली निर्माण के चलते महीनों से कीचड़ और जलभराव से लोगों का जीना दुश्वार है। इसी प्रकार चंद्र भूषण तिवारी बहादुर सिंह नगर के घर के सामने नाली जाम है, जल निकासी नहीं हो रही है। गोपाल विद्यालय इंटर कॉलेज कोराँव के सामने नालियां सही नहीं हैं, पानी सड़क पर भरा रहता है। नगर में जो भी निर्माण कार्य हुआ है वह कमीशन और भ्रष्टाचार के चलते उजड़ने लगा है। नालियों का निर्माण मानक के अनुसार नहीं कराया गया, जगह-जगह टूटी हैं और गंदगी से पटी हैं। प्लान के तहत नाली निर्माण नहीं कराया जा रहा है। नगर वासियों ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकृष्ट कराया है। लोगों का कहना है कि सबसे बड़ी बात यह है कि ईओ नगर में आती नहीं हैं और न ही फोन उठाती हैं।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए उप मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निविदा संख्या 153R-DY.CEE-C-LKO-2026-27 IREPS की वेबसाइट यानी http://www.ireps.gov.in पर समापन तिथि 05.10.2026 समय (15.00Hrs) एक पैकेट प्रणाली के तहत 'ई-टेंडर' आमंत्रित किया जाता है।

NIT. संख्या.:	153R-DY.CEE-C-LKO-2026-27 दिनांक 08.09.2026
निविदा संख्या:.	153R-DY.CEE-C-LKO-2026-27

कार्य का नाम: लखनऊ (चारबाग कार्यशाला) में आने-जाने वाली वंदे भारत (16 कोच लंबाई) रेलगाड़ी की पिट लाइन जांच के लिए शेड क्षमता निर्माण और उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल के उत्तरेटिया स्टेशन की लाइन संख्या 7 के समीप अतिरिक्त लूप लाइन के प्रावधान से संबंधित विद्युत कार्य।

निविदा प्रपत्र लागत	कुछ नहीं।
लगभग निविदा मूल्य	रु. 2,18,14,859.07 (दो करोड़ अठारह लाख चौदह हजार आठ सौ उनसठ रूपये और सात पैसे मात्र)
बोली सुरक्षा	रु. 4,36,300.00/- (चार लाख छत्तीस हजार तीन सौ रूपये मात्र)
समापन की अवधि	12 (बारह) माह.
ऑफर की वैधता	60 दिन.
IREPS वेबसाइट पर विज्ञापित निविदा दिनांक।	07.09.2026
जिस तिथि तक ठेकेदार अद्यतन/परिशिष्ट, संशोधित तिथि नोट कर सकता है।	21.09.2026
निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति तिथि और समय	05.10.2026 (15.00Hrs)
पात्रता मापदंड	निविदा दस्तावेज के अनुसार।

ध्यानदें:
1. ठेकेदार को प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर अपलोड किए जाने वाले निविदा दस्तावेज के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।
2. सभी प्रतिभागी ठेकेदार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करेंगे। "अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने के लिए कोई भी पोस्टटेंडर पत्राचार तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव खोलने के बाद विचार नहीं किया जाएगा। यहां तक कि निविदाओं के सू-मोटो पोस्टटेंडर पत्रों को अशक्त और शून्य माना जाएगा।"

टेंडर नोटिस www.ireps.gov.in की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

No. 153R-Dy.CEE-C-LKO-2026-27 दिनांक 08.09.2026 3087/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

12 सितंबर को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, कई तरह के मामलों का होगा निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता



वाराणसी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 12 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मंगलवार को प्रचार-प्रसार वाहनों को जनपद न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वाहनों को माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वाराणसी श्री संजीव शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर जिला जज श्री संजीव शुक्ला ने कहा कि प्रचार-प्रसार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आम जन के बीच राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से वादकारी अपने विभिन्न मामलों का शांतिपूर्ण तरीके से निस्तारण करा सकते हैं। लोक अदालत के माध्यम से विवादों का त्वरित एवं आपसी सहमति के आधार पर समाधान कराया जा सकता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में यातायात चालान, वैवाहिक मामले, घरेलू हिंसा के मामले, मोटर दुर्घटना मामले, चेक बाउंस मामले, वाणिज्यिक मामले, उपभोक्ता फोरम से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, सेवा संबंधी मामले, शमनीय आपराधिक मामले, ऋण वसूली के मामले, बेदखली से संबंधित मामले तथा अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों का निस्तारण कराया जा सकता है। जिला जज ने आम लोगों से अपील की कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आपसी सहमति से अपने मामलों का निस्तारण कराकर समय एवं धन की बचत करें। लोक अदालत में मामलों के निस्तारण से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से भी राहत मिल सकती है। इस अवसर पर मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण के पीठासीन अधिकारी श्री रामकेश, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश, राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी/अपर जनपद न्यायाधीश श्री आलोक कुमार सहित जनपद न्यायालय वाराणसी के समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत कार्यरत समस्त पैरा लीगल वालंटियर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव/सिविल जज (सीनियर डिविजन) श्री राजीव मुकुल पाण्डेय द्वारा दी गई।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/पी0एस, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	**PARKING-LKO-BSB-TW-191-26-1 (Parking-Two-Wheeler)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	07-09-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22-09-2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22-09-2026 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	**PARKING-LKO-PRG-MX-189-26-1 (Parking-Mixed)**
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	28-08-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	14-09-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	14-09-2026 समय 11:30 बजे
नीलामी का प्रकार	**Close Ended**
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	**E-Auction Module of www.ireps.gov.in**

3074/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लखनऊ की उपलब्धि पर मंत्रियों से मिलीं महापौर

महापौर सुषमा खर्कवाल ने वित्त मंत्री और नगर विकास मंत्री से की भेंट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सिटी लेवल स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के तहत राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में लखनऊ को राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट परफॉर्मिंग सिटी में रैंक-1 तथा वार्ड संख्या 70 को नेशनल बेस्ट परफॉर्मिंग वार्ड में रैंक-1 मिलने की गौरवपूर्ण उपलब्धि पर लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से शिष्टाचार भेंट की।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना से उनके सरकारी आवास पर भेंट की। इस दौरान महापौर ने लखनऊ की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को साझा किया तथा मंत्री का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। महापौर ने कहा कि लखनऊ को मिली इस उपलब्धि में मंत्री के मार्गदर्शन के साथ ही उनके द्वारा चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अभियान के माध्यम से लोगों को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा गया, जिससे लखनऊ को हरित और स्वच्छ बनाने में मदद मिली।



इसके बाद महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा से भी उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान लखनऊ को राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को साझा करते हुए मंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया। महापौर ने कहा कि नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा के मार्गदर्शन तथा नगर विकास विभाग के निरंतर सहयोग से लखनऊ नगर निगम द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वायु के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने कहा कि लखनऊ और वार्ड संख्या 70 को मिली यह सफलता सभी लखनऊवासियों, पार्षदगणों एवं नगर निगम की पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने दोनों मंत्रियों के मार्गदर्शन, सहयोग एवं शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

विश्वासखंड-2 में रोपे 100 पौधे

लखनऊ। गोमती नगर के विश्वास खंड-2 स्थित पार्क में मंगलवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने मिलकर पार्क में 100 पौधे लगाए। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री एवं लखनऊ जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार तथा अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने अशोका पेंडुला का पौधा रोपित किया। इसके बाद पार्क में विभिन्न प्रजातियों के कुल 100 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर जोन-4 की जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी, जोनल सेनेटरी ऑफिसर पंकज शुक्ला, उद्यान अधीक्षक शशिकांत शशि सहित नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान चांदनी, गुलमोहर, कदम, बॉटल ब्रश और टिकोमा सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान लोगों को प्रकृति से जोड़ने का भावनात्मक और महत्वपूर्ण प्रयास है। मां हमारे जीवन का आधार होती हैं और प्रकृति भी हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन प्रदान करती है। ऐसे में मां के सम्मान में एक पौधा लगाना और उसकी देखभाल करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करना भी उतना ही जरूरी है। यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो आने वाले समय में शहर और प्रदेश अधिक हरा-भरा एवं स्वच्छ बनेगा। मंत्री ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान व्यापक जनआंदोलन बन सकता है।

सरकारी डॉक्टर अब 70 वर्ष की उम्र तक दे सकेंगे सेवाएं, पुनर्नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी चिकित्सकों को अब सेवानिवृत्ति के बाद 70 वर्ष की आयु तक पुनर्नियुक्ति के माध्यम से सेवाएं देने का अवसर मिलेगा। वर्तमान व्यवस्था के तहत सरकारी चिकित्सक 65 वर्ष की आयु तक सेवाएं देते हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सकों की पुनर्नियुक्ति से संबंधित आदेश जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में अनुभवी चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी। इससे मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श और बेहतर उपचार की सुविधा मिलने की उम्मीद है। चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को भी इससे राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग स्वास्थ्य विभाग का प्रमुख चिकित्सकीय संवर्ग है। इसमें चिकित्सा अधिकारी और विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं, जो प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालते हैं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद योग्य और अनुभवी चिकित्सकों को 70 वर्ष की आयु तक सेवाएं देने का अवसर मिलने से उनके लंबे अनुभव और विशेषज्ञता का सीधा लाभ मरीजों को मिलेगा। खासतौर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी वाले विभागों में यह व्यवस्था उपयोगी साबित होगी। ब्रजेश पाठक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में भी अनुभवी चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति के बाद 70 वर्ष की आयु तक पुनर्नियुक्ति संबंधी आदेश जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य अनुभवी चिकित्सकों की विशेषज्ञता का अधिकतम उपयोग कर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सक्षम, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाना है

सरोजनीनगर में 18वां डिजिटल शिक्षा केंद्र शुरू

❐ एलडीए कॉलोनी में डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल से युवाओं को मिलेंगे तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर में डिजिटल शिक्षा और तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल के तहत मंगलवार को सेक्टर डी-1, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड में 18वें रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं सशक्तिकरण केंद्र का शुभारंभ हुआ। केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को डिजिटल शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि वर्ष 2022 में शुरू हुई यह डिजिटल शिक्षा पहल अब 18 केंद्रों तक पहुंच चुकी है। इसकी प्रेरणा उनके पिता रण बहादुर सिंह के शिक्षा और समाजसेवा के प्रति समर्पण से मिली। उनका उद्देश्य तकनीक को शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता और ई-गवर्नेंस से जोड़कर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। सरोजनीनगर में अब तक 60 विद्यालयों में 500 कंप्यूटर, 44 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और 31 कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा चुकी हैं। इन सुविधाओं से विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों के माध्यम से बेहतर अध्ययन के अवसर मिल रहे हैं। अब तक स्थापित 17 डिजिटल केंद्रों से 9 हजार से अधिक नागरिकों को निःशुल्क ई-गवर्नेंस सेवाएं तथा 1,250 से अधिक युवाओं को डिजिटल कौशल का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है कि डिजिटल ज्ञान आज शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों की आधारशिला है। कोई भी युवा संसाधनों के अभाव में तकनीकी अवसरों से वंचित न रहे, यही इस पहल का लक्ष्य है। इस अवसर पर पार्षद कौशलेन्द्र द्विवेदी सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।



लखनऊ की शाम वीर गाथाओं के नाम, 'स्मृतिका' लाइट एंड साउंड शो शुरू

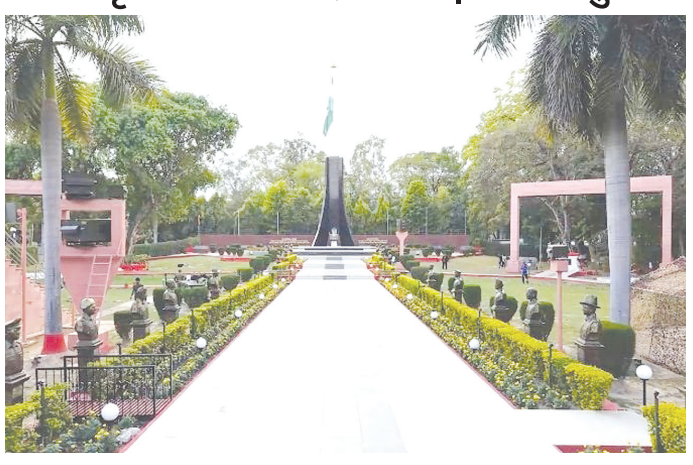
स्मृतिका के जरिए हर पीढ़ी तक पहुंचेगी वीरता और बलिदान की गाथा: जयवीर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। ऐतिहासिक स्थलों और खान-पान के लिए प्रसिद्ध लखनऊ में अब ईवनिंग टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी कड़ी में लखनऊ कैंट स्थित स्मृतिका वॉर मेमोरियल में लाइट एंड साउंड शो शुरू किया गया है। करीब 35 मिनट के इस शो में रोशनी, संगीत, ध्वनि और वीडियो के माध्यम से भारतीय सैनिकों के शौर्य, साहस और बलिदान की गाथा प्रस्तुत की जाती है। इससे पर्यटकों को दिन के साथ शाम के समय भी लखनऊ की विरासत और इतिहास से जुड़ने का नया अवसर मिल रहा है। पर्यटकों और शहरवासियों की सुविधा के लिए शो के समय भी तय कर दिए गए हैं। यह शो निःशुल्क होगा। मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को शाम 7 बजे से 7:35 बजे तक शो होगा। शनिवार और रविवार को शाम 7 बजे से 7:35 बजे और रात 8 बजे से 8:35 बजे तक दो प्रस्तुतियां होंगी। सोमवार और गुरुवार को शो नहीं होगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार पर्यटन को केवल दर्शनीय स्थलों तक सीमित न रखकर अनुभव आधारित पर्यटन के रूप में विकसित कर रही है। स्मृतिका का लाइट एंड साउंड शो इतिहास और सैन्य विरासत को नई पीढ़ी के लिए रोचक और यादगार अनुभव में बदलने की पहल है। हमारे सैनिकों के शौर्य और बलिदान की गाथा हर पीढ़ी तक पहुंचे, यही इस प्रयास का उद्देश्य है। स्मृतिका में होने वाला लाइट एंड साउंड शो अपने आप में खास है। इसमें स्मारक की दीवारों और परिसर को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। कहानी के साथ देशभक्ति संगीत, आवाज और वीडियो का इस्तेमाल किया जाता है। रोशनी और प्रोजेक्शन के जरिए स्मारक की दीवारों पर सैनिकों के शौर्य और सैन्य इतिहास से जुड़ी कहानियां दिखाई जाती हैं। करीब 35 मिनट का यह शो परिवारों, विद्यार्थियों, युवाओं और पर्यटकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसका मकसद लोगों को सैन्य इतिहास और सैनिकों के शौर्य से आसान और रोचक तरीके से जोड़ना है, ताकि वे इसे केवल पढ़ें नहीं, बल्कि एक अनुभव के रूप में महसूस भी कर सकें। स्मृतिका का लाइट एंड साउंड शो लखनऊ के ईवनिंग टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। रेजीडेंसी में जहां अवध की विरासत और 1857 की घटनाएं जीवंत होती हैं, वहीं स्मृतिका में भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान की गाथा दिखाई जाती है। लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका, राष्ट्र प्रेरणा स्थल और लखनऊ म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट जैसे नए पर्यटन आकर्षण जुड़ रहे हैं। लखनऊ दर्शन डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस भी पर्यटकों को शहर के प्रमुख स्थलों से जोड़ रही है। वहीं यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी की पहचान से लखनऊ के खान-पान को वैश्विक पहचान मिली है। इन प्रयासों से लखनऊ में दिन के साथ शाम के समय भी पर्यटन के नए विकल्प बढ़ रहे हैं।

स्मृतिका सेंट्रल कमांड वॉर मेमोरियल भारतीय सेना के जवानों के शौर्य और बलिदान को समर्पित है। यहां लाइट एंड साउंड शो के जरिए सैनिकों की वीरता और उनकी गौरवगाथा को लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। इस शो के माध्यम से लखनऊ आने वाले पर्यटकों को सैन्य इतिहास और देश के वीर जवानों से जुड़ी कहानियां जानने का मौका मिलेगा। इससे शहर के पर्यटन अनुभव में एक नया रंग जुड़ रहा है और ईवनिंग टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। यह शो करीब 8.95 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से तैयार किया गया है। इसे हेडक्वार्टर सेंट्रल कमांड ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) के सहयोग से विकसित किया है।



पेयजल आपूर्ति के दौरान पाइप बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों को ठीक किया जाएगा : स्वतंत्र देव सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर पेयजल आपूर्ति के साथ लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा देने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मानसून के बाद अक्टूबर से पूरे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर सड़क की मरम्मत का अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को अभियान से जुड़ी सभी तैयारियां समय से पूरी करने को कहा है, ताकि पेयजल योजनाओं के लिए खोदी गई सड़कों को जल्द दुरुस्त कर ग्रामीणों को राहत दी जा सके।

जलशक्ति मंत्री ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न पेयजल योजनाओं की मंडलवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति



के लिए पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई स्थानों पर सड़कें खोदी गई हैं। मानसून के दौरान बारिश के कारण इन मार्गों पर लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अक्टूबर से अभियान चलाकर इन सड़कों को दोबारा भरकर, समतल करते हुए दुरुस्त किया जाए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं का काम पूरा होने के साथ लोगों को बेहतर सड़क सुविधा भी मिल सकेगी। पेयजल योजनाओं को समय से पूरा करने के निर्देशनिर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय में जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए जरूरत के अनुसार मैनपावर बढ़ाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जल प्रबंधन पर विशेष ध्यानजलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों को जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल योजनाओं के संचालन और जलापूर्ति व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए अधिकारी नियमित निगरानी करें। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार की जा रही पेयजल योजनाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा और लोगों को लगातार पेयजल की सुविधा मिल सकेगी।

एआई युवा पीढ़ी की सोच पर प्रहार या बदलाव की नई दिशा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज में नेचुरल टच वेलफ़ेयर सोसायटी एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर-महाविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। क्या एआई युवा पीढ़ी की सोच पर प्रहार है? विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने पक्ष और विपक्ष में जोरदार तर्क प्रस्तुत किए।प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने एआई के बढ़ते इस्तेमाल से युवा पीढ़ी की सोच, रचनात्मकता और निर्णय क्षमता पर पड़ने वाले प्रभावों को अलग-अलग दृष्टिकोण से सामने रखा।



प्रभावी तर्कों और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति ने प्रतियोगिता को खासा रोचक बना दिया। निर्णायक मंडल में डॉ. बलवंत सिंह, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, श्री जय नारायण मिश्र पीजी कॉलेज और डॉ. श्रद्धा सिन्हा, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज शामिल रहीं। निर्णायकों ने कहा कि वाद-विवाद में विषय की मूल भावना को समझते हुए तार्किक, संतुलित और प्रभावी विचार रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं का उद्देश्य केवल जीत हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की क्षमता विकसित करना है।सौम्या द्विवेदी ने प्रथम, दीपांशी दीक्षित ने द्वितीय और राधिका गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया।कार्यक्रम में नेचुरल टच वेलफ़ेयर सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती स्मृति एवं सचिव श्री प्रदीप मौजूद रहे। महाविद्यालय की ओर से श्रीमती अनुपम सिंह, डॉ. कुसुम यादव, डॉ. आयुषी जायसवाल एवं डॉ. प्रज्ञा पांडे ने समन्वयन किया। तृषा ने मंच संचालन किया, जबकि आराध्या ने स्वयंसेवक के रूप में सहयोग दिया।सोसायटी का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, भाषा दक्षता, तार्किक क्षमता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति रुचि विकसित करना है। इसी उद्देश्य के तहत संस्था की ओर से विभिन्न अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

बीमारी से परेशान 48 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान

बख्शी का तालाब, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बीकेटी थाना क्षेत्र के भैंसामऊ गांव में मंगलवार सुबह बीमारी से परेशान 48 वर्षीय व्यक्ति ने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजन आनन-फानन उसे राम सागर मिश्र 100 शैय्या चिकित्सालय, साढ़ामऊ लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। भैंसामऊ निवासी अरविंद (48) काफी समय से लीवर संक्रमण से पीड़ित था। परिजनों के मुताबिक बीमारी के कारण वह काफी परेशान रहता था। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। जानकारी होने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।अस्पताल की ओर से घटना की सूचना बीकेटी पुलिस को दी गई। इसके बाद मृतक के पुत्र अजीत रावत ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर पिता के बीमारी से परेशान होकर आत्महत्या करने की जानकारी दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंशुमान सिंह पर कौशल्या ब्वॉयज हॉस्टल ले जाने का आरोप, पीड़ित ने जान से मारने की धमकी देने की भी कही बात

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। हॉस्टल में छात्र को बुलाकर डंडे और बेल्ट से बुरी तरह पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्र ने पुलिस को तहरीर देकर हॉस्टल के वार्डन समेत कुछ अज्ञात लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित दिव्यकांत दूबे पुत्र देवेंद्र कुमार दूब निवासी प्रतापपुर, भंडारा, वर्तमान में एसआर ब्वॉयज हॉस्टल में रह रहे हैं। शिकायत के मुताबिक, 4 सितंबर 2026 की रात करीब नौ बजे अंशुमान सिंह उन्हें कौशल्या ब्वॉयज हॉस्टल लेकर गए थे। आरोप है कि वहां पहले से हॉस्टल के वार्डन के साथ करीब पांच-छह अज्ञात लोग मौजूद थे। पीड़ित का आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद सभी लोगों ने मिलकर उसे डंडे और बेल्ट से बुरी तरह पीटा, जिससे शरीर में कई जगह चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके साथ गाली-गलौज भी की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत करते हुए आरोपियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे की वजह, मारपीट में शामिल लोगों तथा हॉस्टल में मौजूद अन्य व्यक्तियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। मारपीट के आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

बिजली कनेक्शन काटने पहुंची टीम से गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट बीबीडी थाना क्षेत्र में राजस्व वसूली और बिजली कनेक्शन काटने पहुंची विद्युत विभाग की टीम के साथ अभद्रता, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, विद्युत विभाग में सहायक अभियंता (कलेक्शन) अजय कुमार अपनी टीम के साथ राजस्व वसूली के लिए हाउस मुंड गांव के निकट पहुंचे थे। इस दौरान टीम द्वारा सूरज पाल यादव निवासी मयाराम यादव के बिजली संयोजन को काटने की कार्रवाई की जा रही थी। आरोप है कि इसी बात को लेकर सूरज पाल यादव ने विभागीय कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामला बढ़ता देख विभागीय कर्मचारियों ने पुलिस की सहायता के लिए डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने की जानकारी होते ही आरोपी कथित तौर पर अपनी गाड़ी से मौके से फरार हो गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, सरकारी कार्य में बाधा डालने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के संबंध में कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया।

घायल पिता की उपचार के दौरान मौत

मोहनलालगंज, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के उत्तरगांव में करीब 25 दिन पहले बेटे के चाकू से हुए जानलेवा हमले में घायल पिता की मंगलवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मौत के स्पष्ट कारणों की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, 14 अगस्त को उत्तरगांव निवासी बाबूलाल पर उनके बेटे शिव कुमार उर्फ गुड्डू ने चाकू से हमला कर दिया था। मामले में मोहनलालगंज थाने में बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घायल बाबूलाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के बाद 15 अगस्त को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था।इसके बाद बाबूलाल घर पर रह रहे थे। 24 अगस्त को अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें विद्या अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार चल रहा था। मंगलवार 8 सितंबर को उपचार के दौरान बाबूलाल की मौत हो गई।सूचना मिलने पर पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय व विवेचनात्मक साक्ष्यों के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे।वहीं, घटना के आरोपी बेटे शिव कुमार उर्फ गुड्डू को पुलिस ने घटना के अगले दिन 15 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया था। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया था। 16 अगस्त को आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। बाबूलाल की मौत के बाद पुलिस द्वारा मुकदमे में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत

माल लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते एक ही हफ्ते में करंट की चपेट मेंआने से दूसरे किसान की भैंस की जान चली गयी। लेकिन बिजली विभाग ने सबक नहीं लिया। कोई भी बिजली विभाग का जिम्मेदार न पहुंचने से ग्रामीणों रोष देखा जा रहा है। वहीं पशु चिकित्सक के बिना सेम्पल लिए ही पोस्ट मार्टम कर्ंये जाने से ग्रामीणों में खासी नाराजगी है। थाना क्षेत्र के बसहरी गांव निवासी सुरेश रावत की पत्नी पप्पू ने माल थाने पर तहरीर देकर आरोप लगायाहै कर्ं बिजली विभाग की लापरवाही के चलते मेरी नब्बे हजार कीमत की भैंस की करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गयी।सोमवार सायं चार बजे भैंस को मेरा बेटा चाराकर घर वापस ला रहा था।तभी सड़क किनारे रखे ट्रानसफार्मर से लटक रहे एल टी तार की चपेट में आने से करंट लगने से मौत हो गयी।

दो मोडिफाइड बुलेट सीज, मौके पर ही अवैध साइलेंसर निकलवाकर कराए नष्ट

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। तेज धमाके और पटाखे जैसी आवाज निकालकर राहगीरों में दहशत फैलाने वाली मोडिफाइड बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ निगोहां पुलिस ने मंगलवार को सख्त अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर थाना प्रभारी रवींद्र कुमार के नेतृत्व में कस्बे के नगराम मोड़ चौराहे समेत कई स्थानों पर बैरियर लगाकर सघन चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान तेज और कानफोडू आवाज करने वाली दो बुलेट मोटरसाइकिलों को पुलिस ने सीज कर दिया। पुलिस टीम ने मौके पर ही दोनों बाइकों से लगाए गए अवैध मोडिफाइड साइलेंसर निकलवाकर उन्हें नष्ट करा दिया। थाना प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि पटाखा साइलेंसर से निकलने वाली तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण के साथ आम लोगों में भय का माहौल पैदा होता है। ऐसे मोडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग यातायात नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस की इस कार्रवाई से स्टंटबाजों और बुलेट से तेज धमाके करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होगें 13 प्रमुख कार्यक्रम

❐ राज्य सरकार के 10 वर्ष व केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होगा सेवा संकल्प अभियान शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता



शाहजहांपुर। राज्य सरकार के 10 वर्ष और केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत रक्तदान, स्वच्छता, वृक्षारोपण, दिव्यांग कल्याण, बाल प्रतिभा सम्मान और गरीब कल्याण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन होगा। अभियान की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक हुई।। बैठक में डीएम ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य प्रमुख सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने के साथ ही प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत/2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। अभियान के दौरान कुल 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 17 सितंबर को आशीर्वाद दीया कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गांव में घरों के बाहर एक स्थान पर 100-100 दीये, नगर निकायों में 400 से 500 तथा नगर निगम क्षेत्र में हनुमत धाम पर 11 हजार आशीर्वाद दीये जलाए जाएं। इसके अलावा प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, नदी घाट, प्रमुख मंदिर, पार्क, विद्यालय, महाविद्यालय और चिकित्सालयों में भी विशेष दीप प्रज्वलन कराया जाएं। बताया कि कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में भाषण प्रतियोगिता, ड्राइंग एवं प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में युवाओं से संवाद तथा विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक केंद्रों, विद्यालयों और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक एवं मंचन के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। आंगन उत्सव के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सार्वजनिक सम्मान और मातृ एवं शिशु पोषण, स्वास्थ्य तथा महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की वास्तविक कहानियां सामने लाई जाएंगी। 25 वर्षों के 25 सेवा कार्यों में से किसी एक से जुड़कर समाजसेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विकासखंड स्तर पर सात दिवसीय शिविर लगाए जाएंगे और मौके पर ही लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। संकल्प की रंगोली के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रतीकों और विकसित भारत के सपने को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा विकसित भारत संकल्प यात्रा में इन्फ्लुएंसर्स कनेक्ट, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी यात्रा में जल-नल एवं सेवा संकल्प तथा जन सेवा महाकुंभ जैसे कार्यक्रम भी अभियान का हिस्सा होंगे।

घरों में पानी भरने के बाद विद्यालय भी जलमग्न,संपर्क मार्गों पर भी पानी की दस्तक

❐ बैराजों से लगातार छोड़े जा रहे पानी से बसंतापुर में बिगड़ते हालात जिओ ट्यूब धंसने से बना बाढ़ का कारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बसंतापुर, बेहटा, सीतापुर । शारदा नदी में बढ़ते जलस्तर और बैराजों से लगातार पानी छोड़े जाने के चलते बसंतापुर क्षेत्र में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। खेतों और घरों में पानी भरने के बाद अब विद्यालय परिसर भी जलभराव की चपेट में आ गया है। विद्यालय में पानी भरने से बच्चों की पढ़ाई और विद्यालय संचालन प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है।

वहीं कई संपर्क मार्गों पर पानी भर जाने से ग्रामीणों का आवागमन भी बाधित हो सकता है ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर बढ़ने के साथ उनकी मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं ग्रामीणों का कहना है कि हमारे यहां वर्ष 2018,19 से निरंतर सिंचाई विभाग द्वारा परियोजना निर्माण से लेकर ड्रेजिंग व बचाव कार्य तक अब तक पचासों करोड़ रुपया व्यय हो चुका है एक से एक काम नदी में बाढ़ आते ही चुनौती बन जाता है परन्तु कटान का कोई स्थाई समाधान नहीं मिल पा रहा है स्थाई समाधान के लिए ग्रामीण बोल्डर पिचिंग जैसे मजबूत कार्य की मांग कर रहे हैं।

घरों में पानी भरने से भोजन न बना पाने के कारण प्रभावित घरों में सोमवार की रात 7 सितम्बर को राजस्व विभाग द्वारा लंच पैकेट बंटवाए गए।

व्यवहार आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



हरगांव, सीतापुर। अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड हरगांव में सोमवार एवं मंगलवार को एम्प्लाइज क्लब में दो दिवसीय व्यवहार आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मिल के 200 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारीजनों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।मुंबई के प्रख्यात व्यवहार आधारित सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. हरवंश लाल कैला ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

उन्होंने व्यवहार आधारित सुरक्षा के महत्व, असुरक्षित व्यवहार की पहचान, आपसी संवाद तथा कार्यस्थल के साथ-साथ परिवार की सुरक्षा में सुरक्षित व्यवहार की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिकांश दुर्घटनाओं को सावधानी, सही व्यवहार और समय रहते जोखिम की पहचान कर टाला जा सकता है।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न व्यवहारिक गतिविधियों एवं उदाहरणों के माध्यम से सुरक्षित कार्यशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने स्वयं सुरक्षित व्यवहार अपनाने तथा अपने सहकर्मियों और परिवार के सदस्यों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।मंगलवार शाम प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर अधिशासी अध्यक्ष ए.के. दीक्षित ने कहा कि सुरक्षा किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मिल में कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के नियम तभी प्रभावी होंगे, जब वे हमारी कार्यशैली और दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कर्मचारियों से अपील की कि कार्यस्थल पर छोटी-सी लापरवाही को भी नजरअंदाज न करें और स्वयं सुरक्षित रहने के साथ अपने साथी कर्मचारियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना जरूरी है, क्योंकि सुरक्षित परिवार ही सुरक्षित समाज की आधारशिला है।उन्होंने प्रशिक्षण में कर्मचारियों एवं उनके परिवारीजनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति सोच और व्यवहार में स्थायी बदलाव लाना है। कार्यक्रम में अधिशासी उपाध्यक्ष विवेक तिवारी, के.पी. सिंह,नीरज चौधरी, अनिल शर्मा, आशुतोष त्रिपाठी, देवेंद्र सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पीडीए जन चौपाल की बैठक में उठी सड़क की मांग

सुल्तानपुर। इसौली विधानसभा के ग्राम सभा भीखी का पुरवा उत्तरगांव ब्लॉक -कुड़वार, पोस्ट-अलीगंज बाजार की 70 वर्ष पुरानी 50 मीटर कच्ची सड़क का मामला चर्चा। जन चौपाल की बैठक श्रीराम इण्टर कलेज रवनिया पूरब में उठी आवाज तो स्थानीय विधायक ताहिर खाँ ने तुरंत जारी किया। आदेश इसौली विधानसभा के अध्यक्ष स्वामी नाथ यादव को दिया निर्देश कहा इसी बजट में ये सड़क बननी चाहिए। स्थानीय लोगों ने कहा ये 50 घर यादवों का है इसमें हमेशा समाजवादी पार्टी को वोट देते चला आ रहा है 20 वर्षों से सपा का विधायक रहें हैं। तब से इसका वादा रहा है लेकिन फिर भी कच्ची सड़क रह गई। ग्राम सभा के समाजसेवी दिनेश सिंह बताया हम अपने पैसे से डेढ़ टाली ईंटा डलवाया है और ये भी बताया कि पूर्व में रहे विधायक अनूप संडा से कहा गया था लेकिन उनका क्षेत्र बदल गया नहीं बनी सड़क, उसके बाद दो बार सपा से विधायक रहे स्वर्गीय अबरार अहमद उनसे भी कहा गया था लेकिन सड़क वैसे गड्ढे में रह गई और उसके बाद सपा से वर्तमान विधायक ताहिर खाँ से इसी ग्राम सभा में 28 मई 2026 को गया जगन्नाथ के भण्डारा में आये थे अवगत कराया गया तो विधायक ने आश्वासन दिया था कि ये सड़क बहुत जल्द बन जायेगी।

कादीनगर इंटर कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

❐ अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्राथमिक ,जूनियर एवं सीनियर वर्ग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता



नैमिषारण्य, सीतापुर। स्थानीय सरोजनी सियाराम बाबूराम नंद इंटरमीडिएट कॉलेज कादीनगर में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्राथमिक ,जूनियर एवं सीनियर वर्ग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विषयक निबंध लेखन में अंशुमान, सोनम एवं अंजलि जूनियर वर्ग में निधि रावत, रोहिणी सिंह, राम शुक्ला, शगुन शुक्ला एवं काशान ,सीनियर वर्ग में इल्मा खान, शिफा, प्रज्ञांश शुक्ला,प्रांशी वर्मा, प्रदीप गुप्ता,मोहन गुप्ता, ऋषि शर्मा,प्रियांशु गौतम, राखी शुक्ला, गौरी शुक्ला, रंजना वर्मा ने बाजी मारी। वहीं भाषण प्रतियोगिता में पढ़ेगा इंडिया -बढ़ेगा इंडिया विषय पर जैनब , आयुष, शिवम, मान्या शुक्ला ,सोनू ,प्रीति गौतम ,कृष्ण कुमार मौर्य, दीपक यादव ने बाजी मारी। साक्षरता से उज्जवल भविष्य विषयक चित्रकला प्रतियोगिता में प्राची,सूरज कुमार,प्रज्ञांश ,गणेश विश्वकर्मा,राखी, रिया , शिवानी,श्रेया श्रीवास्तव, अंश रावत,सिमरन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अंत्याक्षरी प्रतियोगिता में अनुप्रिया ,मोहिनी ,सुहानी ,अंजू,पंछी,प्रिया गौतम, अन्नपूर्णा,वर्षा कुमकुम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य के द्वारा पारितोषिक प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक देवेंद्र नंदवंशी एडवोकेट,प्रधानाचार्य सुनील कुमार, प्रतियोगिता आयोजन प्रभारी पलक शुक्ला, निर्णायक मंडली के सम्मानित शिक्षक गण कपिल कुमार ,सूरज,अमित मौर्य, रंजीत भारती,चंद्रशेखर आजाद, पिंकी शुक्ला ,पूजा, सुधांशु सक्सेना, स्वीटी, मोहिनी, आकांक्षा, आयुषी, जूली,काजल आदि लोगों ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके स्वर्णिम उज्जवल भविष्य की कामना की।

महिला पत्रकारों से कथित मारपीट और अभद्र व्यवहार का मामला, निष्पक्ष जांच की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर खीरी। स्वतंत्र महिला पत्रकार शाहीना खान एवं नफीसा खान के साथ कथित मारपीट एवं अभद्र व्यवहार के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। मामले को लेकर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) के जिला अध्यक्ष विमलेश पांडेय ने राष्ट्रपति एवं संबंधित जिला प्रशासन को पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

पत्र के अनुसार, दोनों महिला पत्रकार एक अस्पताल में आयोजित नए विंग के शुभारंभ कार्यक्रम की कवरेज कर रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा दोनों पत्रकारों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार एवं मारपीट की गई। आरोप यह भी है कि उन्हें जबरन पुलिस वाहन में बैठाकर थाने ले जाया गया, जहां भी उनके साथ कथित मारपीट की गई।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि पत्रकार समाज के सामने वास्तविक घटनाओं को रखने और लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में पत्रकारों के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार अथवा हिंसा चिंता का विषय है।

संगठन ने मांग की है कि पूरे प्रकरण का निष्पक्ष एवं गंभीरता से जांच कराई जाए। जांच में यदि किसी पुलिसकर्मी की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्र पत्रकारिता के अधिकारों पर लोगों का भरोसा कायम रहे। अब बड़ा सवाल यह है कि महिला पत्रकारों द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कब तक पूरी होगी और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर क्या कार्रवाई की जाएगी?

गोवंशों की दुर्दशा को लेकर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भड़के, समर्थकों के साथ गेट पर दिया धरना

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सकरन, सीतापुर। गोवंश संरक्षण के नाम पर सरकारी धन खर्च होने के बावजूद यदि गौशाला में पशुओं को चारा तक न मिले और मृत गोवंशों के शव खुले में पड़े-पड़े चील, कौए और कुत्तों का निवाला बनते रहें, तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। विकासखंड सकरन की ग्राम पंचायत बगहाढाक स्थित अस्थायी गौ आश्रय स्थल में सामने आई कथित अव्यवस्थाओं ने गौ संरक्षण व्यवस्था की बदहाली की तस्वीर उजागर कर दी है।

मंगलवार को गौशाला के औचक निरीक्षण के दौरान बीमारी से मृत बताए जा रहे पांच गोवंशों के शव खुले में पड़े मिलने और उन्हें पक्षियों व कुत्तों द्वारा नोचे जाने की बात सामने आई। गौशाला की स्थिति देखकर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार वर्मा का गुस्सा फूट पड़ा और वह समर्थकों के साथ गौशाला के गेट पर ही धरने पर बैठ गए। निरीक्षण के दौरान गौशाला में कई गोवंश गंभीर रूप से बीमार बताए गए। मौके पर हरा चारा उपलब्ध नहीं मिला, जबकि भूसा भी जरूरत के मुताबिक पर्याप्त मात्रा में नहीं होने की बात कही गई। गौशाला परिसर में जगह-जगह गंदगी दिखाई देने का आरोप है। सबसे गंभीर स्थिति तब सामने आई जब बीमारी से मृत बताए जा रहे पांच गोवंशों के शव खुले में पड़े मिले। शवों को चील-कौए और कुत्ते नोच रहे थे। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। मामले की सूचना पर खंड विकास अधिकारी श्रीश कुमार गुप्ता मौके पर पहुंचे और गौशाला का निरीक्षण किया। जांच के दौरान वहां एक बोरे में गोवंशों की हड्डियां मिलने की बात सामने आई। हड्डियों से भरा बोरा मिलने के बाद गौशाला के संचालन और मृत गोवंशों के निस्तारण की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

खैराबाद के लाल ने फिल्म जगत में मचाया धमाल



सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। हनुमान अंश' मूवी जो बाबा नीम करौली के जीवन पर आधारित है। उस फिल्म में नायक की भूमिका निभाने वाले शोभिनव सत्या विद्या भारती के सरस्वती शिशु मंदिर, माखूपुर, खैराबाद, सीतापुर के पूर्व छात्र हैं। शोभिनव सत्या ने इस विद्यालय में कक्षा प्रथम से कक्षा सप्तम तक प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और 17 जुलाई 2007 तक यहां अध्ययनरत रहे। विद्यालय में उनका नाम अभिनव श्रीवास्तव था। वे श्री सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव एवं श्रीमती लक्ष्मी श्रीवास्तव के पुत्र हैं। विद्यालय में उनके सीनियर रहे और वर्तमान में इंडिया टीवी डिजिटल में एंकर एवं सीनियर सब-एडिटर श्री विनय त्रिवेदी ने बताया कि आगे की शिक्षा के दौरान अभिनव अपने घर वाले नाम शोभित श्रीवास्तव के रूप में पहचाने जाने लगे। बाद में उन्होंने अपने दोनों नामों 'शोभित' और 'अभिनव' के अंशों को जोड़कर 'शोभिनव' नाम बनाया। इसी नाम से उन्होंने फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाई। विद्या भारती विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर, माखूपुर, खैराबाद, सीतापुर का समस्त विद्यालय परिवार अपने पूर्व छात्र शोभिनव सत्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। विद्यालय के सभी भैया-बहिन उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों से हर्षित एवं गौरवान्वित हैं तथा उनकी सफलता को अपने लिए प्रेरणास्रोत मानते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं महिला कल्याण विभाग की लाभार्थियों को किया सम्मानित



शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, मेधावी बच्चों तथा पोषण, शिक्षा एवं महिला कल्याण से जुड़ी उत्कृष्ट महिलाओं के सम्मान एवं नव नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों तथा सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में राज्यसभा सांसद मिथिलेश कठेरिया, एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता, जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी एवं महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता की उपस्थिति में देखा गया। कार्यक्रम के दौरान जनपद की आईसीडीएस विभाग से संबंधित पांच एवं महिला कल्याण विभाग से संबंधित पांच उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 29.11 करोड़ रुपये की धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां घर-घर जाकर बच्चों एवं महिलाओं के कल्याण के लिए कार्य करती हैं तथा समाज के अंतिम पायदान तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके समर्पण एवं सेवाभाव के लिए वे बधाई एवं सम्मान की पात्र हैं। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को सरकार क्षरा स्मार्टफोन, पांच लाख रुपये तक का कैशलेस हेल्थ कार्ड तथा साड़ी हेतु निर्धारित धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। इस दौरान उन्होंने सराकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाली अधीक्षिकाओं, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया।

बरोठा रपटा पर तेज बहाव, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं

❐ ग्रामीणों ने कहा एक रस्सा भी नहीं बंधा जान जोखिम में डालकर निकल रहे है

कैनविज टाइम्स संवाददाता



निघासन-खीरी। तहसील निघासन क्षेत्र के बरोठा गांव व उसके मजरों में बाढ़ का पानी खेतों से होता हुआ गांव के चारों तरफ पहुंच गया है। कई घरों में पानी भर जाने से ग्रामीणों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। घरों में पानी घुसने के कारण लोगों के सामने खाना बनाने से लेकर बच्चों की देखरेख तक की मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बढ़ रहे पानी के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक बाढ़ प्रभावित परिवारों को एक भी लंच पैकेट वितरित नहीं किया गया है।

लगातार खबरें चलने के बावजूद भी सबसे गंभीर स्थिति गांव को तहसील मुख्यालय से जोड़ने वाले बरोठा रपटा मार्ग की बनी हुई है। रपटा के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजर रहा है। इसके बावजूद मौके पर लोगों की सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से न तो रस्सा लगाया गया है और न ही आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए कोई अन्य ठोस व्यवस्था की गई है। तेज बहाव के बीच ग्रामीणों को मजबूरी में इसी रास्ते से आवागमन करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या जिम्मेदार अधिकारी पिछले वर्ष की तरह किसी हादसे का इंतजार कर रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक गत वर्ष आई बाढ़ के दौरान इसी रपटा पर पानी के तेज बहाव में गांव का एक युवक चारा लेने जा रहा था तभी उसका पैर फिसल गया और तेज बहाव में डूब गया था हालांकि गांव के कुछ युवकों ने तैर कर किसी तरह बाहर निकाल लाये थे तब युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। हालत गंभीर होने पर उसे इलाज के लिए लखनऊ ले जाना पड़ा था। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और चंदा जुटाकर उसके इलाज में मदद की थी। ग्रामीणों का आरोप है कि इस वर्ष भी रपटा पर तेज बहाव चल रहा है, लेकिन अभी तक सुरक्षा के लिए एक रस्सा तक नहीं लगाया गया है। इतना ही नहीं, मौके पर न तो लेखपाल पहुंचे और न ही राजस्व विभाग की टीम ने स्थिति का जायजा लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पानी के तेज बहाव के बीच किसी व्यक्ति का पैर फिसल गया तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मौके पर राजस्व टीम भेजकर स्थिति का निरीक्षण कराने, रपटा पर सुरक्षा के लिए रस्सा लगाने, आवागमन की व्यवस्था सुरक्षित करने और बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री व भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को किसी अनहोनी का इंतजार करने के बजाय समय रहते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने चाहिए।

लखीमपुर खीरी के नगर पालिका सभागार में किया गया काव्य उत्सव का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखीमपुर-खीरी। परिवर्तन फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार शाम ''काव्य उत्सव'' नगर पालिका सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष डा. इरा श्रीवास्तव ने कहा, 'बेचैन जी कविता लेखन में बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर अत्यंत रचनात्मक कार्य कर रहे हैं।' इरा जी ने अपने वक्तव्य में आगे कहा, ''नगर पालिका हिंदी गद्यकारों के लिये कुछ रचनात्मक कार्य करना चाहती है। इसका शुभारंभ हम कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के साहित्य से करेंगे।'' विशिष्ट अतिथि राज्य पुरस्कार प्राप्त प्रतिष्ठित शिक्षक पंकज वर्मा, पीके इंटर कॉलेज के अंग्रेजी प्रवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजकिशोर गौतम ने कहा 'बेचैन जी नवोदित कवियों का उचित मार्गदर्शन कर रहे हैं।' कार्यक्रम में गोला गोकर्णनाथ के चर्चित कवि रमाकांत चौधरी को उनकी साहित्यिक साधना के लिये मुख्य अतिथि ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति प्रदान कर सम्मानित किया। चर्चित कथाकार कार्यक्रम संचालक सुरेश सौरभ ने अपनी लघुकथा 'ईश्वर'' का वाचन किया। पवन तारा, कुलदीप समर, श्याम किशोर बेचैन, रमाकांत चौधरी, डॉ. मृदुला शुक्ला, अमन पाण्डेय, शिवम सार्थक, वेद प्रकाश वर्मा, पंकज वर्मा, ने काव्य पाठ करके सभी को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री डॉ. मृदुला शुक्ला ने की। शिवम पटेल, प्रज्ञा वर्मा, निधि वर्मा, प्रिंशी वर्मा, दीपमाला, मधु सिंह, आराध्या चंद्रा, काव्या सोनी, रोशनी शर्मा, प्रियांशी शर्मा, मानसी भारती, रूपांशी भारती, आदि प्रशिक्षुओं ने भी काव्य पाठ किया, इन्हें स्मृति चिह्न अतिथियों ने प्रदान कर सम्मानित किया। सभा में सत्य प्रकाश ''शिक्षक'', धर्मेन्द्र कुमार, रामबाबू आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजन श्याम किशोर ''बेचैन'' ने आभार व्यक्त किया।

खैराबाद में 4 करोड़ की नजूल भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

खैराबाद, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पालिका परिषद खैराबाद द्वारा हटौरा क्षेत्र में सरकारी नजूल भूमि को आज अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई की गई। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या-06 हटौरा स्थित नजूल भूखण्ड संख्या 1007, 1008, 1009, 1010, 1011 एवं 1017 नजूल सरकार के रूप में दर्ज हैं। उक्त भूमि का क्षेत्रफल लगभग 40,000 वर्गफीट तथा अनुमानित बाजार मूल्य लगभग चार करोड़ रुपये है और यह राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन है। उक्त नजूल संपत्ति पर टिन सेट एवं अवैध रूप से अस्थायी बाउंड्री वॉल बनाकर कब्जा किया गया था। इस संबंध में अहमद हसन पुत्र जुम्मन, निवासी मोहल्ला हटौरा, खैराबाद के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गई। संबंधित अवैध कब्जेदार को अपना पक्ष प्रस्तुत करने तथा कब्जे के समर्थन में वैध अभिलेख/दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया था। निर्धारित अवधि में अवैध कब्जेदार द्वारा न तो कोई वैध स्वामित्व संबंधी अभिलेख प्रस्तुत किया गया और न ही अपने पक्ष में कोई दस्तावेज प्रस्तुत किया गया। उपलब्ध नजूल एवं राजस्व अभिलेखों तथा स्थलीय निरीक्षण के आधार पर कब्जा अवैध पाए जाने के उपरांत संबंधित कब्जेदार को 15 दिवस के भीतर स्वयं अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण हटाने का आदेश पारित किया गया था। निर्धारित अवधि में कब्जा स्वयं न हटाए जाने के कारण आज राजस्व विभाग, नगर पालिका परिषद एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर नियमानुसार अवैध कब्जा/अतिक्रमण हटाया गया तथा नजूल भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।

जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में तेजी लायें : डीएम

❐ जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा में गुणवत्ता एवं समयबद्ध कार्य पर जोर दिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, जल निगम के अधिकारी, विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी संजय चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन भारत सरकार की महत्वाकांक्षी एवं प्राथमिकता वाली योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थावार परियोजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, पाइपलाइन बिछाने की तकनीकी प्रक्रिया, निर्माण सामग्री की उपलब्धता, जलस्रोतों की स्थिति, पेयजल की गुणवत्ता जांच तथा लाभार्थियों को दिए जा रहे घरेलू जल कनेक्शनों की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को पूर्ण कराया जाए।? जिलाधिकारी ने विशेष रूप से उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जिनकी प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को मासिक लक्ष्य निर्धारित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति से संबंधित योजनाओं का लाभ समय पर लोगों तक पहुंच सके। बैठक में जल जीवन मिशन से संबंधित जनता दर्शन, तहसील दिवस, आईजीआरएस एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने अथवा डिफाल्टर श्रेणी में आने वाले अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल पाइपलाइन बिछाना नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों को स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके लिये संबंधित विभाग और कार्यदायी संस्थाएं आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण कर जनसामान्य को लाभान्वित करें।

आंगनवाड़ी सहायिकाओं में वृद्धि की घोषणा पर रायबरेली के आंगनवाड़ी संगठन ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

❐ पदाधिकारियों एवं कार्यकत्रियों ने एक स्वर में इस ऐतिहासिक एवं जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता



रायबरेली। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं के हित में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय पर रायबरेली के आंगनवाड़ी संगठन ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों का मानदेय 12,000 तथा सहायिकाओं का मानदेय 6,000 किए जाने की घोषणा, साथ ही 5 लाख तक के कैशलेस स्वास्थ्य बीमा, स्मार्टफोन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान किए जाने का निर्णय प्रदेश की लाखों आंगनवाड़ी बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।इस अवसर पर रायबरेली की ओर से जिलाध्यक्ष बीना सिंह, जिला मंत्री स्नेहा सिंह, कोषाध्यक्ष प्रियंका सिंह, जिला उपाध्यक्ष बीना श्रीवास्तव, ब्लॉक महामंत्री रचना श्रीवास्तव एवं जिला संरक्षक विक्रम सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला संयुक्त मोर्चा के संयोजक श्री राकेश शुक्ला भी उपस्थित रहे और उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं के हित में लिए गए इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से कार्यरत बहनों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां एवं सहायिकाएं वर्षों से बाल विकास, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मानदेय में यह वृद्धि उनके कार्य के प्रति सम्मान को दर्शाती है। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्त्रियों ने एक स्वर में कहा इस ऐतिहासिक एवं जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से कोटि-कोटि धन्यवाद एवं आभार।

एम्स रायबरेली में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

❐ समारोह की शुरुआत संकाय सदस्यों के तिलक एवं गुलाब देकर स्वागत से हुई

कैनविज टाइम्स संवाददाता



रायबरेली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायबरेली में शिक्षक दिवस के अवसर पर 7 सितंबर 2026 को शाम 4 बजे से मेडिकल कॉलेज भवन के ग्राउंड फ्लोर स्थित लेक्चर थिएटर (ख्ब्ट्ठ) में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के शिक्षकों एवं संकाय सदस्यों के योगदान के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करना रहा।

समारोह की शुरुआत संकाय सदस्यों के तिलक एवं गुलाब देकर स्वागत से हुई। इसके बाद दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यकारी निदेशक प्रो. (डॉ.) अमिता जैन महोदया ने अपने संबोधन में बताया कि भारतीय संस्कृति में गुरू-शिष्य परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। शिक्षक देश के भविष्य-निर्माण में आज भी महत्वपूर्ण योगदान निभा रहे है। डीन एवं आचार्यों द्वारा अपने संबोधन में शिक्षा, चिकित्सा प्रशिक्षण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर एम्स के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं नर्सिंग विद्यार्थियों ने शास्त्रीय गायन, समूह नृत्य, समूह गीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को आकर्षक बनाया।

चाचा भतीजे को सांप नें डसा, चाचा की मौत

कादीपुर, सुलतानपुर। कोतवाली क्षेत्र के बरवारीपुर निवासी कौलेश्वर के पुत्र 40 वर्षीय राकेश व उनके भतीजे 16 वर्षीय मंगलदीप उर्फ शुभम को रात में सोते समय सांप नें डस लिया जिसमें जिला चिकित्सालय में इलाज के दौरान राकेश की मौत हो गई व भतीजे का इलाज जारी है। उक्त सर्पदंश की घटना के बाद परिजनों ने दोनों को स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां से स्थिति गंभीर बने रहने के चलते उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घर वालों नें बताया कि राकेश दो दिन पहले दिल्ली से घर वापस आया था और घटना के पूर्व खाना खाकर बीती रात राकेश व भतीजा शुभम एक साथ सो रहे थे कि उक्त घटना घटित हो गया। घटना को लेकर गांव में अफरातफरी का माहौल है।

22 घंटे बाद तालाब से मिला मासूम अनस का शव, परिवार में मचा कोहराम

कैनविज टाइम्स संवाददाता



अमेठी। लापता दो वर्षीय मासूम अनस की तलाश में पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने करीब 22 घंटे तक तालाब और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च अभियान चलाया। लंबे प्रयास के बाद टीम ने तालाब से अनस का शव बरामद कर लिया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. देर रात करीब दो बजे मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों तथा सर्च ऑपरेशन में लगी टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसके बाद तलाश अभियान को और तेज किया गया।

शव बरामद होने के बाद पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मासूम की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। अनस का शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

घरगिरी का लाभ न मिलने पर महिला ने लगाए आरोप, लेखपाल ने बताया पति का नाम पहले से सूची में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। घरगिरी योजना का लाभ न मिलने से नाराज महिला की ओर से लगाए गए आरोपों के मामले में लेखपाल ने अपना पक्ष रखते हुए आरोपों को निराधार बताया है। लेखपाल के अनुसार महिला के पति का नाम पहले से ही घरगिरी योजना की सूची में दर्ज है। पति-पत्नी के अलग-अलग रहने की बात भी जांच में सामने आई है। ऐसे में महिला की ओर से स्वयं के नाम पर योजना का लाभ दिए जाने की मांग की जा रही है। लेखपाल के मुताबिक सरेनी थाना क्षेत्र के मलके गांव निवासी सुमन द्विवेदी की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की गई। जांच में पता चला कि महिला के पति बाबू शंकर का नाम पहले ही घरगिरी योजना की सूची में दर्ज है।

पति-पत्नी वर्तमान में अलग-अलग रह रहे हैं। महिला ने अब अपने नाम से योजना का लाभ दिलाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है।लेखपाल दिनेश कुमार सबिता ने बताया कि महिला की ओर से लगाए गए आरोप जांच में सही नहीं पाए गए हैं। योजना के नियमानुसार पात्रता और परिवार को पूर्व में मिले लाभ की स्थिति के आधार पर ही लाभ दिया जाता है। पात्रता पूरी होने पर नियमानुसार लाभ दिलाया जाएगा। लालगंज तहसीलदार पवन ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। यदि पति का नाम पहले से योजना की लाभार्थी सूची में दर्ज है तो नियमानुसार पत्नी को दोबारा लाभ दिया जाना संभव नहीं है। एक ही परिवार को एक योजना के तहत दो बार लाभ देने का प्रावधान नहीं है। फिर भी पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सड़क के किनारे सूखे जर्जर पेड़ बने जानलेवा

जयसिंहपुर, सुलतानपुर। मामला जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बरौसा बिरसिंहपुर रोड पर सड़क के किनारे लगभग दर्जनों पेड़ ऐसे सुख गए है कि उनकी हालत बहुत ही जर्जर हो चुकी है। जो राहगीरों के लिए किसी जानलेवा से कम नहीं है ऐसे कई दुर्घटनाएं क्षेत्र की सड़कों के किनारे जर्जर पेड़ो से हो भी चुके है फिर भी विभागीय अधिकारी/कर्मचारी अपनी आंखों को बंद करके किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना की सार्वजनिक स्थानों पर कुछ जर्जर पेड़ो के लिए वन विभाग इंस्पेक्टर से मिलकर और दूरभाष पर भी कई बार बात किया गया फिर भी बरौंसा बैंक के सामने का जर्जर आम का पेड़ अभी तक विभाग द्वारा नहीं काटा गया। जबकि बैंक उपभोक्ताओं की कई गाड़िया क्षतिग्रस्त हो चुकी है और कई लोग घायल भी हो चुके है। जो कि यही स्थित गोपाल पुर चौराहे के मेन चौक पर बनी हुई है जो दो जर्जर पेड़ की डालियां अपने आप गिरती है और राहगीरों/दुकानदारों के लिए आएदिन मुसीबत बनी रहती है चौराहा वासियों के लिए चाहे रात हो या दिन हो 24 घंटे दहशत बनी रहती है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत युवक गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद



कैनविज टाइम्स संवाददाता

संग्रामपुर, अमेठी। जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत संग्रामपुर थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर थाना क्षेत्र के टीकरमाफी मजरे पिताम्बर पांडेय का पुरवा निवासी निहाल तिवारी (22) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सौम्य कुमार जायसवाल, कांस्टेबल सोमित कुमार, विजय कुमार पाल और हरवेंद्र सिंह शामिल रहे।

12 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत में होगा वादों का निस्तारण

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिविल जज (सी0डि)/त्वरित न्यायाधीश/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ अंकित रस्तोगी ने जानकारी देते हुए बताया कि मा0 राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ?प्र? राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ द्वारा 12 सितम्बर 2026 को जनपद-बदायूँ में समय प्रातः 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ की अध्यक्षता में किया जाना सुनिश्चित किया गया है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश के अनुपालन में राजवीर सिंह, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, बदायूँ एवं अंकित रस्तोगी, सिविल जज (सी0डि0)/त्वरित न्यायाधीश/प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ द्वारा समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी बदायूं, समस्त तहसीलदार, जनपद बदायूं, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, बदायूं, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), पुलिस क्षेत्राधिकारी (यातायात) बदायूं एवं समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत जनपद बदायूं की 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार व अधिक से अधिक वादों को चिन्हित एवं निस्तारण करने हेतु बैठक आहूत की गयी। बैठक में उपस्थित समस्त प्रशासनिक अधिकारीगण, समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत व पुलिस अधिकारीगण को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जनसामान्य को सूचित कर अधिकाधिक संख्या में प्री-लिटीगेशन विवादों को नियत कर आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराने का यथासम्भव प्रयास करें।

सीडीओ ने छात्र-छात्राओं से की चर्चा

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं उचित मार्गदर्शन के उद्देश्य से शिव देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइन, बदायूँ में छात्र-छात्राओं के साथ चर्चा की। चर्चा के दौरान छात्र-छात्राओं ने संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की परीक्षा की तैयारी सहित विभिन्न विषयों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्य विकास अधिकारी ने छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में उचित मार्गदर्शन देते हुए नियमित अध्ययन, लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी करने तथा समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखने तथा अपने गुरुजनों का सम्मान करने की अपील की। इसके अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) परिसर में ऑडिटोरियम एवं अतिरिक्त कक्षा-कक्ष, थाना कोतवाली परिसर में 48 क्षमता के हॉस्टल/बैरक एवं विवेचना कक्ष तथा सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय भवन में कराए जा रहे मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य का निरीक्षण किया। थाना कोतवाली परिसर में 48 क्षमता के हॉस्टल/बैरक एवं विवेचना कक्ष में अपूर्ण कार्यों को 15 दिवस में पूर्ण कराने के निर्देश कार्यदायी संस्था को दिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रशासकीय विभाग एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक लाल जी यादव, प्रधानाचार्य वेद रतन शर्मा एवं अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

आयुष अस्पताल में डॉक्टर-कर्मचारी नदारद, दवाओं की कमी, मरीज परेशान



कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। 50 शैय्या आयुष अस्पताल बेनीपुर में मंगलवार को ओपीडी शुरू होने के समय अधिकांश डॉक्टर और कर्मचारी अनुपस्थित मिले। अस्पताल में ओपीडी का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित है, लेकिन सुबह करीब 8:30 बजे केवल दो चिकित्सक ही मौजूद थे। कई कर्मचारी और डॉक्टर करीब 9 बजे तक अस्पताल पहुंचे।

आयुर्वेद विभाग की चिकित्सक डॉ. शिवेंद्र मलिक और डॉ. हेमलता भी बाद में अपने कक्ष में पहुंचीं। पैथोलॉजी विभाग में एक असिस्टेंट ही मौजूद मिली, जबकि लेखाकार अनुपस्थित रहे। नोडल प्रभारी डॉ. शिवेंद्र त्रिपाठी तिवारी ने बताया कि कर्मचारियों और चिकित्सकों के समय से न आने की समस्या है। कई बार निर्देश देने के बावजूद कुछ लोग समय का पालन नहीं करते।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में आयुर्वेद की कई दवाएं खत्म हो चुकी हैं, जिसकी सूचना उच्च अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। अस्पताल में प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज ओपीडी में आते हैं और उपलब्ध दवाओं के अनुसार उन्हें उपचार दिया जा रहा है।

यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए 12 सितंबर को अभियान

अमेठी। यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से भारतीय जागृति मिशन दिव्यांग संघ की ओर से 12 सितंबर को जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को प्रातः 11 बजे अंबेडकर तिराहा पर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान लोगों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया जाएगा। वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात नियमों की अनदेखी न करने की अपील की जाएगी। दिनेश कुमार गुप्ता ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक को अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से अभियान में शामिल होकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की।

मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय निर्माण में मिली खामियां, बीईओ ने लगाई फटकार



कैनविज टाइम्स संवाददाता

भेटुआ, अमेठी। भेटुआ चौराहे के पास निर्माणाधीन मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय के भवन निर्माण में अनियमितताओं की शिकायत पर खंड शिक्षा अधिकारी संतोष यादव ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने निर्माण में पीली ईंट और सफ़ेद मोरंग के इस्तेमाल का आरोप लगाया था।

निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में कुछ खामियां मिलने पर बीईओ ने संबंधित जेई विनोद कुमार और ठेकेदार को फटकार लगाते हुए निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीईओ संतोष यादव ने बताया कि निरीक्षण रिपोर्ट बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेजी जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

उपमुख्यमंत्री के बयान पर कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा का पलटवार



अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद के दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा दिए गए बयान पर कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर सड़क निर्माण और रखरखाव के मुद्दे पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार का ''गड्ढा मुक्त प्रदेश'' का दावा धरातल पर दिखाई नहीं देता। आराधना मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की कई सड़कों की स्थिति खराब है और सरकार द्वारा निर्मित हाईवे व एक्सप्रेसवे भी बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त होने की शिकायतों से घिरे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के टैक्स से बनने वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस विधायक ने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के कारण जनता के धन का दुरुपयोग हो रहा है। साथ ही सरकार से सड़कों की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

डीएम मैंम,सकरौरा ग्रामीण में वीबी–जी रामजी में दिहाड़ी मजदूरों से कराया जा रहा कार्य....

- अगस्तमुनि तालाब (कुंड) खुदाई के नाम पर चल रहा खेल,अधिकारियों ने बंद की आंखें..!
- वीबी– जी राम जी योजना में फर्जीवाड़ा कराने के मास्टर माइंड बताये जाते एपीओ और टीईए: सूत्र
- वीबीजी रामजी में जिसपर भ्रष्टाचार की शिकायत का आरोप वही जांच टीम में शामिल.....?



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। केंद्र सरकार ने भले ही महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारं टी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर भले ही अब विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका(वीबी-जीराम जी)कर दिया गया हो,लेकिन धरातल पर पुरानी जैसी बदइंतजा मी दिख रही है,गांव के गरीब मजदूरों को रोजगार देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने वीबी-जीराम जी

योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजना शुरू की थी।सरकार इसे जन हित में ईमानदारी से चलाने के लिए लगातार प्रयासरत है,लेकिन ज़मीनी हकीक त कुछ और कहानी बयां कर रही है।ब्लॉक करनै लगंज क्री ग्राम पंचायत सकरौरा ग्रामीण में वीबी जी राम जी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है,इन दिनों मोबाइल के ज़रिए श्रमिकों की फ़ेस हाजिरी दर्ज करने का चलन आम हो गया है।ग्राम पंचायतों में आय दिन ऐसे हथ कंडे अपनाए जा रहे हैं,जिनमें कागज़ पर काम होता है, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं ताजा मामला.... करनैलगंज ब्लॉक ग्रामसभा सकरौरा ग्रामीण ग्रामसभा में इन दिनों पांच सौ रूपये दिहाड़ी....मजदूरों से तालाब खुदाई का कार्य करवाया जा रहा है। यहां श्रमिकों के नाम पर सिर्फ हाजिरी चलती है और उन्हें बदले में पैसे निकालने के नाम पर पांच सौ मिलते हैं,यही

नहीं सकरौरा ग्रामीण में तैनात रोजगार सेवक और एपीओ टीईए और इस योजना में फर्जीवाड़ा करा ने में महारत हासिल कर रखी है,केंद्र सरकार ने नि यम बदल कानून बदला लेकिन फर्जीवाड़ा करने वालों ने इसकी भी काठ निकाल ली है। यही नहीं एक समाजसेवी ने धरातल पर मजदूरों की संख्या कम होने पर इसकी शिकायत की है यही नहीं वहां पर जो मजदूर कार्य कर रहे हैं उन्होंने भी बताया क्री हम लोग पांच सौ रूपये दिहाड़ी पर बीस दिन से कार्य कर रहे हैं और हम लोग मनरेगा के मजदूर नहीं है तो इस पर सवाल या उठना है क्या एपीओ

और बीडीओ यह सब जानकारी होने के बावजूद भी मनरेगा मजदूरों का कार्य मास्टर रोल के काग ज में चलता रहा और और यह सब जानकर अन जान बने रहे।....वही अब सरकार पर यह सवाल उठता है कि जब यह योजना लागू की गई थी तो प्रत्येक जिले में कार्यक्रम....हुए थे यह अब योजना पारदर्शी तरीके से लागू होगी लेकिन सरकार ने तो सिर्फ नाम बदला काम पहले से भी बत्तर हो गया है।सरकार के द्वारा बताया गया था कि मजदूरों को अब उनका हक मिलेगा।..बॉयोमिट्रिक से मजदूरों की हाजिरी बनेगी व भुगतान होगा।लेकिन करनैल गंज ब्लॉक के सकरौरा ग्रामीण में जिम्मेदार अधि कारी वीबी-जी राम- जी योजना कि धज्जिया उड़ा रहे हैं।काग ज में 67 श्रमिकों की हाजिरी दर्ज हो रही है।यह कोई नया मामला नहीं है इससे पहले भी अनेकों फर्जीवाडे की शिकायत डीसी मनरेगा से हो चुकी है,लेकिन कार्रवाई अभी तक शून्य ही रही है.....इससे सकरौरा ग्रामीण गाँव के रोजगार सेवक का मनोबल भ्रष्टाचार में बढ़ता जा रहा और योगी सरक़ार में लूट हथकंडा अपनाते जा रहे है। वही ब्लॉक से लेकर जिले के अधिकारी कुम्भकर्णी के नींद में सोए हुए हैं।वही स्थानीय लोगो ने बता या कि यह कोई नई बात नहीं है।यहां तो रोज़ ही कागज़ों पर काम होता है,असल में कुछ नहीं।जब भी शिकायत की जाती है,तो ब्लॉक स्तर से जांच होगी कह कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जा ता है।..ऐसा प्रतीत होता है कि ऊपर से नीचे तक सब से टिंग गेटिंग का खेल चल रहा है,जिसमें जि म्मेदारों की मिलीभगत से गरीबों के नाम पर पैसा उड़ा या जा रहा है।अगर मामले की निष्पक्ष जांच हो जाए तो वीबी-जी राम-जी योजना के जिम्मेदार एपीओ और कई जिम्मेदार प्रतिनिधि और कर्मचा री कटघरे में होंगे,..खैर देखना यह होगा की दूसरे मामलों की तरह जांच ठंडी रहेगी या भ्रष्टाचारियों के खि लाफ कोई कार्रवाई होगी।

क्या कहते हैं मुख्य विकास अधिकारी..

मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद का स्पष्ट कहना है कि वीबी-जी राम-जी जैसी जनहितकारी योजना में लापरवाही अथवा वित्तीय अनियमितता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता,पारदर्शिता एवं ग्रामीण जन विश्वास बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमि कताओं में शामिल है।ऐसे में लापरवाही एवं वित्ती य अनियमितता अस्वीकार है।दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने किया जन आंदोलन,..फीस की मनमानी पर हल्लाबोल, सड़क पर उतरे छात्र

- महंगी पढ़ाई पर छात्रों का वार,.गांधी पार्क में गूंजा 'शिक्षा बचाओ' का नारा
- शिक्षा बचाने को सड़क पर उतरे छात्र निजी स्कूलों की मनमानी फीस,किताब-ड्रेस के नाम पर वसूली रोकने की मांग...
- एनसीईआरटी की किताबें लागू कराने और परीक्षा शुल्क घटाने की उठी आवाज



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। निजी स्कूलों की मनमानी फीस और किताब कॉपी,..ड्रेस समेत अलग-अलग मदों में होने वाली वसूली के खिलाफ राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने मंगल वार को गांधी पार्क में 'शिक्षा बचाओ जन आंदोल न कर सरकार और प्रशासन के सामने सवाल खड़े किए।राष्ट्रीय छात्र पंचायत के अध्यक्ष शिवम पाण्डे य के नेतृत्व में जुटे छात्रों और युवाओं ने शिक्षा को महंगा किए जाने के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि शिक्षा अधिकार है,कमाई का जरिया नहीं।छात्र पंचायत ने निजी विद्यालयों में फीस विनियमन कानून लागू करने, सभी निजी स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबें अनिवार्य करने,किताब, ड्रेस और अन्य मदों में अलग-अलग शुल्क वसूली पर रोक लगाने तथा छात्रों पर आर्थिक बोझ कम करने की मांग की।

'तीन मांगें पूरी हों, तभी थमेगा संघर्ष'

राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय ने कहा कि संगठन की तीन प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है।इन पर निर्णायक कार्रवाई होने तक संघर्ष जारी रहेगा।...उन्होंने कहा कि कार्यक्रम एक दिन का था,लेकिन यदि प्रशासन ने बैरिकेडिंग नहीं हटा ई और मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग को लेकर भी छात्र नेताओं ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए।शिवम पांडेय का आरोप था कि गांधी पार्क के चारों ओर बैरिकेडिंग कर कार्यकर्ता ओं को अंदर आने से रोका गया।उन्होंने प्रशासन पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि छा त्रों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

पांच लाख पत्रों के बाद भी नहीं बनी बात

प्रदेश मंत्री अंकित तिवारी ने कहा कि संगठन पिछले दो-तीन वर्षों से शिक्षा बचाओ अभियान चला रहा है।फीस की मनमानी रोकने के लिए शुल्क विनियमन कानून की मांग को लेकर विधा नसभा का घेराव और लखनऊ के ईको गार्डन में धरना भी दिया जा चुका है।उनका दावा है कि संगठन ने करीब पांच लाख पत्र लिखकर छात्रों की समस्याएं शासन तक पहुंचाईं।सांसदों और विधायकों को भी पत्र दिए गए, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से मांगों को तीन महीने में लागू कराने का आश्वासन दिया गया था,लेकिन समय बीतने के बावजूद स्थिति जस की तस है।

800 से 1800 रुपये तक पहुंचा परीक्षा शुल्क छात्र पंचायत ने उठाया सवाल

अंकित तिवारी ने एलबीएस डिग्री कॉलेज के परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी का मुद्दा भी उठाया। उनके मुताबिक कॉलेज जब डॉ.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध था, तब पक्षा शुल्क करीब आठ सौ रुपये था।अब मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर से संबद्धता के बाद यह शुल्क करीब 1700 से 1800 रुपये तक पहुंच गया है।छात्र पंचायत ने परीक्षा शुल्क कम करने की मांग की है।

जर्जर छात्रावासों पर भी उठी आवाज

छात्र नेताओं ने जर्जर छात्रावासों को बंद करने और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि विद्यार्थियों की जान और सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जा सकता।

ज्ञापन लेकर खत्म हुआ धरना,कार्रवाई के आश्वा सन पर टला अगला कदम..

आंदोलन के बाद छात्रों ने सिटी मजिस्ट्रेट पंकज वर्मा को ज्ञापन सौंपा।मजिस्ट्रेट ने उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद छात्रों ने धरना समाप्त कर दिया।हालांकि छात्र नेताओं ने स्पष्ट किया कि आश्वासन के बाद अब निगाह कार्रवाई पर रहेगी। मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन फिर सड़क पर उतर सकता है।

रिश्वत के आरोपों के बीच एसपी के पीआरओ पद से हटाए गए उत्कर्ष पाण्डेय

- जांच के घेरे में दरोगा, फिर भी मिली पीआरओ की जिम्मेदारी,खबर छपी तो हटाए गए उत्कर्ष
- पहले निलंबन,फिर बहाली,....और पीआरओ की कुर्सी खबर छपी तो बदला फैसला



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। सेना में तैनात एक फौजी से डेढ़ लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोपों में घिरे उप निरीक्षक उत्कर्ष पाण्डेय को आखिरकार पुलिस अधीक्षक अभिषे क झा ने पीआरओ पद से हटा दिया गया है।कैन विज टाइम्स ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशि त किया था उसके बाद पुलिस अधीक्षक में संज्ञान में लिया।खास बात तो यह है कि उत्कर्ष पाण्डेय के खिलाफ जिस मामले में विभागीय जांच चल रही है,उसी दौरान उन्हें एसपी का पीआरओ बना दिया गया था।पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार सुबह पीआरओ पद से हटाए जाने की पुष्टि की। हालांकि,विभागीय जांच अभी जारी है।मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार र जक कर रहे हैं।जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

निलंबन के बाद बहाली, फिर एसपी के पीआरओ की जिम्मेदारी..

उत्कर्ष पाण्डेय पर आरोप है कि उन्होंने सेना में तैनात विनीत पाण्डेय से उनके पिता पर हमला करने के आरोपियों की गिरफ्तारी के नाम पर डेढ़ लाख रुपये लिए थे...आरोप यह भी है कि रकम लेने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई।

फौजी विनीत पाण्डेय ने 24 अक्टूबर 2025 को तत्कालीन एसपी विनीत जायसवाल से मामले की शिकायत की थी।इसके अगले ही दिन उत्कर्ष पा ण्डेय को बालपुर चौकी प्रभारी के पद से हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया था।अपर पुलिस अ धीक्षक पश्चिमी की रिपोर्ट के आधारपर तीस अक्टू बर 2025 को उन्हें निलंबित किया गया था।.बहा ली के बाद भी मामला विभागीय जांच में है।इस के बावजूद हाल में उन्हें पुलिस अधीक्षक अभिषे क झा का पीआरओ बना दिया गया। गुरुवार देर रात 31 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव के दौरान उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

खबर के प्रकाशित होने के बाद हटाए गए:उत्कर्ष

विभागीय जांच के दौरान पीआरओ बनाए जाने को लेकर सवाल उठने के बाद अब एसपी ने उन्हें इस पद से हटा दिया है।फिलहाल उनके खिलाफ चल रही जांच का नतीजा सामने नहीं आया है। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक ने बताया कि प्रकरण की जांच उनके स्तर पर चल रही है।फौजी विनीत पाण्डेय को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए।उन्हें दोबारा बयान के लिए रिमाइंडर भेजा ग या है।

एसपी की जीरो टॉलरेंस नीति पर भी नजर

एसपी अभिषेक झा ने पुलिसकर्मियों को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम करने के निर्देश दिए हैं।उनका कहना है कि किसी भी स्तर पर लापर वाही सामने आने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में अब निगाहें विभागीय जांच की रिपोर्ट पर हैं,जो यह तय करेगी कि उत्कर्ष पाण्डेय के खिला फ आगे क्या कार्रवाई होती है।

मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार हेतु कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

बहराइच । जिला ग्रामोद्योग अधिकारी रोशन लाल पुष्कर ने बताया कि उ.प्र. माटीकला बोर्ड द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी माटीकला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पारंपरिक माटीकला शिल्पियों, कारीगरों, उद्यमियों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार प्रदान किया जाना है। जनपद के ऐसे माटीकला शिल्पी, कारीगर, इच्छुक व्यक्ति जो मिट्टी के बर्तन, पात्र, मूर्तियों, खिलौने, सजावटी वस्तुएँ अथवा माटीकला से संबंधित अन्य कलात्मक वस्तुओं का निर्माण करते हैं, इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं। श्री पुष्कर ने बताया कि इच्छुक पात्र व्यक्ति विभागीय वेबसाइट यूपी माटीकलाबोर्ड-होम/माटीकला पुरस्कार पर 10 सितम्बर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करते हुए समस्त वांछित अभिलेखों सहित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। प्रदेश एवं जनपद के मूल निवासी जिनकी आयु 18 वर्ष है आवेदन के लिए अर्ह होंगे। मण्डल स्तरीय पुरस्कार हेतु निर्धारित कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा अपने निर्मित माटीकला उत्पाद/कला-कृतियों का भौतिक रूप से प्रदर्शन किया जाएगा, जिनका मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा तथा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयन किया जाएगा।

पुलिस से न्याय न मिलने पर धरने पर बैठा पीड़ित परिवार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। परसपुर थाना क्षेत्र के धुंधा पुरवा गांव में पुश्तैनी रास्ता बंद करने के विवाद ने तूल पकड़ लिया है। रघुराजी पत्नी करिया गौतम ने कुछ लोगों पर रास्ता बंद करने की कोशिश का विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया है।आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचीं कई महिलाओं को भी पीटा गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं।पीड़िता ने मामले में शामिल सभी आरोपितों के नाम मुकदमे में शामिल कर उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है।पीड़िता के मुताबिक,पांच अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे कुछ लोग उसके घर और ग्रामीणों के आवागमन वाले पुश्तैनी रास्ते पर नींव खोदकर निर्माण कराने की कोशिश कर रहे थे।विरोध करने पर आरोपितों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचीं मधु, नेहा, रंजना, वंदना और सुशीला को भी पीटे जाने का आरोप है।जगवन्ता,निराली और रामदुलारी के भी चोटिल होने की बात प्रार्थ ना पत्र में कही गई है।



नाम हटवाकर हल्की धाराओं में केस दर्ज किया'

रघुराजी का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस को दी गई शिकायत में नामजद किए गए कुछ लोगों के नाम थाने पर बदलवा दिए गए। उनका आरोप है कि पप्पू गुप्ता,शिवमोहन समेत करीब दस अज्ञात लोगों के नाम शिकायत से हटाकर मुकदमा अपराध संख्या 363/2026 में अपेक्षा कृत हल्की धाराओं में कार्रवाई की गई। पीड़िता ने पुलिस पर आरोपितों को अनुचित लाभ पहुंचाने का भी आरोप लगाया है।प्रार्थना पत्र में पीड़िता ने दावा किया है कि उसके सिर में गंभीर चोट आई, जबकि अन्य घायल महिलाओं को भी चोटें लगीं। हालत गंभीर होने पर इलाज के दौरान लखनऊ रेफर किए जाने की बात कही गई है।पीड़िता ने घटना का वीडियो भी उपलब्ध होने का दावा कि या है।

गिरफ्तारी नहीं हुई तो धरने की चेतावनी

पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के बाद से उसे और उसके परिवार को लगातार धमकियां मिल रही हैं।उसने आरोपितों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने की बात कहते हुए परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। जिलाधिकारी से घटना में शामिल सभी लोगों के नाम मुकदमे में जोड़ने, उनकी गिरफ्तारी कराने और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की गई है।प्रार्थना पत्र में चेता वनी दी गई है कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर सात सितंबर से परिवार के साथ धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा और आरोपितों की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रखा जाएगा।

उपज का उचित दाम,किसानों की बढ़े आय, कुलदीप मिश्रा की पहल

- खेती से आगे की सोच... मक्का के प्रसंस्करण से बढ़ेगी किसानों की आय
- मक्का उत्पादकों को बिचौलियों से मुक्ति, बेहतर दाम की राह, 3,500 किसान एफपीओ से जुड़े

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केवल उत्पादन बढ़ाना ही काफी नहीं,बल्कि उनकी उपज को सही बाजार और उचित मूल्य दिलाना भी जरू री है। इसी सोच के साथ बेलसर ब्लॉक के लौव्वा टेपरा स्थित अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सी ईओ कुलदीप मिश्रा किसानों को खेत से बाजार त क जोड़ने की मुहिम में जुटे हैं।..किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से करीब तीनहजार

पांच सौ.. किसानों को बीज, खाद, दवा और कृषि उपज के बेहतर विपणन से जोड़ने की पहल की जा रही है।कुलदीप मिश्रा की कार्यशैली का फोक स खेती को केवल उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय खरीद,प्रसंस्करण और बाजार से जोड़ने पर है।एफपीओ के जरिए किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के साथ मक्का और गेहूं जै सी प्रमुख फसलों की खरीद व प्रसंस्करण की दि शा में भी काम किया जा रहा है।..इससे किसानों की बिचौलियों पर निर्भरता घटाने और उपज का बेहतर मूल्य दिलाने की कोशिश है।



मक्का बनेगा बाजार और आमदनी का आधार

गोंडा में मक्का आधारित प्रसंस्करण परियोजना के तहत कॉर्नफ्लेक्स,.पॉपकॉर्न और कॉर्न चिप्स जैसे उत्पाद तैयार करने की दिशा में काम चल रहा है।स्थानीय स्तर पर मक्का के प्रसंस्करण से इस की मांग बढ़ने की उम्मीद है।..इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बड़े बाजार की तलाश में भटकने के बजाय स्थानीय स्तर पर ही बेहतर अवसर मिल सकते हैं।

निर्यात क्लस्टर से बढ़ेगी बाजार तक पहुंच

गोंडा के मक्का निर्यात क्लस्टर के लिए अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का चयन भी किसानों को बाजार से जोड़ने की इस पहल की अहम कड़ी माना जा रहा है। इसके जरिए मक्का उत्पादक किसानों को बाजार,तकनीकी सहायता और बड़े खरीदारों तक पहुंच उपलब्ध कराने का प्रयास है। कुलदीप मिश्रा के मुताबिक, किसानों की आय बढ़ाने के लिए उत्पादन के साथ-साथ बाजार की मजबूत व्यवस्था खड़ी करना जरूरी है।

बीज विकास में भी मिली पहचान

किसानों के बीच काम कर रहे एफपीओ को बीज विकास के क्षेत्र में सर्वाधिक बीज आपूर्ति के लिए सम्मानित किया जा चुका है।यह उपलब्धि संगठन की कृषि क्षेत्र में सक्रियता को रेखांकित करती है। किसानों को एकजुट कर उन्हें बीज से बाजार और खेत से प्रसंस्करण तक की व्यवस्था से जोड़ने की कोशिश ने कुलदीप मिश्रा को क्षेत्र में किसान हितै षी पहचान दी है।..किसानों का मानना है कि यदि उपज की खरीद,प्रसंस्करण और बाजार की व्यव स्था मजबूत हो जाए तो खेती अधिक लाभकारी बन सकती है।एफपीओ की पहल इसी दिशा में एक प्रयास के रूप में देखी जा रही है।

आखिरी कॉल के बाद लापता हुआ पत्रकार का भाई, बीस दिन बाद भी सुराग नही

- मोदीनगर स्टेशन से निकलकर दूसरे के मोबाइल से किया था फोन, सीडीआर का इंतजार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। करनैलगंज दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार रमेश पाण्डेय के भाई उसमेक पाण्डेय की गुमशु दगी बीस दिन से अधिक समय बाद भी पहेली बनी हुई है।मेरठ की प्रिंटिंग प्रेस में मशीन ऑपरेट र उसमेक 18 अगस्त को घर लौटते समय मोदी नगर रेलवे स्टेशन से निकलने के बाद लापता हो गए थे।परिजनों के मुताबिक स्टेशन के बाहर



उन्हों ने एक अज्ञात व्यक्ति के मोबाइल से भाई रमेश को फोन किया था।बताया था कि बैग और मोबाइल चोरी हो गया है और उन्होंने खाना भी नहीं खाया है।भाई ने गूगल-पे से रुपये भेजे।उसमेक ने आधा र केंद्र से रुपये निकालने की बात कही थी।इसके बाद उनका संपर्क पूरी तरह टूट गया।परिजनों ने मेरठ, गाजियाबाद और मोदीनगर समेत कई स्था नों पर तलाश की,लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मोदीनगर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की है।जांच अधिकारी उपनिरीक्षक रोहित गुप्ता के अनुसार,आखिरी फोन जिस व्यक्ति के मोबाइल से किया गया था,उससे पूछताछ की गई है। आस पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए हैं।अब पुलिस को मोबाइल की सीडीआर का इंतजार है, जिससे आखिरी कॉल और उसके बाद की गतिवि धियों की कड़ी जुड़ने की उम्मीद है।परिजनों ने जल्द सकुशल बरामदगी की मांग की है।

दैवीय आपदा से प्रभावित 07 व्यक्तियों को प्रदान की गई 29 लाख रुपये की सहायता राशि

बहराइच । जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के आदेशानुसार जनपद में विभिन्न दैवीय आपदाओं से प्रभावित व्यक्तियों को सहायता राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के तहत कुल 07 व्यक्तियों को 29 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान किया गया है। सर्पदंश की घटनाओं में जनहानि सहायता के अन्तर्गत 02 व्यक्तियों के आश्रितों को कुल 08 लाख रुपये, अतिवृष्टि से जनहानि के प्रकरण में 01 व्यक्ति के आश्रित को 04 लाख रुपये तथा डूबने की घटनाओं में 03 व्यक्तियों के आश्रितों को कुल 12 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार मानव वन्यजीव संघर्ष के अन्तर्गत जनहानि के 01 प्रकरण में 05 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान किए जाने हेतु बिल प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकार कुल 07 व्यक्तियों के आश्रितों को कुल 29 लाख रुपये (उन्तीस लाख रुपये मात्र) की सहायता राशि प्रदान की गयी।

9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर विकास भवन सभागार में आयोजित हुवा समारोह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या स्थित राजकीय इण्टर कालेज प्रागंण में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, मेधावी बच्चों तथा पोषण, शिक्षा एवं महिला कल्याण से जुड़ी उत्कृष्ट अधीक्षिकाओं के सम्मान एवं नव नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों तथा सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विकास भवन सभागार में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अवसर पर आयोजित समारोह में मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस अवसर

- किशोरी बालिकाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरित की गई पोषण किट , मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल व अन्य अधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा 06 किशोरी बालिकाओं व 06 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्पोर्ट किट का वितरण, 02 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं 02 बच्चों का अन्नप्रशासन कराया गया तथा आगा खॉ फाउण्डेशन के सहयोग से पोषण माह की थीम पर आधारित पोषण पोस्टर का विमोचन किया गया तथा हम सब ने ठाना है, बहराइच को स्वस्थ एवं पोषण बनाना विषयक आधारित कैनवास पर हस्ताक्षर कर संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, कृषि रक्षा अधिकारी प्रिया नन्दा, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल कुमार मौर्या, जिला कार्यक्रम अधिकारी निहारिका विश्वकर्मा, बाल विकास परियोजना अधिकारी, नगर, चित्तौरा एवं नवाबगंज तथा परियोजना नगर, चित्तौरा की समस्त मुख्य सेविकाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के साथ ही मिलान फाउण्डेशन के पदाधिकारी जावेद अहमद, इप्सा सिंह व आगा खां फाउण्डेशन से अशोक सिंह, मोहित व इनकी टीम द्वारा प्रतिभाग किया गया। अन्त में रंग बिरंगे हॉट एयर बैलून को खुले आसमान में छोड़कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

एक माह में महज दो दिन ड्यूटी, वेतन रोका अब उसी चिकित्सक को बना दिया प्रभारी चिकित्साधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ सीएमओ के आदेश पर उठे सवाल, लापरवाही के आरोपों के बीच पूरनपुर जैसे संवेदनशील सीएचसी की कमान सौंपने पर जवाबदेही तय करने की मांग

पूरनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं एक माह में महज दो दिन ड्यूटी करने और बिना स्पष्ट कारण अनुपस्थित रहने के मामले में जिस मेडिकल ऑफिसर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, साक्ष्य न देने पर वेतन रोकने के आदेश तक हुए, उन्हीं चिकित्सक को अब मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से पूरनपुर सीएचसी का प्रभारी चिकित्साधिकारी बनाए जाने का आदेश जारी कर दिया गया है।

सीएमओ के इस फैसले को लेकर स्वास्थ्य विभाग में चर्चाएं तेज हैं जानकारी के अनुसार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीपी पंत ने करीब एक माह पहले अजय कुमार गुप्ता को पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल ऑफिसर के पद पर भेजा था उन्हें चिकित्सकीय सेवाओं के साथ ही अल्ट्रासाउंड की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी बताया गया कि तैनाती के बाद चिकित्सक ने पूरे माह में महज दो दिन ही सेवाएं दीं।

इसके बाद वह बिना किसी स्पष्ट कारण के अनुपस्थित हो गए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी मनीष राज के अनुसार, लगातार अनुपस्थित रहने पर चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया नोटिस के जवाब में चिकित्सक ने अनुपस्थिति का कारण मेडिकल इमरजेंसी बताया और इसके समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा गया आरोप है कि निर्धारित साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जा सके इसके बाद उनका वेतन रोकने के आदेश जारी किए गए मामले में सबसे बड़ा सवाल अब यही खड़ा हो रहा है कि जिस चिकित्सक की अनुपस्थिति को लेकर विभाग को नोटिस जारी करना पड़ा और वेतन रोकने की कार्रवाई करनी पड़ी, उसी चिकित्सक पर कुछ ही समय बाद प्रभारी चिकित्साधिकारी जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी क्यों डाल दी गई पूरनपुर सीएचसी पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं अस्पताल में चिकित्सकों की उपलब्धता, आपातकालीन सेवाओं, मरीजों की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन की जिम्मेदारी प्रभारी चिकित्साधिकारी के कंधों पर रहती है ऐसे में नियमित ड्यूटी को लेकर सवालों के घेरे में रहे चिकित्सक को यह जिम्मेदारी दिए जाने से विभागीय निर्णय पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

पूरे मामले में अब सीधे मुख्य चिकित्सा अधिकारी की जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं यदि चिकित्सक की अनुपस्थिति इतनी गंभीर थी कि पहले कारण बताओ नोटिस और फिर वेतन रोकने की कार्रवाई करनी पड़ी, तो उसी चिकित्सक को प्रभारी चिकित्साधिकारी बनाने से पहले विभाग ने किन तथ्यों और मानकों को आधार बनाया?क्या चिकित्सक की कार्यप्रणाली और पूर्व अनुपस्थिति की समीक्षा की गई? क्या सीएचसी जैसी संवेदनशील इकाई की कमान सौंपने से पहले उनकी नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की गई? और यदि विभागीय जांच या कार्रवाई के बाद भी उन्हें योग्य माना गया तो इसका आधार क्या रहा?इन सवालों का जवाब अब मुख्य चिकित्सा अधिकारी से अपेक्षित है मरीजों से सीधे जुड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था में ऐसे निर्णय पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से लिए जाने जरूरी हैं, ताकि चिकित्सकों की उपलब्धता को लेकर पहले से जूझ रहे पूरनपुर सीएचसी की व्यवस्था पर इसका प्रतिकूल असर न पड़े।

प्रभारी चिकित्साधिकारी का तबादला रोकने की मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन

पूरनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष राज शर्मा के स्थानांतरण को रोकने की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों समेत कई लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा है ज्ञापन में कहा गया है कि डॉ. मनीष राज करीब 18 माह से सीएचसी पूरनपुर में प्रभारी चिकित्साधिकारी के रूप में कार्यरत हैं उनकी कार्यशैली से क्षेत्र की जनता संतुष्ट है और उनके कार्यकाल में अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है ज्ञापन में कहा गया कि अस्पताल में आम जनता और गरीब मरीजों को उपचार के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है साफ-सफाई की व्यवस्था भी बेहतर हुई है ऐसे में उनके स्थानांतरण की सूचना से क्षेत्र की जनता में मायूसी है लोगों ने जनहित में डॉ. मनीष राज शर्मा का स्थानांतरण रोककर उन्हें पूरनपुर सीएचसी में ही प्रभारी चिकित्साधिकारी बनाए रखने की मांग की है ज्ञापन देने वालों में 129 विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अहीद खां, अधिवक्ता ताजिम खान, सभासद नादिर राजा बरकाती, अमीर एडवोकेट, आदिल एडवोकेट,भानु प्रताप सिंह, इम्तियाज और खालिद खान समेत कई लोग शामिल रहे।

पीलीभीत में बासमती क्रांति की नींव, न्यूरिया में जुटेगा आज जिलेभर का हुजूम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र का होगा शिलान्यास, केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही रहेंगे मौजूद

पीलीभीत। कभी बासमती चावल के लिए पहचान रखने वाले पीलीभीत में अब एक बार फिर बासमती की खेती और निर्यात को नई उड़ान देने की तैयारी है जिले में बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र-सह-डेमो फार्म की स्थापना की दिशा में बुधवार को बड़ा कदम उठाया जाएगा नौ सितंबर को न्यूरिया हुसैनपुर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में केंद्र का शिलान्यास समारोह आयोजित होगा।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद, प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही समेत जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को बरखेड़ा विधायक, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने राजकीय इंटर कॉलेज न्यूरिया हुसैनपुर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन और वाहनों की पार्किंग के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया अधिकारियों को कार्यक्रम के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न होने देने के निर्देश दिए गए।

बासमती प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना को लेकर जिले के किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों में खासा उत्साह है शिलान्यास कार्यक्रम में पीलीभीत जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि, व्यापारी और आम लोग पहुंचेंगे कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और आयोजकों की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं पीलीभीत को कभी चावल का कटोरा कहा जाता था अमरिया और पीलीभीत तहसील क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बासमती धान की खेती होती थी हालांकि लागत के मुकाबले अपेक्षित मुनाफा न मिलने के कारण धीरे-धीरे किसानों की रुचि बासमती की खेती से कम होती चली गई वर्तमान में जिले के अधिकांश किसान गेहूं, मोटे धान और गन्ने की खेती पर निर्भर हैं सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जिले में करीब तीन लाख किसान लगभग 1.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती करते हैं इनमें करीब पांच हजार हेक्टेयर में ही बासमती धान की खेती हो रही है जिले से करीब 10 हजार मीट्रिक टन चावल खाड़ी और एशियाई देशों को निर्यात किए जाने की जानकारी है केंद्र की स्थापना से बासमती की उन्नत प्रजातियों के विकास और उनके प्रक्षेत्र प्रदर्शन पर काम होगा किसानों को बासमती, प्राकृतिक और जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप चावल की गुणवत्ता की जांच की सुविधा मिलने से निर्यात की राह भी आसान होगी।

बासमती निर्यात विकास से जुड़े इस केंद्र से पीलीभीत के साथ ही रुहेलखंड मंडल और उत्तराखंड के किसानों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीज, आधुनिक कृषि तकनीक और निर्यात से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी इससे बासमती की खेती का रकबा बढ़ने के साथ किसानों की आय में भी इजाफा हो सकता है पीलीभीत को बासमती उत्पादन और निर्यात के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास लंबे समय से चल रहे थे सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों से परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद अब इसे धरातल पर उतारने की प्रक्रिया तेज हुई है बीसलपुर के दियोरिया कलां में सात एकड़ और न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम टांडा विजैसी स्थित राजकीय कृषि प्रक्षेत्र में सात एकड़ भूमि परियोजना के लिए चिह्नित की गई है कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की देखरेख में प्रस्तावित केंद्र किसानों के लिए प्रशिक्षण, अनुसंधान, उन्नत बीज और निर्यात संबंधी सुविधाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है बासमती निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पीलीभीत में स्थापित होने वाला यह केंद्र प्रदेश और देश में बासमती उत्पादन को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है मेरठ के बाद पीलीभीत में इस तरह की महत्वपूर्ण परियोजना शुरू होने से जिले को बासमती के बड़े हब के रूप में विकसित करने की उम्मीद जगी है कल होने वाला शिलान्यास इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत माना जा रहा है

शारदा का पानी गांवों में घुसा तो शासन ने भेजी राहत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ 400 परिवारों को मिली जरूरी सामग्री

❐ मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों गांवों के प्रभावित परिवारों को राहत किट वितरित की गईं

पूरनपुर। शारदा नदी में आई बाढ़ और लगातार हुई अतिवृष्टि से प्रभावित ट्रांस शारदा क्षेत्र के परिवारों तक शासन की राहत पहुंचने लगी है ग्राम हजारा और शास्त्रीनगर में बाढ़ का पानी पहुंचने के बाद कराए गए सर्वे और उच्चाधिकारियों को दी गई सूचना के आधार पर शासन की ओर से 400 राहत किट उपलब्ध कराई गईं ।

मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों गांवों के प्रभावित परिवारों को राहत किट वितरित की गईं राहत किट वितरण के दौरान उपजिलाधिकारी मयंक गोस्वामी, तहसीलदार आशीष गुप्ता समेत तहसील प्रशासन की टीम मौजूद रही प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों की जानकारी भी ली गई प्रशासन की ओर से कहा गया कि बाढ़ प्रभावित लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाई जा रही है बताया गया कि शारदा पार क्षेत्र में बाढ़ का पानी गांवों में पहुंचने के बाद क्षेत्र का सर्वे कर इसकी जानकारी उच्च स्तर के साथ जिलाधिकारी को दी गई थी इसके बाद उत्तर प्रदेश शासन की ओर से राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई राहत किटों के वितरण में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय संगठन के पदाधिकारियों ने भी सहयोग किया राहत किट में 10 किलो आटा,10 किलो चावल, 10 किलो आलू, दो किलो अरहर की दाल, दो किलो भुना चना, दो किलो चना, 2.5 किलो लाई, एक किलो चीनी, एक किलो नमक और एक लीटर रिफाइंड तेल शामिल है इसके अलावा हल्दी, मिर्च, सब्जी मसाला, बिस्कुट, नहाने और कपड़े धोने के साबुन, सैनिटरी पैड, तौलिया, सूती कपड़ा, डेटॉल/सेवलॉन, माचिस, मोमबत्ती, डिस्पोजल बैग आदि सामग्री भी दी गई है।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को एक तिरपाल, ढक्कनदार बाल्टी और मग भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि आपदा की स्थिति में दैनिक जरूरतों को पूरा करने में उन्हें परेशानी न हो राहत वितरण के दौरान क्षेत्रीय विधायक बाबूराम पासवान भी मौजूद रहे उन्होंने प्रशासन से कहा कि यदि कोई प्रभावित परिवार राहत सामग्री पाने से छूट गया है तो उसकी दोबारा सूची तैयार कर शासन को भेजी जाए, ताकि किसी भी पात्र परिवार को राहत से वंचित न रहना पड़े शारदा पार क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए तहसील और जिला प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है अधिकारियों की ओर से प्रभावित परिवारों की जरूरतों का जायजा लिया जा रहा है शासन से प्राप्त राहत सामग्री को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने का काम जारी है प्रशासन का कहना है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति के अनुसार आगे भी राहत सामग्री की मांग शासन को भेजी जाएगी।

स्टेशन रोड पर विशालकाय बरगद बना खतरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ आसपास की दुकानें और ट्रस्ट की जमीन पर खस्ताहाल निर्माण भी बढ़ा रहे हादसे का खतरा ट्रस्ट की ओर से नगरपालिका को दी गई लिखित शिकायत

पूरनपुर। नगर की मुख्य सड़कों में शामिल स्टेशन रोड और संजय गांधी मार्ग के बीच आबादी क्षेत्र में स्थित शंभूनाथ गौरीशंकर ट्रस्ट की संपत्ति में खड़ा विशालकाय बरगद का पेड़ और ट्रस्ट की जमीन पर खस्ताहाल निर्माण इन दिनों हादसे की आशंका का कारण बना हुआ है पेड़ काफी पुराना और विशाल होने के कारण इसकी स्थिति को लेकर आसपास के लोगों में चिंता बनी हुई है पेड़ के आसपास कई दुकानें भी संचालित हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है ट्रस्ट की संपत्ति में कुछ दुकानें और खाली प्लॉट हैं इसी परिसर में खड़ा बरगद का पेड़ कई वर्षों पुराना बताया जा रहा है पेड़ की विशाल शाखाएं और मौजूदा स्थिति देखकर इसके कभी भी गिरने की आशंका जताई जा रही है यदि पेड़ गिरता है तो आसपास मौजूद दुकानों और लोगों को नुकसान पहुंच सकता है संपत्ति की देखरेख कर रहे संजू अग्रवाल ने बताया कि पेड़ की स्थिति को लेकर उन्होंने नगरपालिका में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है उनका कहना है कि पेड़ काफी विशाल और पुराना है तथा इसके आसपास लगातार लोगों की आवाजाही रहती है ऐसे में समय रहते इसकी जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई किया जाना जरूरी है संजू अग्रवाल ने प्रशासन और नगरपालिका से मामले का संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण कराने की मांग की है उन्होंने कहा कि किसी अनहोनी का इंतजार करने के बजाय पेड़ की स्थिति का विशेषज्ञों से आकलन कराया जाए और यदि पेड़ खतरनाक स्थिति में है तो नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि संभावित हादसे को टाला जा सके।

करोड़ों की लागत से तैयार नए रोडवेज की बिल्डिंग और लबालब परिसर में भरा पानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ यात्री हुए मजबूर सडांध मारता हुआ संक्रमित पानी में घुसकर निकलने के लिए



सुल्तानपुर। अब इसे धन की बंदरबांट कहे या भ्रष्टाचार की नायाब जादूगरी, जो 2018 में 6.5 करोड़ो की लागत से तैयार नई रोडवेज की बिल्डिंग दरकने लगी, परिसर में इतने बडे-बडे गड्ढे की हर वख्त खतरा बना रहता है की कब कौन गिरकर हाथ-पैर और मुंह तोड़वा न ले,जिस निर्माण/कार्यदायी संस्था ने करोड़ों रूए की लागत से परिवहन निगम की बिल्डिंग बनवाई है, वह बेहद गैर जिम्मेदारी की मिसाल पेश कर रही है।

रोडवेज की बिल्डिंग जगह-जगह दरक रही है, निर्माण के बाद से कोई पुरसाहाल न होने की वजह से बिल्डिंग और संपूर्ण परिसर अपनी बर्बादी पर आंसू बहा रहा है, देखरेख के अभाव में रोडवेज पोर्टिको अब इलेक्ट्रनिक बाइक के लिए चार्जिग प्वाइंट बन गया है, साथ ही स्मैकियों, गजेडियों व शराबियों की रोडवेज परिसर व बिल्डिंग शरण स्थली बन गई है, प्रेमी जोड़ों के लिए सुरक्षित स्थान साबित हो रहा है, बियरबाजों के लिए रोडवेज परिसर किसी वरदान से कम नहीं, यात्रियों के लिए रोडवेज परिसर बेहद असुरक्षित हो गया है, जेबकतरों व धुमंतु गैंग आए दिन यात्रियों को अपना शिकार बना रहे है, दर्जनों महिलाएं व उनके साथ दर्जनों बच्चे यात्रियों के पर्स व कीमती सामान पलक झपकते ही उडा देने की हुनर रखते है। रोडवेज परिसर में होने वाली शंकालु गतिविधियों पर बस स्टाप चौकी इंचार्ज प्रदीप यादव ने कहाकि प्रतिदिन रात्रि पहर में पूरे परिसर में मैं हमराहियों के साथ कई बार जांच-पड़ताल करता हूं संदिग्धों से पूछताछ व उन्हें परिसर से हटाने का काम किया जाता है। चौकी इंचार्ज ने कहाकि महिला पुलिस की व्यवस्था भी अतिशीघ्र हो जाएगी तो महिला यात्रियों के साथ होने वाली घटना पर संदिग्ध घुमंतु/महिलाओं की भी नियमित जांच-पड़ताल होगी।

सपा के बैनर तले खुशीराम निषाद के नेतृत्व में सोनावां में हुआ निषाद सम्मेलन



कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। लम्भुआ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बड़ा केवटान, सोनावां, पीपी कमैचा में राकेश निषाद व शिव प्रसाद निषाद के संयुक्त नेतृत्व में निषाद जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में निषाद समाज के हजारों लोगों ने भाग लेकर सामाजिक, शैक्षिक एवं राजनीतिक जागरूकता का संदेश दिया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी से लम्भुआ विधानसभा के भावी प्रत्याशी शिक्षक श्यामलाल निषाद गुरूजी ने कहा कि अब निषाद सिर्फ दूसरे को पार नहीं लगाएगा बल्कि खुद पतवार थामकर सत्ता में आएगा और जो निषादों से छल किये हैं उनकी सत्ता को सत्ताइस में डुबा देंगे। अब हमारे लोगों को भी संकल्प लेना होगा कि वोट हमारा-राज तुम्हारा नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। सम्मेलन के संयोजक राम आश्रय निषाद व सह संयोजक ड. सुरेंद्र यादव रहे। कार्यक्रम शिवशंकर निषाद की अध्यक्षता एवं पप्पू निषाद व सुनील निषाद के संयुक्त संरक्षण में सम्पन्न हुआ।

मारपीट के मुकदमे के बाद किशोर निकला तमंचेबाज, 315 बोर का तमंचा और कारतूस बरामद

पूरनपुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पूरनपुर पुलिस ने मंगलवार को एक अपचारी किशोर को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ पुलिस अभिरक्षा में लिया उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई के बाद किशोर को न्यायालय के समक्ष पेश किया पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देश पर अपराध की रोकथाम और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को पूरनपुर पुलिस टीम ने संदिग्ध अवस्था में मिले एक अपचारी किशोर की तलाशी ली तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ बरामदगी के बाद पुलिस ने किशोर को अभिरक्षा में लेकर उसके खिलाफ मु0अ0सं0 391/2026, धारा 9/25 आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया पुलिस के मुताबिक, किशोर के खिलाफ इससे पहले भी मु0अ0सं0 390/2026 दर्ज है इसमें बीएनएस की धारा 333, 115(2), 352, 351(3) के साथ एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(1)द, 3(1)ध और 3(2)5ए लगाई गई हैं अब तमंचा बरामद होने के बाद उसके आपराधिक इतिहास में आर्म्स एक्ट का मुकदमा भी जुड़ गया है कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मंजीत कुमार, हेड कांस्टेबल रोशनलाल, कांस्टेबल संजू कुमार और कांस्टेबल विनय कुमार शामिल रहे है।

सुपोषित बच्चों के माता-पिता और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का हुआ सम्मान, बांटी गईं किट

पूरनपुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकासखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सुपोषित हुए बच्चों के माता-पिता के सम्मान समारोह एवं किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सुपोषित बच्चों के माता-पिता को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री का संबोधन सुना और पोषण से संबंधित योजनाओं एवं सरकार की ओर से चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी ली कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि निर्विकार सिंह उर्फ अपूर्व सिंह ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ बचपन से मजबूत होती है बच्चों को पौष्टिक आहार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना परिवार के साथ-साथ समाज की भी जिम्मेदारी है आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां बच्चों और माताओं तक पोषण संबंधी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से बच्चों में कुपोषण दूर करने और परिवारों को पोषण के प्रति जागरूक करने में मदद मिल रही है इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सुपोषित बच्चों के माता-पिता को सम्मानित करने के साथ किट का वितरण भी किया गया कार्यक्रम में विभागीय कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे कार्यक्रम के दौरान सशक्त मातृत्व, स्वस्थ बचपन और सुपोषित समाज के संकल्प को दोहराते हुए बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए सामूहिक प्रयास पर जोर दिया गया है।

घर में घुसकर दो भाइयों पर धारदार हथियार व लाठी-डंडों से हमला, पांच पर मुकदमा

पूरनपुर,कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहल्ला खानकाह में सोमवार दोपहर किसी बात को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने एक घर में घुसकर दो भाइयों पर धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला कर दिया हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए शोर सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है मोहल्ला खानकाह निवासी आमिर खां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार को करीब दोपहर 12 बजे सद्दीक खां पुत्र वजीर खां, बाबू खां पुत्र छुटकन्ना, शाहिद खां पुत्र जहीर खां, तनवीर पुत्र छुटकन्ना और लल्ला पुत्र वसीर खां उसके घर में घुस आए आरोप है कि सभी ने उसके भाइयों शराफत और शाहरूख पर धारदार हथियार तथा लाठी-डंडों से हमला कर दिया हमले में दोनों भाइयों के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं अचानक हुए हमले से घर में चीख-पुकार मच गई आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह दोनों भाइयों को हमलावरों से बचाया आरोप है कि जाते समय हमलावरों ने भविष्य में जान से मारने की धमकी भी दी घटना की जानकारी मिलने पर आमिर खां दोनों घायल भाइयों को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचा, जहां उनका उपचार कराया गया पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है पुलिस के अनुसार, प्रार्थनापत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है घटना के पीछे का विवाद और हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पति की हत्या के आरोप में पत्नी प्रेमी के साथ गिरफ्तार

तिलोई, अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव पूरे राजा मजरे बारकोट में फांसी के फंदे पर झूलते मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने पत्नी और उसके तथाकथित प्रेमी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।थाना क्षेत्र के गांव पूरे राजा मजरे बारकोट निवासी राकेश कुमार वर्मा पुत्र जगदीश का शव उसके घर में फांसी के फंदे पर झूलता मिला था। मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद जब उसके घर पर पहुंचा तो परिजनों ने मृतक की पत्नी और उसके तथाकथित प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की जिद पर अड गये। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर अभियोग दर्जकर लिया और मृतक की पत्नी राजकुमारी पत्नी स्व. राकेश कुमार निवासी पूरे राजा मजरे बारकोट थाना मोहनगंज एवं बंशराज पुत्र रामदास निवासी पूरे रुद्र मजरे बारकोट थाना मोहनगंज को गिरफ्तार कर लिया। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार दोनों लोगों को जेल भेज दिया गया है।

महिला का पर्स और मोबाइल छीनने वाला युवक गिरफ्तार

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मुसाफिरखाना पुलिस ने बाइक सवार दम्पत्ति को धक्का देकर महिला का मोबाइल, पर्स छीनकर भागने वाले एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जिसके कब्जे से मोबाइल, पर्स, रुपये व चाभी के साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल को बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध व अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे आपरेशन चक्रव्यूह अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना मुसाफिरखाना के उप निरीक्षक गोपाल मणि मिश्र मय हमराह द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोटरसाइकिल सवार मोनू यादव उर्फ शिवम यादव पुत्र रामराज यादव निवासी ग्राम पूरे भवन शाह मजरे रुदौली थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी उम्र करीब उन्नीस वर्ष को गिरफ्तार किया गया व एक बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस निगरानी में लिया गया।मोटर साइकिल स्प्लेन्डर संख्या यूपी 36 क्यू 4318 के कागज मांगने पर दिखा नही सके। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में मोनू यादव उर्फ शिवम यादव के कब्जे से एक रियलमी मोबाइल फोन, लेडीज पर्स, चार सौ रुपये व सात चाभी बरामद हुआ। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में गिरफ्तार मोनू यादव उर्फ शिवम यादव ने बताया कि यह सामान बीती चार सितम्बर को हम दोनों अपने एक अन्य साथी संदीप यादव पुत्र स्व. राजबहादुर यादव निवासी ग्राम पूरे भवन शाह मजरे रुदौली थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी उम्र करीब इक्कीस वर्ष के साथ मिलकर इसी मोटरसाइकिल से साइकिल सवार पति पत्नी को धक्का देकर महिला का पर्स व मोबाइल फोन छीनकर भाग गये थे।पर्स से एक हजार दो सौ रुपये नकद, महिला व उनके बच्चे का आधार कार्ड, बैंक पासबुक, एटीएम, पैनकार्ड व कुछ चाभी मिली थी। रुपये को हम तीनों लोग आपस में बांट लिये थे बरामद सामान उसी घटना का है शेष सामान संदीप यादव के पास है। इस सम्बंध में थाना मुसाफिरखाना के उप निरीक्षक गोपाल मणि मिश्र ने बताया कि बरामदगी के आधार पर पुलिस द्वारा अभियोग उपरोक्त में धाराओं की बढ़ोत्तरी कर गिरफ्तार युवक को जेल भेज दिया गया है।

स्मृति ईरानी के प्रयास से चित्रकूट तक जायेगी इंटरसिटी एक्सप्रेस

अमेठी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अमेठी की जनता को बेहतर रेल कनेक्टिविटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है।पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी के सराहनीय प्रयासों से प्रतापगढ़ से चित्रकूट तक चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 14123 अब अमेठी जनपद के यात्रियों को भी चित्रकूट तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध करायेगी।इस ट्रेन के अमेठी एवं कासिमपुर गौरीगंज रेलवे स्टेशन से गुजरने पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम जनमानस में उत्साह का वातावरण रहा। अमेठी रेलवे स्टेशन पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में ट्रेन का भव्य स्वागत अभिनंदन एवं वंदन किया गया। कार्यकर्ताओं ने ट्रेन पर पुष्पवर्षा एवं फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा यात्रियों एवं रेलकर्मियों का लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया।इसी क्रम में कासिमपुर रेलवे स्टेशन पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने इंटरसिटी ट्रेन का फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित आम जनमानस ने स्मृति ईरानी के इस सराहनीय प्रयास के लिये आभार व्यक्त करते हुये कहा कि चित्रकूट तक रेल सेवा का विस्तार अमेठी के लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं सुविधाजनक सिद्ध होगा।भाजपा के जिला प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि अमेठी एवं कासिमपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि स्मृति इरानी ने अमेठी की जनता से अपने आत्मीय संबंधों को सदैव विकास और सुविधा के कार्यों के माध्यम से मजबूत किया है। चित्रकूट तक इंटरसिटी का संचालन अमेठीवासियों के लिए निश्चित रूप से आवागमन को सुगम बनाने वाला महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि इस सुविधा के लिए अमेठी की जनता की ओर से स्मृति इरानी के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया जाता है।

सम्पादकीय

इसरो की कामयाबी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर उसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसे इसरो की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है कि क्योंकि यह इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल-टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत-खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा। मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी-एफ 17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है। दरअसल, इस कक्षा में काम करने वाले उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह लक्षित बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी करते हुए मौजूदा समय के फोटोग्राफ लगातार दे सकता है। जिससे मौसम, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन व भूमि की सतह में होने वाली बदलावों के निहितार्थों को समझना आसान हो सकेगा। दरअसल, इस उपग्रह का लाभ अंतरिक्ष अनुसंधान व सामरिक लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह खेती व किसानों के लिये भी उतना ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे मिलने वाले डेटा का प्रयोग हमारे भू-भाग पर उपलब्ध संसाधनों की निगरानी व उसकी प्रकृति में आ रहे बदलावों को समझने में भी मददगार होगा। दावा है कि उपग्रह से मिलने वाले चित्रों के विश्लेषण से फसलों की गुणवत्ता, प्राकृतिक प्रभावों के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकेगी। आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण व इस कार्य में लगी सरकारी एजेंसियों की मदद से खेती से जुड़ी नीतियों के निर्धारण, प्रभावी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह भी कि देश के विभिन्न भागों में आने वाले चक्रवात, बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा कुदरती रौद्र के दौरान जहां रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी, वहीं बचाव व राहत के नीति निर्धारण में भी समय रहते मददगार होगी। दरअसल, धरती की निगहबानी करने वाले उपग्रह प्रभावित क्षेत्रों के चित्र व आंकड़े तुरंत उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो राहत-बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। निस्संदेह, आज देश का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों की ओर उन्मुख है। देश में 450 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है। देश की निजी कंपनियां भी ऑर्बिट तक रॉकेट पहुंचाने लगी हैं। कह सकते हैं कि देश आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से लाभप्रद स्पेस इकोसिस्टम बनाने की ओर बढ़ चुका है।

> इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल-टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत-खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा।

रोजगार का विकेंद्रीकरण समस्या का बड़ा हल

औद्योगिक क्रांति के बाद अंग्रेजी हुकूमत ने भारत की उत्पादक व्यवस्था को नष्ट करने का बीड़ा उठाया ताकि वह अपने देश के उद्योगों में बने उत्पादों को भारत में बेच सके। क्योंकि यहां के उत्पाद गुणवत्ता पूर्ण थे इसलिए उन्होंने साम, दाम, दंड, भेद से यह कार्य करने के रास्ते अपनाए। कहीं समाज में व्याप्त छोटे मोटे मतभेदों को हवा देकर, तो कहीं बुनकरों के हाथ के अंगूठे काट कर सीधी कार्रवाई करके, कहीं दस्तकारों को कच्चे माल की उपलब्धता को नियंत्रित करके स्वावलंबी अर्थव्यवस्था को तोड़ने का काम किया गया। इसी के चलते ज्यादातर दस्तकारी से बेदखल हुए लोगों को कृषि का रास्ता पकड़ना पड़ा। उसमें भी स्थायी बंदोबस्त करके जागीरदारी प्रथा को कायम किया, जिससे बहुत से दस्तकारों को जागीरदारों के मजदूर काश्तकार के रूप में जीवन यापन करना पड़ा, जिससे पैदा विसंगतियां और सामाजिक टूटन आज दिन तक देश के सामने अनेक प्रत्यक्ष और परोक्ष समस्याएं खड़ी करती रहती है। अब जबकि देश की आबादी भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है तो इस औद्योगिक विस्तार के मॉडल से दस्तकार समाज की खोई हुई रोजी की भरपाई कैसे हो सकेगी, यह प्रश्न लगातार चिंता को बढ़ाता ही जा रहा है। पढ़े- लिखे बच्चे पुरानी दस्तकारी तकनीकों को अपना कर वर्तमान विकसित तकनीक वाले उद्योगों से टक्कर नहीं ले सकते हैं। वर्तमान औद्योगिक मॉडल में रोजगार प्रदान करने की क्षमता बहुत सीमित है और स्वचालित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उपायों से कामगारों की जरूरत को लगातार घटाया जा रहा है। ऐसे में खेती में भी सबको रोजगार प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि अधिकांश जोतें इतनी छोटी हो चुकी हैं कि उन पर पूरे परिवार का पालन संभव ही नहीं है। पर्वतीय क्षेत्रों में तो हालात और भी ज्यादा खराब हैं, जहां 80 प्रतिशत जोतें एक हेक्टेयर से भी छोटी हैं, जिनमें आधी तो 2-3 बीघा मात्र ही हैं।

भारतीय समाज को आमतौर पर कृषि प्रधान देश के रूप में परिभाषित किया जाता है, किंतु यह अर्धसत्य निष्कर्ष है। असल में भारतीय समाज का बहुसंख्यक भाग दस्तकार रहा है और वह कृषकों की जरूरतें पूरा करते हुए खाद्य पदार्थ सुरक्षा अपनी मेहनत के बदले में प्राप्त करता था। लुहार, बढ़ई, तेली, जुलाहा, चर्मकार, बांसोर, नाई, धोबी, पत्थर की मूर्तियां बनाने और चिनाई का काम करने वाले, कच्ची ईंट बनाने वाले, घुमंतू, पशुपालक, भेड़ों की ऊन निकालने वाले, बाण बटाई का काम करने वाले, रंगाई-छपाई करने वाले, वूट्स स्टील बनाने वाले और एक-एक पेशे से जुड़े हुए सहयोगी व्यवसाय करने वाले अनेक लोग रहते थे। सब एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते हुए आराम की जिंदगी जीते थे। कोई बेरोजगार नहीं था। यह व्यवस्था एक-दूसरे के सम्मान और स्वावलंबन की सोच पर आधारित थी। बाकी बारीकियां जो भी रही हों हमें तो केवल यह देखना है कि देश कृषि के अलावा उत्पादक दस्तकारी पर ज्यादा निर्भर था। औद्योगिक क्रांति के बाद अंग्रेजी हुकूमत ने भारत की उत्पादक व्यवस्था को नष्ट करने का बीड़ा उठाया ताकि वह अपने देश के उद्योगों में बने उत्पादों को भारत में बेच सके। क्योंकि यहां के उत्पाद गुणवत्ता पूर्ण थे इसलिए उन्होंने साम, दाम, दंड, भेद से यह कार्य करने के रास्ते अपनाए। कहीं समाज में व्याप्त छोटे मोटे मतभेदों को हवा देकर, तो कहीं बुनकरों के हाथ के अंगूठे काट कर सीधी कार्रवाई करके, कहीं दस्तकारों को कच्चे माल की उपलब्धता को नियंत्रित करके स्वावलंबी अर्थव्यवस्था को तोड़ने का काम किया गया। इसी के चलते ज्यादातर दस्तकारी से बेदखल हुए लोगों को कृषि का रास्ता पकड़ना पड़ा। उसमें भी स्थायी बंदोबस्त करके जागीरदारी प्रथा को कायम किया, जिससे बहुत से दस्तकारों को जागीरदारों के मजदूर काश्तकार के रूप में जीवन यापन करना पड़ा, जिससे पैदा विसंगतियां और सामाजिक टूटन आज दिन तक देश के सामने अनेक प्रत्यक्ष और परोक्ष समस्याएं खड़ी करती रहती है। अब जबकि देश की आबादी भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है तो इस औद्योगिक विस्तार के मॉडल से दस्तकार समाज की खोई हुई रोजी की भरपाई कैसे हो सकेगी, यह प्रश्न लगातार चिंता को बढ़ाता ही जा रहा है। पढ़े- लिखे बच्चे पुरानी दस्तकारी तकनीकों को अपना कर वर्तमान विकसित तकनीक वाले उद्योगों से टक्कर नहीं ले सकते हैं। वर्तमान औद्योगिक मॉडल में रोजगार प्रदान करने की क्षमता बहुत सीमित है और स्वचालित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उपायों से कामगारों की जरूरत को लगातार घटाया जा रहा है। ऐसे में खेती में भी सबको रोजगार प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि अधिकांश जोतें इतनी छोटी हो चुकी हैं कि उन पर पूरे परिवार का पालन संभव ही नहीं है। पर्वतीय क्षेत्रों में तो हालात और भी ज्यादा खराब हैं, जहां 80 प्रतिशत जोतें एक हेक्टेयर से भी छोटी हैं, जिनमें आधी तो 2-3 बीघा मात्र ही हैं। इतनी कम जमीन पर आदमी सम्मान पूर्वक घर बार तो बसा सकता है। इतनी जमीन तो होनी ही चाहिए, किंतु सम्मानजनक आय खड़ी नहीं कर सकता। सरकारी नौकरी तो मात्र दो तीन प्रतिशत लोगों को ही स्थापित कर सकती है, तो वर्तमान सरकारी और निजी उद्योगों की नौकरी जिसमें आईटी क्षेत्र भी शामिल है, कृषि, पशुपालन की वर्तमान स्थिति के बाबजूद भी जो बेरोजगारों की बड़ी संख्या इंतजार में खड़ी है और हर साल बढ़ती जा रही है। उनके लिए जवाब ढूंढने की जरूरत है। लोग नौकरी के इंतजार में आयु सीमा पार कर जाते हैं फिर हताश हो कर जीवन जीने को बाध्य होते हैं। ये परिस्थितियां देश के लिए सही नहीं हैं। सरकारें कोशिश करने के तमाम दावों के बावजूद जरूरत का दस प्रतिशत भी रोजगार खड़ा नहीं कर पा रही हैं। देश की अर्थव्यवस्था तो आगे बढ़ रही है, किंतु उस अनुपात में रोजगार नहीं बढ़ रहे। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण लें तो बेरोजगारों की संख्या 6 लाख 32 हजार है, (31मार्च 2025 तक) जबकि बहुत से लोग रोजगार कार्यालय में पंजीकरण को फिजूल मान कर पंजीकरण ही नहीं करवा रहे हैं। इसका अर्थ हुआ कि असली आंकड़ा और भी ज्यादा होगा। हिमाचल में पिछले तीन साल में सरकारी नौकरी 23 हजार 200 लोगों को दी गई। निजी क्षेत्र में 51 हजार को इस अवधि में नौकरी मिली। अतः प्रतिवर्ष 24 हजार 733 लोगों को नौकरी मिली, तो इस दर से 6 लाख 32 हजार लोगों को नौकरी मिलने में 25 वर्षों से ज्यादा लगेगा। तब तक और कितने बेरोजगार और इसमें जुड़ जाएंगे। यानी यह अनंत इंतजार का खेल है। धन्य हैं, हमारे राजनेता, जो इतनी साफ तस्वीर होने के बावजूद लोगों को पीछे लगाए रखते हैं और सच नहीं बोलते। जो बोलेगा वह जाएगा। यानी हम आम नागरिक भी सच सुनना ही नहीं चाहते। न योजना बनाने वाला और न लाभार्थी जब दोनों ही सच सुनने को तैयार नहीं तो समस्या का समाधान कैसे निकलेगा। सभी जब सफ़ेद कॉलर जॉब ढूंढेंगे तो कैसे संभव होगा। तीन अंगुली से कागज तो लिखे जाते हैं लेकिन जरूरत की वस्तुएं पैदा नहीं हो सकती। हम सोचते हैं कि मशीनीकरण से संभव होगा, किन्तु मशीनीकरण ने ही तो रोजगार छीने हैं। 100 छीन कर 10 पैदा किए हैं तो 90 प्रतिशत का घाटा कैसे पूरा होगा। हम यूरोप और अमेरिका की ओर समाधान के लिए देखने लगते हैं, किंतु हमें याद रखना चाहिए कि इन देशों ने उपनिवेशवादी दौर में विकासशील देशों की जो लूट की थी यह उसी के ऊपर खड़ी इमारत है। उतनी बुनियादी पूंजी हमें कहां से मिलेगी। फिर आज कल चीन का उदाहरण देने और उससे सीखने की बहुत बात होती है, किंतु हम कभी चीन नहीं बन सकते। चीन साम्यवादी सरकार चलाने वाला घोर पूंजीपति देश बन चुका है। भले ही उसके प्रत्यक्ष और परोक्ष चाहने वाले उसे इस रूप में देखने का साहस नहीं कर पाते किंतु सच्चाई तो यही है। चीन ने 1978 में ही आर्थिक उदारीकरण की राह पकड़ ली थी जबकि भारत में उदारीकरण 1991 में शुरू हो सका। तब तक चीन, अमेरिका के स्वार्थों का लाभ उठा कर अमेरिका की ही सहायता से दुनिया का उत्पादन केंद्र बन गया। अब तो अमेरिका भी अपनी चीन संबंधी नीति को गलत मान रहा है, क्योंकि वह अमेरिका का ही प्रतिस्पर्धी बन गया है। हर देश अपनी शक्ति और सामयिक हालात को देख कर बनाई योजना और रणनीति से ही आगे बढ़ सकता है। इसलिए हमें किसी की घटिया नकल बनने की जरूरत नहीं है, बल्कि अपनी शक्ति और सीमाओं को देख कर समाधान ढूंढने चाहिए, लेकिन इतना तो तय है कि हमें वर्तमान औद्योगिक नीति को ज्यादा से ज्यादा विकेंद्रित ही नहीं करना होगा बल्कि कुटीर और अति लघु उत्पादन की इकाइयों को मुख्य धारा उत्पादन पद्धति बनाना होगा, जिससे ही अधिक से अधिक लोगों को रोजगार पैदा करके दिया जा सकता है। बड़ी चुनौती यह है कि उसके लिए तकनीक विकास का काम कैसे होगा। बड़े उद्योगपति तो खुद के लिए ही तकनीक भी खोज और विकसित कर लेते हैं या खरीद लेते हैं, किंतु छोटे उद्यमी तो ऐसा नहीं कर सकते। अतः उनके लिए सरकार ही तकनीक विकास संस्थान खड़े करके संचालित करे और प्रतिस्पर्धी उत्पाद पैदा करने योग्य बनाए। हमारे आईआईटी भी इस काम के लिए अधिकृत किए जा सकते हैं। हमारा ध्येय यह होना चाहिए कि भारत को पुनः कुटीर और अति लघु उत्पादन इकाइयों का सघन केंद्र बनाना होगा। घरेलू जरूरतों के सामानों का निर्धारित प्रतिशत निर्धारित अवधि में समयबद्ध रूप से प्राप्त करते हुए आगे बढ़ना होगा, किंतु सबसे पहले हमें वर्तमान आर्थिक रणनीति की सीमाओं को पहचान कर मानना होगा। तभी हम कुछ नया सोच सकेंगे। देश में मेधा प्रतिभा सब है, जो नवोन्मेष के लिए साहसिक कदम उठा सकेगी। इस दिशा में सोचना शुरू करेंगे तभी मूल्यांकन, विश्लेषण और नीति निर्धारण करते हुए हम आगे बढ़ सकते है। -कुलभूषण उपमन्यु

सनातन द्रोह की विकृत राजनीति

मृत्युंजय दीक्षित

सभी राजनैतिक दलों ने उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां तीव्र कर दी हैं और जनता के मध्य अपने चुनावी मुद्दों व अभियानों के सन्दर्भ में नैरेटिव बनाना भी प्रारम्भ कर दिया है। स्वाभाविक रूप से वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा के हिंदुत्व बनाम सपा गठबंधन के मुस्लिम तुष्टिकरण के मध्य भिड़ंत होने वाली है। उत्तर प्रदेश में सपा मुखिया आजकल अपने आपको सनातनी व हिंदू बताने को मजबूर हो रहे हैं किंतु उनका यह प्रयास बार -बार नाकाम होता जाटा है। उत्तर प्रदेश में सपा के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन बुरी तरह से भ्रमित हो गया है। अयोध्या आन्दोलन में कार सेवकों पर गोली चलवाने से लेकर वहां दिव्य व भव्य राम मंदिर के निर्माण तक इनके स्वर विरोध में रहे, अन्य धार्मिक स्थलों के विकास की योजनाओं में भी इस गठबंधन ने कोई सहयोग नहीं दिया वरन रोड़े अटकाने का प्रयास किया। किन्तु चढ़ावा चोरी की आड़ में सनातन द्रोही राजनीति जरूर कर रहे हैं। अयोध्या में हुई दुर्भाग्यपूर्ण चढ़ावा चोरी घटना की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गहन जांच चल रही है किन्तु इंडी गठबंधन के सभी दल इस घटना की आड़ में भारतीय जनता पार्टी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ तो अभियान चला ही रहे हैं लेकिन साथ ही वह मंदिर के प्रति नफरत से इतने भरे हुए हैं कि मंदिरों के प्रतिष्ठा को किसी न किसी प्रकार से कम करने में लगे हैं । इन सभी हिंदू विरोधी दलों का यही प्रयास चल रहा है किसी न किसी प्रकार से हिन्दू समाज मंदिरों का दर्शन करना बंद कर दे। हिन्दू समाज ने इनकी यह भावना समझ गया है और इनके बहकावे मे आने वाला नहीं है। सहारनपुर जिले में सरकारी जमीन पर बनी एक अवैध मस्जिद को कोर्ट के आदेश के बाद हटा दिया गया। अतिक्रमण हटाए जाने की इस कार्यवाई के बाद सपा सहित सभी विरोधी दलों की बयानबाजी से यह स्पष्ट हो गया कि यह सभी दल हिन्दुओं के मंदिरों के प्रति अश्रद्धा का भाव रखते हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन और उसमें एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की सीईओ के पद पर नियुक्ति के बाद से इन नेताओं ने न केवल अपनी विकृत बयानबाजी प्रारंभ कर दी अपितु पूर्व एयर मार्शल को बदनाम करने के लिए फ़ेक वीडियो भी जारी कर दिए जिसे पाकिस्तानी हैंडलर के एकाउंट्स से फैलाया जा रहा था। जिन बयान बहादुर राजनैतिक लोगों की हिंदू मंदिरों के प्रति कोई आस्था नहीं है ऐसे नेताओं से कांग्रेस पार्टी बयान जारी करवा रही है और हिन्दुओं को अपमानित करते हुए, हिंदुओं के प्रति अपनी नफरत की भावना का प्रसार कर रही है। जैसे ही जितेंद्र मिश्रा का नाम सामने आया वैसे ही कांग्रेस का हिंदू विरोधी ईकोसिस्टम सक्रिय हो गया। सबसे पहले इमरान मसूद ने कहा कि मंदिरों में पूजा पाठ करना संतों का काम है फिर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी का बयान आया कि ऑपरेशन सिंदूर की नाकामी व उसके सत्य को छुपाने का प्रयास किया जा रहा है फिर इसमें उदित राज जो कि हमेशा से मंदिरों व हिंदुओं की एकता के खिलाफ रहे हैं जातिवाद का मुद्दा लेकर आ गए और कहा कि हर बार मिश्रा ही क्यों? एक नेता ने तो ऑपरेशन सिंदूर के नायक को सीधा -सीधा चोर ही कह दिया। कांग्रेस के नेताओं ने बयानों के माध्यम से एक बार फिर हिन्दुओं की आस्था के प्रतीक राम मंदिर का अपमान तो किया ही साथ ही भारतीय सेना का भी अपमान कर दिया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि नई चीजें करने से पुरानी चीजों को दबाया नहीं जा सकता ऐसा कहते हुए अखिलेश भूल जाते हैं कि कुछ भी करके वो कारसेवकों के नरसंहार को हिन्दुओं की स्मृति से मिटा नहीं सकते। 500 वर्षों से अधिक समय के अथक परिश्रम व संघर्षो के बाद अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर दिव्य व भव्य राम मंदिर अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है तथा अयोध्या नगरी विकास के पथ पर अग्रसर है। अयोध्या में 18 करोड़ से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं जिसमें युवा पीढ़ी भी बढ़ चढ़ कर आ रही है। बस यही बात सभी सेक्युलर दलों को खटक रही है और उन्होंने मंदिरों के प्रति आस्था को डिगाने का अभियान छेड़ दिया है।

सेहत मंत्र

सुबह एक ग्लास दूध पीने से दिनभर रहेगा आपका ब्लड शुगर कंट्रोल: शोध

ब्रेकफास्ट, ब्लड शुगर लेवल का प्रबंधन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि, अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर सकता है, ऐसे में टाइप-2 डायबिटीज वाले व्यक्ति को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक साधनों की तलाश करनी होगी। शोध के अनुसार कुछ आहार आपके शुगर लेवल को बढ़ाती हैं, जबकि, अगर एक नाश्ते को निश्चित किया जाए तो डायबिटीज मैनेजमेंट के लिए यह फायदेमंद होता है। एक नए अध्ययन के अनुसार उन खाद्य पदार्थों में से दूध एक है। जर्नल ऑफ़ डेयरी साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि, नाश्ते में दूध का सेवन दिन भर ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करता है। डगलस गोफ (पीएचडी) और यूनिवर्सिटी ऑफ़ टोरंटो के सहयोग से गुलेफ़ विश्वविद्यालय में ह्यूमन न्यूट्रास्युटिकल रिसर्च यूनिट के वैज्ञानिकों की टीम ने नाश्ते में उच्च प्रोटीन वाले दूध के सेवन के ब्लड शुगर लेवल पर होने वाले प्रभावों की जांच की। डॉ. गोफ के मुताबिक, मानव स्वास्थ्य में टाइप 2 डायबिटीज और मोटापे की प्रमुख चिंताओं के साथ वैश्विक स्तर पर मेटाबॉलिक डिजीज बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार, लोगों को अपने व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए मोटापा और मधुमेह के जोखिम में कमी और मधुमेह के प्रबंधन के लिए आहार रणनीति विकसित करना चाहिए। ब्लड शुगर लेवल के साथ बात यह है कि यह 200 मिलीग्राम/डीएल से ऊपर पहुंचने तक कोई लक्षण नहीं दिखाता है। मधुमेह वाले लोगों के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि आप एक दिन में कई बार रक्त शर्करा के स्तर की जांच करते रहें। मधुमेह वाले लोगों के लिए होम ग्लूकोज मॉनिटर एक आवश्यक है। नियमित एक्सरसाइज इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार कर सकता है और आपको वजन कम करने में भी मदद कर सकता है।

धर्म मंत्र

भगवान श्री सत्यनारायण की पूजा, व्रत और कथा सुनने से पूरी होती हैं सभी मनोकामनाएं

भगवान श्री सत्यनारायण सभी इच्छाओं को पूर्ण करने वाले, सभी कष्टों को हरने वाले हैं। सच्चे मन से भगवान श्रीसत्यनारायण का व्रत करने, पूजा करने और कथा श्रवण से निश्चित ही लाभ मिलता है। यदि आप भी भगवान श्री सत्यनारायण का व्रत और पूजन करना चाहते हैं तो इसे कभी भी कर सकते हैं लेकिन यदि पूर्णिमा, संक्रांति या गुरुवार के दिन का चयन करते हैं तो यह सर्वश्रेष्ठ है। व्रत के दिन स्नानादि से निवृत्त होकर पूजागृह में आसन पर बैठकर श्रीगणेश, गौरी, वरुण, विष्णु आदि समस्त देवताओं का स्मरण कर पूजन करें और यह संकल्प करें कि मैं सदैव श्री सत्यनारायण की आराधना तथा कथा-श्रवण करूंगा। हाथों में पुष्प लेकर सत्यनारायण का ध्यान करें तथा पुष्प, धूप, नैवेद्य तथा यज्ञोपवीत अर्पित कर प्रार्थना करें हे भगवन! मैंने जल, पुष्प आदि समस्त सामग्री श्रद्धा व विश्वासपूर्वक आपके चरणों में अर्पित की है। इसे स्वीकार करें। आपको बारम्बार प्रणाम है। इसके बाद श्री सत्यनारायण देव की कथा पढ़ें या सुनें। केले का तना, आम के पत्ते, कलश, धूप, रोली, कपूर, दीपक, श्रीफल, पुष्पहार, गुलाब के फूल, पंचरत्न, पंचपल्लव, चावल, तुलसी के पत्ते, मौसम के फल, पंचामृत यानि दूध, घी, शहद, शक्कर और दही, नैवेद्य, कलावा, जनेऊ, अंगवस्त्र, वस्त्र और चौकी। पावन तीर्थस्थल नैमिषारण्य में एक बार एकत्र हुए आर्यावर्त के अट्ठासी हजार महर्षियों ने मुनिश्रेष्ठ श्री सूतजी से कहा कि हे मुनिश्रेष्ठ! कलियुग में मनुष्य वेद-विधान और धर्म-विरुद्ध आचरण करते हुए पापों की गठरी के बोझ तले दबता जा रहा है।

पर्यटन



चाय के बगानों के लिए मशहूर है भारत का स्कॉटलैंड कहा जाने वाला कूर्ग

शोर-शराबे से दूर कुदरत के करीब सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं, तो कूर्ग आपके लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। कर्नाटक के इस छोटे से हिल स्टेशन की आबादी बहुत कम है। नेचुरल वॉटर फॉल्स, कॉफी और चाय के बागान और चारों तरफ फैली हरियाली इसे पर्यटकों का पसंदीदा पर्यटन स्थल बनाते हैं। कूर्ग कर्नाटक के दक्षिण पश्चिम भाग में पश्चिमी घाट के पास एक पहाड़ पर स्थित जिला है। प्राकृतिक सुंदरता की वजह से इस छोटे से हिल स्टेशन को भारत का स्कॉटलैंड और कर्नाटक का कश्मीर कहा जाता है। यहां प्राकृतिक सुंदरता निहारने के साथ ही आप आउटडोर एक्टिविटीज जैसे ट्रैकिंग, फिशिंग और वाइट वॉटर राफ्टिंग का भी मजा ले सकते हैं। तो अगली बार यदि आप कूर्ग जाने का प्लान बना रहे हैं, तो इन जगहों की सैर अवश्य करें। इस खूबसूरत तिब्बती मठ में आपको तिब्बती संस्कृति के साथ ही बुद्ध के जीवन की झलक दिखेगी। मठ की बनावट अंदर से बेहद सुंदर है और यह कूर्ग के सबसे आकर्षक स्थानों में से एक है। अब्बे का मतलब है झरना। कॉफी बागानों की बीच स्थित यह झरना बहुत ही सुंदर है। इसके आस-पास और भी कई पर्यटन स्थल है, इसलिए यहां हमेशा सैलानियों की भीड़ लगी रहती है। नागौरोले राष्ट्रीय उद्यान देश के सबसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। यहां कई तरह की वनस्पति और जीव हैं। जानवरों और पक्षियों की 270 से भी अधिक प्रजातियां यहां है। बारपोल नदी में आप व्हाइट वॉटर राफ्टिंग का मज़ा ले सकते हैं। रोमांच के शौकीनों के लिए यह बेहतरीन जगह है। नदी का सफ़ेद पानी और आसपास के सुंदर नज़ारे इसे कुर्ग के खूबसूरत स्थलों में से एक बनाते हैं। कूर्ग का सबसे ऊचा पर्वत शिखर, तडियामंडल, 1748 मीटर की ऊंचाई पर है। पहाड़ की चोटी से देखने पर कुदरत का शानदार नज़ारा दिखता है। मीठे पानी का यह झरना ब्रह्मगिरी पर्वत श्रृंखला में स्थित है। मॉनसून के समय यहां की खूबसूरती और निखर जाती है।

उजाले की कीमत दोगुनी, फिर भी गांव में अंधेरा क्यों?

रोशनी से ज्यादा चमके बिल!

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बाराबंकी। विकास खंड सिद्धौर की ग्राम पंचायत मुरलीगंज में स्ट्रीट लाइट खरीद के लिए किए गए भुगतानों को लेकर सवाल उठने के बाद मामले की जांच शुरू किए जाने की बात सामने आई है। उपलब्ध वित्तीय अभिलेखों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्ट्रीट लाइट खरीद के नाम पर कुल 3,85,000 रुपये का भुगतान दो अलग-अलग फर्मों को किया गया है। मामले में भुगतान प्रक्रिया, खरीद विवरण तथा लगाए गए उपकरणों के सत्यापन को लेकर जांच की मांग की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्च 2025 में ग्राम पंचायत निधि से स्ट्रीट लाइट खरीद के लिए 1,92,500 रुपये का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से कौस्तकी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के खाते में किया गया। इसके बाद मई 2025 में इसी मद से 1,92,500 रुपये का एक अन्य भुगतान आकाश ट्रेडर्स के पक्ष में दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। दोनों भुगतानों की कुल राशि 3,85,000 रुपये है।मामले में मुख्य प्रश्न यह है कि दोनों भुगतान अलग-अलग खरीद प्रक्रियाओं के तहत किए गए थे अथवा एक ही कार्य से संबंधित थे। यदि दोनों भुगतान अलग-अलग आपूर्ति के लिए हुए हैं तो उससे संबंधित बिल, आपूर्ति विवरण, स्टॉक रजिस्टर तथा स्थापना संबंधी अभिलेखों का परीक्षण आवश्यक होगा। वहीं यदि दोनों भुगतान एक ही कार्य अथवा समान आपूर्ति से जुड़े पाए जाते हैं तो भुगतान प्रक्रिया की जांच महत्वपूर्ण हो जाएगी।ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत क्षेत्र में जितनी राशि के भुगतान का उल्लेख अभिलेखों में है, उसके अनुरूप स्ट्रीट लाइटों की उपलब्धता और कार्यशील स्थिति का सत्यापन किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें लगी हुई हैं, जबकि कुछ स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था अपेक्षित नहीं दिखाई देती।जांच के दौरान पंचायत के मूल बिल, वाउचर, पीएफएमएस भुगतान रिकॉर्ड, खरीद आदेश, स्टॉक रजिस्टर, स्टॉक निर्गमन रजिस्टर तथा संबंधित फर्मों द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों का परीक्षण किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त मौके पर स्थापित स्ट्रीट लाइटों का भौतिक सत्यापन भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।मामले में अपर निदेशक पंचायती राज, अयोध्या मंडल अरविंद कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता अथवा नियमों के विपरीत भुगतान की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।फिलहाल पूरे मामले में जांच रिपोर्ट का इंतजार है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि किए गए भुगतान निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप थे या नहीं तथा खरीद और स्थापना से संबंधित अभिलेख वास्तविक स्थिति से मेल खाते हैं या नहीं।

स्ट्रीट लाइट खरीद की दरों और आपूर्ति की मात्रा को लेकर भी सवाल उठ रहे

सूत्रों के अनुसार विकास खंड सिद्धौर की कुछ ग्राम पंचायतों में स्ट्रीट लाइट खरीद की दरों और आपूर्ति की मात्रा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि जिन स्ट्रीट लाइटों का भुगतान पंचायत निधि से किया गया, उनकी कीमत बाजार में उपलब्ध समान गुणवत्ता वाली लाइटों की तुलना में अधिक दर्शाई गई है।हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी, लेकिन उपलब्ध अभिलेखों और बाजार दरों के तुलनात्मक अध्ययन की मांग की जा रही है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी स्ट्रीट लाइट के लिए लगभग 3,875 रुपये का भुगतान दर्शाया गया है और उसी प्रकार की लाइट खुले बाजार में लगभग 2,200 से 2,500 रुपये के बीच उपलब्ध है, तो प्रति इकाई लागत में अंतर की जांच आवश्यक हो जाती है। ऐसे मामलों में यह भी देखा जाना जरूरी होगा कि खरीदी गई सामग्री की गुणवत्ता, क्षमता, वारंटी तथा तकनीकी विशिष्टताएं बाजार में उपलब्ध उत्पादों से भिन्न तो नहीं थीं।ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि कई पंचायतों में भुगतान के मुकाबले मौके पर लगी स्ट्रीट लाइटों की संख्या भी सत्यापन का विषय है। उनका आरोप है कि अभिलेखों में दर्ज संख्या और वास्तविक रूप से स्थापित लाइटों के बीच अंतर हो सकता है। हालांकि इसकी पुष्टि केवल भौतिक सत्यापन, स्टॉक रजिस्टर, खरीद अभिलेखों तथा मौके की जांच के बाद ही संभव है।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी खरीद में बाजार दरों से अधिक भुगतान किया गया है अथवा भुगतान के अनुरूप सामग्री की आपूर्ति नहीं हुई है, तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ऐसे मामलों में खरीद प्रक्रिया, निविदा संबंधी अभिलेख, आपूर्ति आदेश, बिल-वाउचर तथा मौके पर स्थापित स्ट्रीट लाइटों का मिलान जांच का महत्वपूर्ण आधार बनता है।जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि भुगतान की गई दरें नियमानुसार थीं या नहीं तथा पंचायतों में स्थापित स्ट्रीट लाइटों की संख्या और गुणवत्ता अभिलेखों के अनुरूप है या नहीं।

एक रुपया भी अतिरिक्त वसूला तो नपेंगे अधिकारी-कर्मचारी : रवीन्द्र जायसवाल

❐ नवाबगंज सदर में नवनिर्मित उप निबंधक कार्यालय का उद्घाटन, 10-20 रुपये के स्टाम्प की अनिवार्यता खत्म करने पर सरकार कर रही विचार

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बाराबंकी। निबंधन विभाग में भ्रष्टाचार और अतिरिक्त वसूली पर सरकार ने सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल ने मंगलवार को साफ शब्दों में कहा कि निर्धारित शुल्क से एक रुपया भी अतिरिक्त वसूला गया तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे बाराबंकी पहुंचे राज्यमंत्री ने तहसील नवाबगंज सदर में नवनिर्मित उप निबंधक कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि नए कार्यालय के शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को जमीन-जायदाद और अन्य संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए अब दूरदराज के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

उद्घाटन के बाद राज्यमंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि निबंधन विभाग आम जनता से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है और यहां किसी भी प्रकार की अवैध वसूली अथवा भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त धन लेने की शिकायत मिलने पर दोषी के खिलाफ निलंबन सहित कठोर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को सरल, पारदर्शी और परेशानी मुक्त निबंधन सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है।



राज्यमंत्री ने शपथ पत्रों में इस्तेमाल होने वाले 10 और 20 रुपये के स्टाम्प को लेकर भी बड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार आम लोगों को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत देने के लिए इस व्यवस्था में बदलाव की संभावनाओं पर विचार कर रही है।

उन्होंने कहा कि कानूनी विशेषज्ञों से राय ली जा रही है कि भविष्य में शपथ पत्र के लिए स्टाम्प की अनिवार्यता समाप्त कर सादे कागज पर शपथ पत्र की व्यवस्था लागू की जा सकती है या नहीं। रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य छोटी-छोटी प्रक्रियाओं में जनता को होने वाली परेशानी और अतिरिक्त खर्च को कम करना है। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी कानूनी पहलुओं और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। कार्यालय के उद्घाटन के बाद राज्यमंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों से संवाद किया। उन्होंने निबंधन विभाग से जुड़ी समस्याओं और स्थानीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा उनके समाधान का भरोसा दिलाया। इसके बाद वह रामसनेहीघाट के लिए रवाना हो गए, जहां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित आंगनबाड़ी एवं महिला कल्याण सम्मान समारोह में उन्हें ऑनलाइन शामिल होना था। उप निबंधक कार्यालय के उद्घाटन के बाद रवीन्द्र जायसवाल डाक बंगला पहुंचे। इस दौरान खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा भी उनके साथ मौजूद रहे। इसके बाद दोनों मंत्री महंत बी.पी दास बाबा के आवास पहुंचे, जहां व्यापार मंडल पदाधिकारी एवं जायसवाल समाज के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। समाज के लोगों से संवाद करते हुए रवीन्द्र जायसवाल ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के समर्थन की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने व्यापारियों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और व्यापारियों की सुविधाओं तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर व्यापारियों की समस्याओं की अपेक्षित अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। कार्यक्रम में जायसवाल महिला समाज, जायसवाल युवा समाज समेत समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने राज्यमंत्री का माल्यार्पण कर स्वागत किया। उन्हें भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अतुल कुमार सिंह, भाजपा नेता आदित्य सिंह टाइगर, व्यापारी नेता प्रदीप जायसवाल, मनोज जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, राकेश जायसवाल बाबा, सतीश जायसवाल, समाजसेवी सुरेंद्र जायसवाल सूर्या, विजय जायसवाल, राजू जायसवाल, चंदन जायसवाल, श्यामू जायसवाल, सुभाष जायसवाल बेलहरा, सौरभ जायसवाल, शरद जायसवाल, गोरखनाथ जायसवाल, नवीन जायसवाल, मनोज जायसवाल प्रतापगंज, ललित जायसवाल, जयप्रकाश जायसवाल, नरेश जायसवाल, लालजी जायसवाल, पूनम जायसवाल, अंजली सिंह, रविनन खजान्ची, देवराज त्रिपाठी सभासद, रामू लोधी सभासद और मारुति पाठक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का बढ़ा मानदेय, घोषणा सुनते ही खिल उठे चेहरे



सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। तहसील सभागार में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अयोध्या से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा करते ही सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। घोषणा के अनुसार अब आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 12 हजार रुपये और सहायिकाओं को छह हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। मानदेय बढ़ने की घोषणा से कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

सम्मान समारोह में विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत ग्राम किन्तुर निवासी कंचन राजपूत और दिव्यांशी वैश्य को सम्मानित किया गया। वहीं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत इसी गांव के शिवम यादव और सूरज कुमार यादव को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वालों में लक्ष्मी वर्मा, उर्मिला यादव, सुगंधा आनंद, रिंका देवी, शिमला वर्मा, विनीता पांडेय, मंजू देवी, रजनी श्रीवास्तव, चेतना सिंह और प्रतिमा यादव सहित कई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां शामिल रहीं।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन पाठक, एसडीएम अनिल कुमार सरोज, बीडीओ संजीव कुमार गुप्ता, सीडीपीओ अर्चना वर्मा, मनोज मिश्रा, लघु सिंचाई अभियंता सतीश श्रीवास्तव, एमएलसी प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह बबलू, दुर्गेश दीक्षित, सुपरवाइजर मधु सिंह एवं रेनू वर्मा सहित सैकड़ों आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं मौजूद रहीं।

तालाब किनारे पैर फिसलने से युवती की डूबकर मौत

बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र के हथौंधा चौकी अंतर्गत मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। घर के पास स्थित तालाब किनारे शौच के लिए गई एक युवती का पैर फिसल गया, जिससे वह गहरे पानी में चली गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान हथौंधा गांव निवासी केशराज की करीब 23 वर्षीय पुत्री विनीता के रूप में हुई है। बताया जाता है कि विनीता सुबह घर के पास स्थित तालाब किनारे गई थी। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। घटना की जानकारी जब तक परिजनों को हुई, तब तक काफी देर हो चुकी थी और युवती की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और लेखपाल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तालाब पर चार श्रमिक, पोर्टल पर 68 की हाजिरी!



कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ रात 9 बजे दर्ज हुई उपस्थिति ने खोली वीबी-जी राम जी योजना की पोल

4 और 68 में 64 का अंतर - आखिर कहां गए श्रमिक?

मौके पर मिले - 4 श्रमिक
पोर्टल पर दर्ज - 68 श्रमिक
अंतर - 64 श्रमिक
हाजिरी का समय - रात 9 बजे

निन्दूरा, बाराबंकी। विकास खंड निन्दूरा की ग्राम पंचायत बंदगी नगर में वीबी-जी राम जी योजना के तहत हो रहे तालाब जीर्णोद्धार कार्य में बड़ा खेल सामने आया है।

सोमवार सुबह 11:20 बजे जब तालाब के मौके पर जाकर देखा गया तो पानी से भरे तालाब पर महज 4 श्रमिक ही काम करते मिले। जबकि ऑनलाइन पोर्टल पर इसी कार्य के लिए 9 मास्टर रोल में 68 श्रमिकों की हाजिरी अंकित है।

सबसे बड़ा सवाल - जब मौके पर 4 लोग हैं तो बाकी 64 कहां हैं?

बरसात में तालाब लबालब भरा है, ऐसे में जीर्णोद्धार कैसे और कहां हो रहा है, यह भी सवालों में है। ग्रामीणों का कहना है कि सोमवार दिन भर पोर्टल पर कोई हाजिरी नहीं दिख रही थी, रात करीब 9 बजे अचानक 68 श्रमिकों की उपस्थिति अपलोड हो गई।

पारदर्शिता के लिए बनाई गई ऑनलाइन हाजिरी व्यवस्था ही जब सवालों के घेरे में आ जाए तो कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजिमी है। इस संबंध में डीसी मनरेगा से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा - ''मैं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में अयोध्या में हूं, काफी शोर है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या अधिकारी मौके पर जाकर 68 श्रमिकों का भौतिक सत्यापन कराएंगे या यह मामला भी कागजों में ही 68 की हाजिरी दिखाकर दबा दिया जाएगा?

भटुवामऊ में अकीदत के साथ निकला मदहे सहाबा का जुलूस



कैनविज टाइम्स संवाददाता

बेलहरा, बाराबंकी। हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अंजुमन शैदाए हरम भटुवामऊ के तत्वावधान में मदहे सहाबा का जुलूस मंगलवार को बड़ी अकीदत और हर्षोल्लास के साथ निकाला गया। जुलूस में पांच दर्जन से अधिक अंजुमनों ने शिरकत कर सहाबा की शान में नातिया कलाम पेश किए।

जुलूस की शुरुआत स्थानीय जामा मस्जिद से हुई। जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए देर रात मदरसा कमरुल उलूम रमजानिया के पास पहुंचा। यहां विभिन्न अंजुमनों द्वारा पेश किए गए नातिया कलामों को लोगों ने बड़ी अकीदत के साथ सुना। जुलूस से पूर्व स्थानीय मदरसे से एक आकर्षक रैली भी निकाली गई, जिसमें ऊंट और घोड़े विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। रैली के दौरान नातिया कलामों की गूंज के बीच लोगों ने सहाबा की शान में नारे लगाए। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने रैली में शामिल लोगों का जलपान कराकर स्वागत किया। रैली के समापन के बाद कमेटी की ओर से स्थानीय पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी अध्यक्ष मसरूर खान, उपाध्यक्ष मेराज अहमद, कासिम खान, सिराजुद्दीन, शादाब खान, अय्यूब लखपति, फरहान खान, जफर अंसारी, अंसार अंसारी, सलमान अंसारी, रिजवान अंसारी, रईस बाबा, उस्मान खान, सालिम खान, अलीमुद्दीन अंसारी, शफीक अंसारी, आजम अंसारी, इरशाद शाह, निजामुद्दीन, चौधरी, ताज मोहम्मद और फुरकान खान का विशेष योगदान रहा। देर रात तक चले कार्यक्रम के बाद मदहे सहाबा का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

मामूली विवाद में वृद्ध की हत्या, तीन भाइयों समेत चार को उम्रकैद

कैनविज टाइम्स संवाददाता



❐ जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव ने सुनाया फैसला, प्रत्येक दोषी पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना

बाराबंकी। मामूली विवाद में हुए जानलेवा हमले के दौरान एक वृद्ध की मौत के मामले में जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव ने तीन भाइयों समेत चार अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने सभी दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

मामला कोठी थाना क्षेत्र के ग्राम धौरहरा का है। अभियोजन पक्ष के अनुसार गांव निवासी राम अशोक पुत्र पुर्नवासी ने घटना के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। तहरीर के अनुसार 9 अक्टूबर 2023 की रात करीब नौ बजे राम अशोक अपने घर के दरवाजे पर बैठा था। इसी दौरान उसके चचेरे भाई राधेश्याम, रामबाबू और जानबाबू पुत्रगण रामलखन तथा पिंकू पुत्र रामचंदर घर के सामने भैंस और गाय बांध रहे थे। राम अशोक, उसके दादा बुद्धु तथा चाचा दुर्गा पुत्र हनुमान ने वहां जानवर बांधने से मना किया, जिस पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद चारों अभियुक्तों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से हमला कर दिया। हमले में राम अशोक, उसके दादा बुद्धु और चाचा दुर्गा गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि बुद्धु और दुर्गा गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े।

घटना की सूचना पर घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां बुद्धु और दुर्गा की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान वृद्ध बुद्धु की मौत हो गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार घटना के पीछे पारिवारिक विवाद और पुरानी रंजिश भी कारण बनी थी। मृतक बुद्धु के पुत्र रंजीत की पत्नी निशा को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। आरोप था कि जानबाबू उसे करीब एक वर्ष पूर्व अपने साथ रख रहा था, जिसको लेकर दोनों पक्षों में अक्सर विवाद होता था। इसके अलावा जमीन को लेकर भी विवाद और कब्जे का प्रयास किए जाने के आरोप लगाए गए थे। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त लाठियां तथा आला कत्ल बांका बरामद किया था। न्यायालय में घायलों और अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए गए तथा अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें सुनी गईं। साक्ष्यों और दोनों पक्षों की बहस के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव ने राधेश्याम, रामबाबू, जानबाबू और पिंकू को जानलेवा हमला और हत्या के मामले में दोषी पाया। अदालत ने चारों अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

श्रीलोधेश्वर महादेवा धाम आवागमन विवाद: हाईकोर्ट के आदेश पर एनएचएआई अधिकारियों ने किया निरीक्षण

रामनगर, बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। श्रीलोधेश्वर महादेवा धाम के आवागमन को लेकर चल रहे विवाद के बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश पर एनएचएआई के अधिकारी नवरत्न कुमार ने मंगलवार को लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग और केसरीपुर मोड़ का स्थलीय निरीक्षण किया। हाईकोर्ट ने स्थानीय समस्या के समाधान के लिए एलिवेटेड रोड अथवा अन्य व्यवहारिक विकल्प तलाशने और इस संबंध में रिपोर्ट हलफनामे के माध्यम से न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीश धीमान ने एनएचएआई अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्तमान हाईवे अलाइनमेंट को यथावत रखते हुए एलिवेटेड रोड, सर्विस रोड और व्हीकल अंडरपास बनाए जाने की मांग की गई। स्थानीय लोगों ने प्रस्तावित बाईपास को निरस्त करने की मांग भी उठाई। साथ ही जनवरी और फरवरी 2024 के दौरान प्रस्तावित बाईपास अलाइनमेंट क्षेत्र में हुई जमीन की खरीद-फरोख्त की जांच कराए जाने की मांग रखी। इस दौरान अधिवक्ता रामचंद्र शुक्ल, तेजप्रताप सिंह, नरेंद्र प्रताप सिंह, पवन सिंह और निखिल दीक्षित सहित दर्जनों स्थानीय लोग मौजूद रहे।



भारत के खिलाफ टी20 मैच में एशियाड के लिए चुनी गई टीम ही उतारेगा जापान

एजेंसी



दुबई। जापान की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले केंडेल कादोवाकी फ्लेमिंग 22 सितंबर को सानो में भारत के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने देश की कप्तानी करेंगे। इस मैच में जापान ने वही टीम उतारने का फैसला किया है जो आइची-नागोया में एशियाई खेलों में खेलेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि जापान की टीम में इब्राहिम ताकाहाशी और डेक्लन सुजुकी मैककॉम्ब अन्य दो खिलाड़ी हैं जिन्हें 50 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का अनुभव है। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। आईसीसी ने कहा, '' जापान ने एशियाई खेलों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए उन खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं करने का फैसला किया है जो आईसीसी नियमों के तहत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के योग्य हैं लेकिन एशियाई खेलों के नियमों के तहत अयोग्य हैं। तीस वर्षीय कादोवाकी फ्लेमिंग ने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 139.41 के स्ट्राइक रेट से 1871 रन बनाए हैं। उनके नाम पर दो शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। एशियाई खेल 19 सितंबर से शुरू हो रहे हैं। पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भारत मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन है। जापान आईसीसी टी20 रैंकिंग में 41वें स्थान पर है। जापान की 15 सदस्यीय टीम में विकेटकीपर वतारू मियाउची और लेग स्पिनर माकोतो तानियामा भी शामिल हैं। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर जेक कुसुदा नैर्न और तेज गेंदबाज त्सुयोशी तकादा को घरेलू मैचों में अच्छे प्रदर्शन के दम पर टीम में शामिल किया गया है। भारत के खिलाफ यह मैच भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के बीच शिखर सम्मेलन के दौरान हुए समझौते के तहत खेला जा रहा है। जापान 19 और 20 सितंबर को हांगकांग के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलेगा। एशियाई खेलों में उसका सामना अफगानिस्तान (24 सितंबर) और नेपाल (26 सितंबर) से होगा। वह शीर्ष दो में रहने पर ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच पाएगा। जापान की टीमः केंडेल कादोवाकी फ्लेमिंग (कप्तान), चार्ली हारा हिन्ज, बेंजामिन इटो डेविस, एलेस्टर कादोवाकी फ्लेमिंग, कोहेई कुबोटा, जेक कुसुदा नैर्न, वतारू मियाउची (विकेटकीपर), रेओ साकुरानो थॉमस, एलेक्स शिराई पाटज़ुकिटर, सुगाया मैक्लान (विकेटकीपर) त्सुयोशी तकादा, इब्राहिम ताकाहाशी, मकोतो तानियामा, लाचलान यामामोटो लेक।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स को भारत अफगानिस्तान टी20 श्रृंखला के प्रसारण अधिकार मिले

एजेंसी



नयी दिल्ली। सोनी स्पोर्टस नेटवर्क को भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के प्रसारण अधिकार मिले हैं। दोनों टीमें 13 सितंबर को पहला टी20 मैच खेलेंगी । दूसरा मैच 15 सितंबर को और तीसरा 17 सितंबर को अरूण जेटली स्टेडियम पर खेला जायेगा। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के मुख्य राजस्व अधिकारी और बिजनेस प्रमुख (खेल और अंतरराष्ट्रीय) राजेश कौल ने कह ,'' अफगानिस्तान भारत टी20 श्रृंखला सोनी स्पोर्टस नेटवर्क के क्रिकेट पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाती है और हमारे 'फ़ेस्टिवल आफ स्पोर्टस में एक और रोमांचक प्रतिस्पर्धा को जोड़ती है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम में ईशान किशन, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन, तिलक वर्मा हैं जबकि जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। वहीं इब्राहिम जदरान की कप्तानी वाली अफगानिस्तान टीम में राशिद खान, रहमतुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल और अजमतुल्लाह उमरजइ जैसे सितारे हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सीईओ नसीब खान ने कहा ,'' भारत में खेलना हमेशा खास होता है क्योंकि क्रिकेट को लेकर यहां असाधारण जुनून है । इस श्रृंखला से अफगानिस्तान को विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में भारत ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता

अहमदाबाद। भारत की पुरुष रिकर्व और कंपाउंड टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज के तीसरे चरण के समापन से एक दिन पहले मंगलवार को यहां स्वर्ण पदक जीते, जबकि महिला रिकर्व टीम ने रजत पदक जीता। मौजूदा विश्व चैंपियन तोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी की पुरुष कंपाउंड जोड़ी ने इराक को 152-139 से हराया। दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की रिकर्व जोड़ी ने स्लोवाकिया को 6-2 से पराजित किया। महिला रिकर्व टीम का प्रदर्शन हालांकि निराशाजनक रहा। भावना और पूजा को फाइनल में चीन से 0-6 (23-34, 33-35, 30-31) से हारने के बाद रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा में भी भारत कांस्य पदक से चूक गया। शीतल देवी और पायल नाग तीसरे स्थान के प्लेऑफ में चीन की वांग हुईटिंग और गाओ फांगशिया की जोड़ी से हार गईं। स्वामी और तोमन ने पुरुषों की कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में इराक के अब्बास कादिम और अनवर अलदावोद को हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की लेकिन इसके बाद उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर ली और फिर उन्हें जीत हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। हरविंदर और सुंडी ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया के डेविड इवान और डेनिस इवान को 6-2 (34-37, 36-31, 38-34, 35-31) से हराया।

स्वर्ण पदक के लक्ष्य के साथ एशियाड के लिए रवाना हुई भारतीय महिला हॉकी टीम

बेंगलुरु। विश्व कप में ऐतिहासिक पांचवें स्थान पर रहने के बाद उत्साह से लबरेज भारतीय महिला हॉकी टीम स्वर्ण पदक जीतकर 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए मंगलवार को जापान रवाना हुई। कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में और कोच शोर्ड मारिन की निगरानी में भारत ने विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहकर 1974 के बाद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अब सबकी निगाहें एशियाई खेलों पर टिकी हैं, जहां स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम सीधे ओलंपिक में जगह बना लेगी। सलीमा ने कहा, ''हम एशियाई खेलों में बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ जा रहे हैं, लेकिन हम यह भी जानते हैं कि हर टूर्नामेंट एक नई चुनौती लेकर आता है। नेशंस कप और विश्व कप ने हमें यह विश्वास दिलाया है कि हम मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है, स्वर्ण पदक जीतना और लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना। हम जानते हैं कि इसके लिए निरंतरता, अनुशासन और हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। एक टीम के रूप में हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। भारत को जापान, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया और उज्बेकिस्तान के साथ पूल बी में रखा गया है। टीम 20 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसके बाद वह 21 सितंबर को इंडोनेशिया, 23 सितंबर को थाईलैंड, 25 सितंबर को जापान और 27 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ मैच खेलेगी। नॉकआउट चरण 30 सितंबर को होंगे जबकि दो अक्टूबर को स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला होगा। भारतीय टीम में सविता, नवनीत कौर, नेहा, निक्की प्रधान, लालरेम्सियामी और सुशीला चानू पुखरामबम जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के अलावा कई युवा खिलाड़ी भी शामिल है जिन्होंने हाल में अपने प्रदर्शन से विशेष छाप छोड़ी है। एशियाई खेलों के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम में दो गोलकीपर (सविता, बिचू देवी खारीबाम), पांच डिफेंडर (इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंटलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास), छह मिडफील्डर (निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनिलिता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग) और सात फॉरवर्ड (लालरेम्सियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग) शामिल हैं।

कर्नाटक ने 'क्वांटम सिटी' के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप को साझेदारी का दिया न्योता

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने प्रस्तावित 'क्वांटम सिटी' को शोध, नवाचार और उद्योग सहयोग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप, निवेशकों और शोधकर्ताओं को साझेदारी का न्योता दिया है। यहां अंतरिक्ष, परिवहन और ड्रोन पर आयोजित एक बैठक में सूक्ष्म सिंचाई और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अजय धरम सिंह ने मंगलवार को कहा कि राज्य चाहता है कि उद्योग और नवोन्मेषक शुरुआती चरण से ही इससे जुड़ें और राज्य के गहन प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में अपने विचार रखें, प्रौद्योगिकी और साझेदारी का योगदान दें। उन्होंने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी कंपनियों को राज्य में अपने कारोबार के निर्माण, परीक्षण, विनिर्माण और विस्तार के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दे रही है। सिंह ने कर्नाटक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी नीति वर्ष 2025-30 का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य का लक्ष्य 2033 तक भारत के अंतरिक्ष बाजार में 50 प्रतिशत और वैश्विक बाजार में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है। नीति के तहत तीन अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश आकर्षित करने और 50,000 पेशेवरों को प्रशिक्षित करने का भी लक्ष्य है। उन्होंने भूजल प्रबंधन, तालाब और झील की मैपिंग, सिंचाई परिसंपत्तियों के प्रबंधन तथा परियोजनाओं की निगरानी में उपग्रह तस्वीरों, ड्रोन, जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और कृत्रिम मेधा) के अधिक इस्तेमाल पर जोर दिया।

स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज का 2028-29 तक 20,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

नयी दिल्ली। ब्रॉडबैंड प्रौद्योगिकी कंपनी स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज ने कहा है कि उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2028-29 तक कंपनी के राजस्व को कई गुना बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का है। स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसटीएल) ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में उसका एकीकृत परिचालन राजस्व 4,745 करोड़ रुपये रहा था। एसटीएल के प्रबंध निदेशक अंकित अग्रवाल ने तीन सितंबर को आयोजित एक निवेशक बैठक में कहा, ''आज, हम वित्त वर्ष 2028-29 के लिए एसटीएल की वृद्धि महत्वाकांक्षा 'लक्ष्य' की घोषणा करते हुए बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। 'लक्ष्य' के तहत हम वित्त वर्ष 2028-29 तक 20,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य बना रहे हैं। साथ ही एसटीएल को डिजिटल संपर्क के लिए सबसे बड़े वैश्विक दिग्गजों में से एक के रूप में स्थापित कर रहे हैं। कंपनी द्वारा दी जानकारी के मुताबिक, अग्रवाल ने कहा कि परियोजना 'लक्ष्य' की महत्वाकांक्षा एसटीएल के पैमाने और स्थिति को बदलना, कंपनी के मुख्य आधार की मजबूती, मजबूत आर्थिक स्थिति, मजबूत ग्राहक संबंधों और दुनिया के तेजी से बढ़ते डिजिटल बुनियादी ढांचे में एक बड़ी भूमिका निभाना है।

महिला जूनियर एशिया कपः जापान को 7-0 से हराकर भारत क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी



मोकी (चीन)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एशिया कप में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए मंगलवार को यहां अपने तीसरे एलीट पूल मैच में जापान को 7-0 से करारी शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत से भारत के तीन मैचों में नौ अंक हो गए हैं और वह अभी एलीट पूल में शीर्ष पर है। भारत बुधवार को पूल के अपने आखिरी मैच में चीन का सामना करेगा, जिससे पूल में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम का निर्धारण होगा। चीन के अभी दो मैचों में छह अंक हैं। कोरिया के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने और फिर मलेशिया के खिलाफ 11-1 से बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम ने जापान के खिलाफ मुकाबले में अपनी आक्रामक लय को बरकरार रखा और शुरुआत से ही खेल पर नियंत्रण बना लिया। भारत के शुरुआती दबाव का फायदा उसे पांचवें मिनट में मिला जब कृष्णा शर्मा ने गोल दागकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। भारत को नौवें मिनट में जापानी डिफेंडर के सर्कल के अंदर फाउल करने से पेनल्टी मिली। सुप्रिया ने इसे गोल में बदलकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। भारत ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में तीसरा गोल दागा। पूर्णिमा यादव ने 14वें मिनट में मैदानी गोल किया जिससे भारत ने पहले क्वार्टर में 3-0 की अच्छी बढ़त हासिल कर ली। दूसरे क्वार्टर में जापान ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया और मैच में वापसी की कोशिश की। भारत ने भी अपनी बढ़त मजबूत करने की कोशिश की लेकिन दोनों में से कोई भी टीम इस क्वार्टर में गोल नहीं कर सकी। इस तरह से भारत हाफटाइम तक 3-0 से आगे था। जापान ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी आक्रमण को प्राथमिकता दी लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। इसके बाद भारत ने पांच मिनट के भीतर तीन गोल दाग दिए। गीता यादव ने 41वें मिनट में मैदानी गोल दागकर स्कोर 4-0 कर दिया। गीता ने 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इसके तुरंत बाद पूर्णिमा ने भी अपना दूसरा गोल किया और तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत को 6-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में भी अपना आक्रामक रुख बरकरार रखा और 50वें मिनट में सानिका चंद्रकांत माने के गोल से टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत सुनिश्चित की।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज चैपमैन ने 'कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट' चुना, लेकिन भारत खिलाफ उपलब्ध रहेंगे

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ औपचारिक केंद्रीय अनुबंध के बजाय 'कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट' का विकल्प चुना है लेकिन वह भारत के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को बयान जारी कर चैपमैन के इस फैसले की घोषणा की। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा, ''चैपमैन भारतीय टीम के दौरे के लिए चयन के लिए उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम सीफर्ट सहित चार अन्य 'कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट' वाले खिलाड़ी भी उपलब्ध रहेंगे। हांगकांग में जन्मे 32 वर्षीय चैपमैन 2018 से न्यूजीलैंड के लिए खेल रहे हैं।

केंद्र की 37,500 करोड़ रुपये की कोयला गैसीकरण योजना के लिए पहले दौर में मिले 7 आवेदन

एजेंसी



नई दिल्ली। केंद्र सरकार की 37,500 करोड़ रुपये के सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण प्रोत्साहन योजना के लिए पहले दौर में कुल सात आवेदन मिले हैं। ये आवेदन प्रमुख इंडस्ट्रीज और सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम से कुल 7 आवेदन मिले है। इनमें से तीन आवेदन अडाणी इंटरप्राइजेज की ओर से आए हैं। कोयला मंत्रालय के मुताबिक अडाणी एंटरप्राइजेज, गैलेंट इस्पात, एनटीपीसी, श्याम सेल एंड पावर और तालचर फर्टिलाइजर्स ने ये आवेदन जमा किए हैं। इन आवेदनों में यूरिया, डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन, सिनगैस और सिंथेटिक नेचुरल गैस से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। सरकार का मानना है कि इस प्रतिक्रिया से घरेलू कोयला गैसीफिकेशन को बढ़ाने की उसकी कोशिशों को मजबूती मिली है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने यूरिया प्रोजेक्ट्स के लिए तीन अलग-अलग आवेदन जमा किए हैं, जबकि गैलेंट इस्पात ने डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन और सिनगैस प्रोजेक्ट के लिए आवेदन किया है। एनपीसी ने सिंथेटिक नेचुरल गैस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया है, श्याम सेल एंड पावर ने सिनगैस प्रोजेक्ट के लिए और तालचर फर्टिलाइजर्स ने यूरिया प्रोजेक्ट के लिए आवेदन किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह योजना और देश के कोयला गैसीकरण मिशन में स्पष्ट विश्वास का प्रतीक हैं। इसमें बाजार ने अपना निर्णय बहुत ही स्पष्ट रूप से दिया है। पहले दौर के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का अब योजना के दिशानिर्देशों और निविदा प्रस्ताव (आरएफपी) के अनुसार विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। कोयला मंत्रालय ने 8 सितंबर से योजना के दूसरे चरण के खुलने की घोषणा की। निविदा के अनुसार आवेदन प्रक्रिया दो-दो महीने के अंतराल पर जारी रहेगी, जिससे पात्र संस्थाओं को नियमित रूप से भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही कई संभावित आवेदक वर्तमान में परियोजना की तैयारी के उन्नत चरणों में हैं, जिसे आगामी चरणों में प्रस्ताव प्रस्तुत करने की आशा है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बिग बैश लीग के निजीकरण को मंजूरी दी, मेलबर्न रेनेगेड्स की होगी बिक्री

एजेंसी

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजीकरण को मंजूरी दे दी है जिसके बाद इस टी20 लीग की टीम मेलबर्न रेनेगेड्स बिक्री के लिए उपलब्ध है। सीए ने घोषणा की कि वह मेलबर्न रेनेगेड्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए निजी मालिकों से बोलियां आमंत्रित करेगा। क्रिकेट डॉट कॉम एयू की रिपोर्ट के अनुसार फ्रेंचाइजी का नया स्वामित्व 2027-28 के बिग बैश लीग और महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के लिए लागू रहेगा तथा बिक्री प्रक्रिया का बीबीएल और डब्ल्यूबीबीएल के आगामी सत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मेलबर्न रेनेगेड्स टीम का संचालन अभी ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट कर रहा है। उसकी डब्ल्यूबीएल टीम ने हाल ही में वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को अनुबंधित किया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सीए अन्य क्लबों को भी बिक्री के लिए रखने पर भी विचार करेगा। होबार्ट हरिकेंस, पर्थ स्कॉर्चर्स और मेलबर्न स्टार्स अन्य क्लब हैं जिनके बारे में माना जाता है कि वे निजी निवेश में रुचि रखते हैं। लेकिन सिडनी सिक्सर्स, सिडनी थंडर, ब्रिस्बेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स जैसी अन्य टीम की फिलहाल निजी निवेश में दिलचस्पी नहीं है लेकिन भविष्य में इन टीमों के लिए बिक्री का विकल्प खुला रहेगा।

चीन का निर्यात अगस्त में 25 प्रतिशत बढ़ा, व्यापार अधिशेष भी बढ़कर 119.1 अरब डॉलर

एजेंसी

बैंकॉक। चीन का निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़ा। सीमा शुल्क एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि मोटर वाहन और उच्च प्रौद्योगिकी वाले सामान की मजबूत मांग से निर्यात को बढ़ावा मिला। जुलाई में निर्यात सालाना आधार पर 23.9 प्रतिशत बढ़ा था। अगस्त में आयात भी सालाना आधार पर 28.2 प्रतिशत बढ़ा, जबकि जुलाई में इसमें 27.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इससे चीन का व्यापार अधिशेष 119.1 अरब डॉलर हो गया जो जुलाई के 112.5 अरब डॉलर के मुकाबले अधिक है। नीति-निर्माताओं ने अमेरिका और अन्य देशों में चीन के लगातार बढ़ते व्यापार अधिशेष को लेकर चिंता जताई है। चीन का व्यापार अधिशेष पिछले साल रिकॉर्ड 1.2 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया था। हालांकि, चीन का कहना है कि उसका व्यापार अधिशेष को अधिकतम करने का कोई लक्ष्य नहीं है। अमेरिका को चीन का निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 34.4 प्रतिशत बढ़कर 42.5 अरब डॉलर हो गया। इसकी मुख्य वजह यह है कि अमेरिका द्वारा ऊंचे शुल्क लगाए जाने से पिछले साल चीन का निर्यात घट गया था। आंकड़ों के अनुसार, चीन को अमेरिका का निर्यात पिछले महीने 13.3 अरब डॉलर रहा। इस तरह चीन के पक्ष में करीब 29.2 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष रहा। यूरोपीय संघ (ईयू) को चीन का निर्यात 6.6 प्रतिशत बढ़ा, जबकि दक्षिण-पूर्व एशिया और लातिन अमेरिका को निर्यात में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 17.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नीदरलैंड के बैंक आईएनजी में ग्रेटर चीन के मुख्य अर्थशास्त्री लिन सॉन्ग ने कहा कि चीन का निर्यात लगातार आयात से अधिक रहा है और ''इस साल व्यापार अधिशेष के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के आसार हैं। सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 43 प्रतिशत जबकि सेमीकंडक्टर का 129.8 प्रतिशत बढ़ गया।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी



नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में बदलाव होने के कारण सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा : मोदी

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल फिनटेक फ़ेस्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और फिनटेक सेक्टर की बढ़ती पहुंच का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि 11 देशों तक इसका विस्तार हो चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें इस आयोजन में लगातार तीसरी बार शामिल होने की खुशी है। उन्होंने इसे एक और 'हैट्रिक' बताते हुए कहा कि 2024 में तीसरी बार सरकार बनने की हैट्रिक के बाद यह उनके लिए ग्लोबल फिनटेक फ़ेस्ट में लगातार तीसरी बार आने की हैट्रिक है। उनके मुताबिक, यह इस बात को दिखाता है कि विकसित भारत के निर्माण में फिनटेक और इससे जुड़े लोगों की भूमिका कितनी अहम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बार फ़ेस्ट में आने पर उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा युवा, ज्यादा ऊर्ज़ा और संभावनाओं का बड़ा दायरा नजर आता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ रही है और उनके सपने भी बड़े हो रहे हैं। इससे विकसित भारत के भविष्य को लेकर उनका भरोसा और मजबूत होता है। पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने मुझे 10 साल में देखा है, वे जानते हैं मोदी एक पड़ाव पर पहुंचकर, जश्न मनाकर संतुष्ट होने वाला नहीं है। जब एक लक्ष्य प्राप्त होता है तो मैं दूसरे लक्ष्यों की तैयारी में जुट जाता हूं। अब दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सिंगापुर के साथ हम यह कर चुके हैं, इससे सिंगापुर और भारत के बीच पेमेंट ऐसे हो पा रहे हैं, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में होता है। जहां भी भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं और जहां भारत बड़े पैमाने पर व्यापार करता है और जो देश हमारे साथ चलने के लिए तैयार है, हमें उन सब को जोड़ने पर काम करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि विदेश में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। दुनिया में भारतीय ही बड़ी संख्या में भारत पैसा भेजते हैं। उसका एक बड़ा हिस्सा ट्रांजैक्शन कॉस्ट में चला जाता है। यूपीआई इसमें भी भारतीयों को लाभ दिला सकता है और पैसा तुरंत उनके परिवारों के पास पहुंच सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि यूपीआई की सफलता के बाद अब अगला लक्ष्य दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ने का होना चाहिए। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच हुए पेमेंट सिस्टम इंटीग्रेशन का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दोनों देशों के बीच भुगतान करना लगभग उसी तरह आसान हो गया है, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, जहां भारत का बड़े स्तर पर कारोबार है और जो भारत के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं, उनके साथ पेमेंट सिस्टम को जोड़ने पर काम किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विदेशों में काम करने वाले भारतीयों के लिए भी इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में काम करने वाले भारतीय अपने परिवारों को पैसा भेजते हैं, लेकिन रकम का एक हिस्सा ट्रांजैक्शन कॉस्ट में चला जाता है। यूपीआई के विस्तार से इस लागत को कम करने और पैसे को तेजी से परिवारों तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी की मदद से अलग-अलग तरह के कारोबार करने वाले लोगों की आर्थिक गतिविधियों को समझकर उनकी जरूरत के मुताबिक वित्तीय मॉडल तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिनटेक का अगला अध्याय केवल पेमेंट तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने पेमेंट के क्षेत्र में बड़े पैमाने और तेज गति से विस्तार किया है। अब फिनटेक को नॉन-पेमेंट ट्रांजैक्शन का हिस्सा बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। पीएम मोदी ने डिलीवरी पार्टनर और छोटे स्तर पर काम करने वाले लोगों का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि ऐसे लोग नियमित रूप से कमाते हैं, लेकिन उन्हें बचत और पेंशन जैसे वित्तीय उत्पादों तक आसान पहुंच की जरूरत होती है। फिनटेक इन जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि सेविंग्स, पेंशन और दूसरी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच भी उतनी ही सरल और आसान होनी चाहिए, जितना आज डट कोड के जरिए भुगतान करना है। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का पहला क्वार्टर पूरा हो चुका है और अब 2026 में दूसरा क्वार्टर नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने फिनटेक क्षेत्र से इन संभावनाओं का लाभ उठाने और नए अवसर तैयार करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया।



ब्रिक्स देशों के साथ रुस का 90 प्रतिशत व्यापार राष्ट्रीय मुद्रा में : रूसी प्रवक्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस का कहना है कि ब्रिक्स देशों के साथ उसका 90 प्रतिशत व्यापार राष्ट्रीय मुद्राओं में हो रहा है। इसका प्रमुख कारण अमेरिका की ओर से रूस के लिए डॉलर आधारित वित्तीय प्रणाली तक पहुंच को प्रतिबंधित करना है। रूस अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के तौर पर डॉलर के प्रयोग के विरोध में नहीं है। असल में अमेरिका की नीतियां ही डॉलर को फायदमंद बनाने से रोक रही है। इसी के चलते रूस को अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं का अधिक उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

स्पूतनिक इंडिया की ओर से नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में वीडियो कांफ्रेंसिंग से आयोजित पत्रकार वार्ता में क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने उक्त बातें कहीं। पत्रकार वार्ता आगामी ब्रिक्स शिखर वार्ता और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के संबंध में थी। पेस्कोव ने कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ बनाया गया समूह नहीं है बल्कि यह अपने राष्ट्रीय हितों को मिलकर साधने का मंच बनकर उभरा है। इसका उद्देश्य पश्चिम के साथ टकराव नहीं है। वहीं, डॉलर से जुड़े प्रश्न के उत्तर में पेस्कोव ने कहा कि ल्लअगर वे हमें अपना पैसा (डॉलर) इस्तेमाल नहीं करने देंगे, तो हम अपना पैसा (राष्ट्रीय मुद्रा) इस्तेमाल करेंगे। हम किसी भी प्रकार की डॉलर-विरोधी नीति का समर्थन नहीं करना चाहते। हम बस वही कर रहे हैं जो हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए सबसे उपयुक्त है। आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और भारत-रूस नेताओं की वार्ता के संबंध में उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच शुक्रवार को द्विपक्षीय वार्ता हो सकती है। इसमें व्यापार, सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। इसके अलावा राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी को संवेदनशील वैश्विक मुद्दों पर अपने-अपने पक्ष से अवगत करायेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहयोग भी दोनों नेताओं के बातचीत का प्रमुख एजेंडा रहेगा। भारत के नेतृत्व में ब्रिक्स वार्ता के नतीजों को लेकर रूस काफी आशान्वित है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के लिए रुस का एजेंडा सुरक्षा, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग हैं। प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स की विचारधारा में बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा प्रमुखता से शामिल है। हालांकि उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि कुछ शक्तियां एक ध्रुवीय विश्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रही हैं। इसके लिए खतरनाक तरीके भी अपनाए जा रहा हैं। वहीं, वैश्विक बहुमत बहुध्रुवीय विश्व के पक्ष में है और भारत इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है। यूक्रेन के संबंध में उन्होंने भारत की भूमिका की सराहना की। साथ ही अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के प्रयासों को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष उसकी ओर से शुरू नहीं किया गया था। साल 2014 में फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी और अमेरिका ने सत्ता परिवर्तन किया था। सत्ता परिवर्तन के कारण राष्ट्रवादी ताकतों ने रूसी लोगों को दबाना शुरू कर दिया था। रूस इस संघर्ष को समाप्त करना चाहता है।



इसरो ने उन्नत उपग्रह ईओएस-05 का तीसरा और अंतिम कक्षा उन्नयन चरण सफलतापूर्वक पूरा किया

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने उन्नत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 'ईओएस-05' का तीसरा और अंतिम कक्षा उन्नयन(ऑर्बिट रेजिंग) चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस उपग्रह को गत शुक्रवार को श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया था।

इसरो के अनुसार, ईओएस-05 की एपोजी (पृथ्वी से अधिकतम दूरी) को बढ़ाने की यह तीसरी प्रक्रिया 07 सितंबर रात 8:57 बजे सफलतापूर्वक पूरी की गई। इस दौरान उपग्रह में लगे लिक्विड एपोजी मोटर इंजन को 1,247 सेकंड के लिए प्रज्वलित किया गया। इस प्रक्रिया के बाद उपग्रह के सभी उपकरण पूरी तरह सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। इससे पहले, 2,367 किलोग्राम वजनी इस उपग्रह को प्रक्षेपण के लगभग 18 मिनट बाद 'सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट' (सब-जीटीओ) में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया था। उपग्रह का पहला कक्षा उन्नयन चरण 5 सितंबर को पूरा किया गया था, जिसमें एलएएम इंजन को 5,406.4 सेकंड के लिए चलाया गया था। इसके बाद दो और चरण पूरे करके उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट (जीएसओ - 85.5 डिग्री ईस्ट ऑर्बिटल स्लॉट) की दिशा में बढ़ा दिया गया है। यह भारत के अंतरिक्ष इतिहास में पहली बार है जब किसी तस्वीर लेने वाले उपग्रह को भू-समकालिक कक्षा से संचालित किया जा रहा है। अंतरिक्ष में भारत की 'दिव्य दृष्टि' माना जा रहा ईओएस-05 उपग्रह, हर पांच मिनट में चयनित क्षेत्रों तथा हर 30 मिनट में संपूर्ण भारतीय भूभाग की 42 मीटर रिज़ॉल्यूशन वाली स्पष्ट तस्वीरें भेजने में सक्षम है। यह उपग्रह वर्ष 2021 में असफल हुए जीआईसैट-1ए मिशन का स्थान लेगा और कृषि, पर्यावरण निगरानी, आपदा प्रबंधन तथा समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में देश की दूर संवेदन क्षमताओं को अत्यधिक मजबूती प्रदान करेगा।

पोखरण रेंज में वायुसेना का 'ड्रोनथॉन' दिखाएगा स्वदेशी ऑपरेशनल क्षमता

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू उद्योग को अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (यूएएस) और काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (सीयूएएस) में अपनी काबिलियत और तरक्की दिखाने के लिए भारतीय वायु सेना 14 से 16 सितंबर तक जैसलमेर के पोखरण रेंज में 'आईएएफ ड्रोनथॉन' का आयोजन करने जा रही है। यह इवेंट नई ड्रोन और काउंटर ड्रोन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ उनकी ऑपरेशनल क्षमता देखने और आपसी सीख को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस इवेंट में स्थिर और लाइव प्रदर्शन शामिल हैं। इससे आजकल के समाधान पहचानने और उनकी लड़ाई में असरदार होने का मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इसमें सर्विलांस और टोही, ऑटोनॉमस ऑपरेशन, झुंड टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के क्षेत्र पर ध्यान दिया जाएगा। आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के साथ तालमेल बिठाते हुए ड्रोनथॉन-2026 का मकसद इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स, स्टार्ट-अप्स और इनोवेटर्स को जोड़कर स्वदेशी डिफेंस इकोसिस्टम को मजबूत करना है। ऐसी कोशिशों के जरिए वायु सेना टेक्नोलॉजिकली एडवांस्ड, स्वदेशी और भविष्य के लिए तैयार फोर्स बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो चुनौतियों का सामना कर सके। भारतीय वायुसेना को तेजी से बदलते ऑपरेशनल माहौल में सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए 'ड्रोनथॉन' इंडस्ट्री, स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी डेवलपर्स को एक साथ लाएगा, ताकि वे अनमैन्ड और काउंटर-अनमैन्ड सिस्टम में अपनी काबिलियत दिखा सकें। तीन दिन के इस इवेंट में वायुसेना सर्विलांस और रिकॉनिसेंस, ऑटोनॉमस ऑपरेशन, स्वॉर्म टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफ़ेयर एप्लीकेशन में परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करेगी। सरकार की यह पहल भारत के आत्मनिर्भर भारत के मकसद से जुड़ी है, जिसका मकसद घरेलू डिफेंस की क्षमता बढ़ाना है। वायुसेना ने 'ड्रोनथॉन' को अनमैन्ड सिस्टम में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए तैयार किया है, जहां ऑपरेशनल डिमांड पारंपरिक एक्विजिशन टाइमलाइन की तुलना में तेजी से बदल रही हैं। खासतौर पर काउंटर-ड्रोन कैपेबिलिटी सभी सेनाओं में प्रायोगिक से परिचालन प्राथमिकता तक में बदल गई है, जो रीजनल थिएटर्स में दुश्मन ड्रोन एक्टिविटी के बढ़ने को दिखाती है। ड्रोनाथॉन इवेंट वायुसेना की इंडस्ट्री पार्टनरशिप पर बढ़ती निर्भरता को

पीएम-सेतु के तहत तीन राज्यों के आईटीआई क्लस्टर के लिए 735.70 करोड़ रुपये की योजनाएं मंजूर

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को आधुनिक और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि मंत्रालय के तहत प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) की पांचवीं राष्ट्रीय संचालन समिति की बैठक में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के तीन आईटीआई क्लस्टरों के लिए कुल 735.70 करोड़ रुपये की रणनीतिक निवेश योजनाओं (एसआईपी) को मंजूरी दी गयी।

मंत्रालय के अनुसार इस मंजूरी के साथ पीएम-सेतु के तहत अब तक 9 आईटीआई क्लस्टरों में कुल 2,171 करोड़ रुपये का निवेश स्वीकृत हो चुका है। राजस्थान के भिवाड़ी आईटीआई क्लस्टर के लिए 241 करोड़ रुपये, तेलंगाना के मेदचल क्लस्टर के लिए 254.30 करोड़ रुपये और उत्तर प्रदेश के मेरठ आईटीआई क्लस्टर के लिए 240.40 करोड़ रुपये की योजना मंजूर की गयी है। इन योजनाओं के तहत आईटीआई में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, मौजूदा ट्रेडों के उन्नयन और नए दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू करने पर जोर दिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि भिवाड़ी क्लस्टर में सरकारी आईटीआई भिवाड़ी को हब बनाया गया है, जबकि अलवर, नीमराना, तिजारा और किशनगढ़ बास आईटीआई को स्पोक संस्थानों के रूप में जोड़ा गया है। मेदचल क्लस्टर में सरकारी आईटीआई मेदचल हब होगा और अलवाल, शमीरपेट, कुकुनूरपल्ली तथा सिद्धिपेट आईटीआई स्पोक के तौर पर काम करेंगे। वहीं मेरठ क्लस्टर में सरकारी आईटीआई, साकेत, मेरठ को हब तथा गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर और बागपत आईटीआई को स्पोक बनाया गया है।

पेज एक का शेष

आंगनवाड़ियों को ...

आत्मनिर्भर और विकसित बनेगा। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश के 70 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों को व्यवस्थित स्वरूप दिया गया है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र को अपना भवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए राज्य वित्त आयोग की धनराशि या अलग बजट से भवनों का निर्माण कराया जाएगा। पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले आंगनवाड़ी केंद्र जर्जर थे। बच्चे बैठने के लिए टाट लेकर आते थे। पेयजल और जरूरी उपकरणों का अभाव था। केंद्र सरकार पैसा देती थी, लेकिन पोषाहार पर माफिया का शिकंजा था। प्रदेश में बच्चों का पोषाहार एक शराब माफिया संचालित करता था। सरकार और माफिया व्यवस्था को चौपट करते थे और बदनामी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को झेलनी पड़ती थी। अब पोषाहार को माफिया से मुक्त कर 204 स्थानों पर टेक होम राशन प्लांट महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। अयोध्या के बदलाव को आंगनवाड़ी केंद्रों के कायाकल्प से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दस वर्ष पहले यहां न पर्याप्त बिजली थी, न सड़कें और न सुविधाएं। आज अयोध्या में फोरलेन सड़कें, भव्य रेलवे स्टेशन और महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है। रेलवे की सिंगल लाइन डबल हो चुकी है। राम की पैड़ी का कायाकल्प हुआ और अयोध्या देश की सोलर सिटी बनी है। सपा और कांग्रेस, दोनों दलों ने राम मंदिर का विरोध किया। सपा ने अयोध्या में सड़कों के चौड़ीकरण, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट निर्माण तक का विरोध किया। ये विरासत के भी विरोधी हैं और विकास के भी। लेकिन, इनके विरोध के बावजूद न राम मंदिर अभियान रुका और न अयोध्या का विकास। आज रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हैं और देश-दुनिया के लोग अयोध्या के बदलाव को देख रहे हैं। समारोह में सैम और मैम श्रेणी से सामान्य पोषण स्थिति में आए बच्चों और उनके अभिभावकों, उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों तथा एवरेस्ट बेस कैंप अभियान में शामिल बेटियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महिला कल्याण व बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य, महिला कल्याण राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, अयोध्या महापौर पंडित गिरीशपति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय, अयोध्या सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान, गोसाईंगंज विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान, अभय सिंह, महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी, प्रदेश व जिले के अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

यूपी का मतलब...

पुरानी है। वैदिक साहित्य से लेकर रामायण और महाभारत तक में काशी के रेशमी वस्त्रों का उल्लेख मिलता है। वाराणसी की सिल्क साड़ी, भदोही का कारपेट, लखनऊ की चिकनकारी, बरेली की जरी, कानपुर का टेक्सटाइल इकोसिस्टम और मेरठ में टेक्निकल टेक्सटाइल की संभावनाएं प्रदेश की विरासत और औद्योगिक क्षमता का प्रमाण हैं। प्रदेश में दो लाख हैंडलूम और पांच लाख से अधिक पावरलूम बुनकर इस सेक्टर की असली ताकत हैं। कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार का सृजन वस्त्र उद्योग करता है। उत्तर प्रदेश फैब्रिक मैन्युफैक्चरिंग में देश में तीसरे स्थान पर है और कुल फैब्रिक उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 13 से 14 प्रतिशत है। पिछले छह वर्षों में प्रदेश के वस्त्र, परिधान और हस्तशिल्प निर्यात में करीब 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यूपी इस सेक्टर में देश का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बन गया है। वर्ष 2025-26 में 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निर्यात के साथ गौतमबुद्ध नगर देश के प्रमुख निर्यातक जिलों में दूसरे स्थान पर पहुंचा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2030 तक 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की टेक्सटाइल एवं अपैरल इकोनॉमी और 100 बिलियन डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है। इस राष्ट्रीय संकल्प में उत्तर प्रदेश अपनी पूरी क्षमता से भागीदारी करेगा। ओडीओपी के माध्यम से प्रदेश के 35 से अधिक जिलों के वस्त्र और हैंडलूम उत्पादों को नई पहचान मिली है। प्रदेश के 17 टेक्सटाइल उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाएं भी इस सेक्टर से जुड़कर आत्मनिर्भर हो रही हैं। दुनिया की सबसे युवा वर्कफोर्स प्रदेश में उपलब्ध है, जो टेक्सटाइल सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की पहचान 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' की बन गई थी। हर जनपद में माफिया की समानांतर सरकार चलती थी। कानून व्यवस्था चौपट थी। माफिया जहां हाथ रख देता, वह जमीन उसकी हो जाती और तत्कालीन सरकार मौन बनी रहती थी। निवेशक व्यापार का सपना लेकर आता था और वसूली की पर्ची लेकर लौट जाता था। दंगे, कर्फ्यू, गुंडा टैक्स और माफिया के कारण उद्योग लगाना मुश्किल था। बिजली और विकास एक परिवार तक सीमित था। आज यूपी कर्फ्यू, दंगा, माफिया और उपद्रव से मुक्त है। अब किसी ने बेटी, व्यापारी या निवेशक की सुरक्षा में सेंध लगाने का दुस्साहस किया तो उसके लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नुम। अब कोई यूपी में खुलेआम पिस्टल लहरा कर नहीं चल सकता। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के नागरिकों के सामने पहचान का संकट पैदा हो गया था। यूपी का नाम सुनकर प्रदेश के बाहर लोग यहां के नागरिकों को किराये पर मकान देने और होटल में कमरा देने तक से कतराते थे। किसी समाज और नागरिक के लिए इससे बड़ी त्रासदी क्या हो सकती है। यूपी का परिचय देने पर व्यक्ति को कई बार सामाजिक रूप से दूरी का सामना करना पड़ता था। यहां कोई पर्व और त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से नहीं गुजरता था। उत्सव से पहले ही उपद्रव शुरू हो जाता था। पूरे प्रदेश में लोग दंगों की आग में झुलसते थे। बरेली, मथुरा के कोसीकलां, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जैसे स्थानों पर बड़े दंगे हुए। व्यापक पैमाने पर पलायन हुआ और महीनों तक कर्फ्यू लगा रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर की ऐतिहासिक कपड़ा मिलें भी इसी अराजक व्यवस्था की शिकार बनीं। मगहर की कताई मिल 1977 में बनी और 1997 में बंद हो गई। बुनकरों और छोटे टेक्सटाइल उद्यमियों को बैंक से ऋण मिलने में भी कठिनाई होती थी। डीबीटी की व्यवस्था के अभाव में सरकारी योजनाओं का लाभ न तो नागरिकों तक पहुंचता था और न ही उद्यमियों तक। 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में बड़ा बदलाव आया है। अब यहां कानून का राज है। सीएम ने कहा कि कानून व्यवस्था में बदलाव और निवेश अनुकूल नीतियों का परिणाम है कि आज प्रदेश के पास 36 सेक्टोरल पॉलिसी हैं। देश के 55 प्रतिशत मोबाइल और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट का उत्पादन यूपी में हो रहा है। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के 6 स्ट्रेटेजिक नोड में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। प्रदेश में एमएसएमई के 12 प्लेज पार्क भी तैयार हो रहे हैं। पिछले 9 वर्ष में यूपी पर कैपिटा इनकम तीन गुना करने और वूमेन वर्कफोर्स की भागीदारी भी तीन गुना बढ़ाने में सफल रहा है। यूपी पिछले 6 वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। यह निवेशकों का भरोसा है कि हमें पिछले 9 वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसमें 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। 65 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाने में सफलता मिली है। हमने हर एमएसएमई को 5 लाख रुपये की सोशल सिक्योरिटी गारंटी दी है। आज यूपी में सर्वाधिक 96 लाख एमएसएमई यूनिट हैं। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल इंडस्ट्री अब केवल धागे, कपड़े और फैशन तक सीमित नहीं है। डिफेंस, हेल्थकेयर, कृषि और स्पोर्ट्स जैसे क्षेत्रों में टेक्निकल टेक्सटाइल तेजी से उभर रहा है। इसलिए उत्तर प्रदेश को ट्रेडिशनल टेक्सटाइल से आगे बढ़कर टेक्निकल टेक्सटाइल में भी अपनी ताकत बढ़ानी होगी। पीएम मित्र पार्क और संत कबीर टेक्सटाइल पार्क जैसी पहल इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। वाराणसी, अमरोहा, बरेली, संतकबीरनगर और बिजनौर में परियोजनाओं के लिए भूमि आरक्षित की गई है। सीतापुर, मऊ, कानपुर, झांसी और रायबरेली में टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क के लिए भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। नोएडा को अपैरल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि एमएसएमई केवल सब-कॉन्ट्रैक्टर नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन के पार्टनर बनें। युवा केवल जॉब सीकर नहीं, टेक्सटाइल एंटरप्रेन्योर और इनोवेटर बनें तथा कारीगर केवल सप्लायर नहीं, अपने ब्रांड के मालिक बनें। 'डिजाइन इन यूपी, मेड इन यूपी और एक्सपोर्टेड फ्रॉम यूपी' के मंत्र से प्रदेश के हुनर को वैश्विक पहचान मिले। निफ्ट रायबरेली और उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट कानपुर युवाओं को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप तैयार कर रहे हैं। यूपी आज पॉलिसी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट और मार्केट हर स्तर पर तैयार है। अब प्रदेश की सांस्कृतिक पूंजी को आर्थिक पूंजी में बदलना है। बुनकर का हुनर, उद्यमी का कारोबार, युवाओं का रोजगार, महिलाओं की भागीदारी, निवेश और निर्यात बढ़ाकर उत्तर प्रदेश को दुनिया के प्रमुख टेक्सटाइल केंद्रों में स्थापित किया जाएगा।

पांच तहसीलदार...

तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें देवरिया के तत्कालीन तहसीलदार एवं वर्तमान गोरखपुर तहसीलदार चंद्रशेखर वर्मा, तत्कालीन नायब तहसीलदार देवरिया एवं वर्तमान कुशीनगर गोपाल जी, जौनपुर के तहसीलदार रविरंजन कश्यप, तत्कालीन जौनपुर तहसीलदार एवं वर्तमान बलरामपुर तहसीलदार राकेश कुमार, तत्कालीन बाराबंकी तहसीलदार एवं वर्तमान गोंडा तहसीलदार कविता ठाकुर, तत्कालीन सुल्तानपुर तहसीलदार एवं वर्तमान फिरोजाबाद तहसीलदार देवानंद तिवारी सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। राजस्व परिषद ने स्पष्ट किया है कि लंबित वादों के निस्तारण में लापरवाही को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकारियों की कार्यप्रगति पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और अपेक्षित सुधार नहीं होने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट का...

आपराधिक मानहानि की शिकायत पर कानून के अनुसार आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, अदालत ने श्री गांधी को उच्चतम न्यायालय में अपील दायर करने के लिए छह सप्ताह का समय देते हुए राहत प्रदान की है। उच्च न्यायालय के इस फैसले का अर्थ श्री गांधी को दोषी ठहराना नहीं है और मुकदमे की प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ ही आरोपों को उचित न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से सिद्ध करना होगा।

मेघालय हाईकोर्ट ने...

अधिकारियों ने बताया कि तीन आरोपी नाबालिग हैं। इनमें एक की उम्र 15 साल और दो की 17 साल है। एक अभी 18 साल का हुआ है। बाकी दो 20-29 साल की उम्र के हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। घटना के बाद, सभी छह आरोपियों को 13 जुलाई को पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

'झूठ की गूंज...

लोगों और सामान को तेजी से पहुंचाया जा सके, नए अवसर पैदा हों और आर्थिक विकास को गति मिले।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक परिवहन नेटवर्क विनिर्माण, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वडोदरा में इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मालगाड़ियों के लिए विशेष पश्चिमी रेल-मार्ग (डब्ल्यूडीएफसी) के तीन महत्वपूर्ण खंडों के परिचालन का औपचारिक उद्घाटन था । प्रधानमंत्री ने इस परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। इस विशेष मालगाड़ी-मार्ग को देश के आर्थिक विस्तार के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए मोदी ने कहा, ''डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकसित हो रहे भारत की जीवनरेखा है।'' वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को प्रमुख औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों के बीच माल की तेज और अधिक कुशल आवाजाही के लिए तैयार किया गया है। इससे पारंपरिक रेलवे मार्गों पर दबाव कम करने और लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह कॉरिडोर बंदरगाहों से संपर्क मजबूत करने और पश्चिमी तथा उत्तरी भारत में औद्योगिक सामान की आवाजाही को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बुनियादी ढांचे के विकास को देश की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं से जोड़ते हुए मोदी ने कहा कि भारत औद्योगिक विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''चिप्स से लेकर शिप्स तक, भारत अब विनिर्माण का एक नया भविष्य तैयार कर रहा है।'' उन्होंने घरेलू उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखलाओं और रणनीतिक विनिर्माण क्षमताओं पर सरकार के जोर को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कई रेलवे, राजमार्ग और जनजातीय क्षेत्रों से जुड़ी कनेक्टिविटी परियोजनाओं का भी शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन पहलों का उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क में सुधार, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करना तथा आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। वडोदरा कार्यक्रम में युवाओं पर विशेष जोर दिया गया। इस कार्यक्रम को युवाओं और छात्रों तक पहुंच बनाने वाले प्रमुख कार्यक्रम के रूप में पेश किया गया था। कार्यक्रम में काफी रुचि देखने को मिली और बताया गया कि प्रवेश पास तेजी से बिक गए तथा बड़ी संख्या में लोगों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। युवाओं के साथ संवाद को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ जोड़ने का उद्देश्य विकास और भारत की भविष्य की आर्थिक संभावनाओं को एक-दूसरे से जुड़े विषयों के रूप में प्रस्तुत करना था। प्रधानमंत्री मोदी लगातार युवा भारतीयों को विकसित अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा का प्रमुख वाहक बताते रहे हैं। इसके साथ ही वह आधुनिक बुनियादी ढांचे, विनिर्माण क्षमता और रोजगार के अवसरों की आवश्यकता पर भी जोर देते रहे हैं। वडोदरा में शुरू की गई परियोजनाएं केंद्र सरकार के मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी बढ़ाने और माल तथा यात्रियों की आवाजाही को अधिक कुशल बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। विनिर्माण और निर्यात बढ़ाने की कोशिश कर रही अर्थव्यवस्था के लिए समर्पित माल ढांचा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि कच्चे माल और तैयार उत्पादों की तेज आवाजाही से लॉजिस्टिक्स लागत कम हो सकती है और भारतीय उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सकती है। इस संदर्भ में पश्चिमी विशेष मालगाड़ी मार्ग को भारत के माल परिवहन ढांचे के नेटवर्क का एक प्रमुख हिस्सा माना जाता है। राजमार्गों, रेलवे संपर्क और बंदरगाहों के साथ इसका एकीकरण माल की आवाजाही को अधिक सुगम बनाने तथा इसके मार्ग के आसपास स्थित औद्योगिक क्षेत्रों को समर्थन देने में मदद कर सकता है। श्री मोदी का गुजरात दौरा ऐसे समय में हुआ है जब सरकार आर्थिक विकास के प्रमुख इंजन के रूप में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा निवेश पर लगातार जोर दे रही है। केंद्र सरकार ने रेलवे, सड़कों, फ्रेट कॉरिडोर, बंदरगाहों और औद्योगिक बुनियादी ढांचे में निवेश को अपने व्यापक 'विकसित भारत' विजन से जोड़ा है।

समस्याओं का समाधान करना और न्याय दिलाना हमारा दायित्व है: सम्राट चौधरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम हॉल में 'राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में शामिल हुये। आज आयोजित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में कुल 137 आवेदक उपस्थित हुए, जिनके मामलों का निष्पादन किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संबद्ध विभाग शिकायतों का समयबद्ध समाधान करते रहें ताकि आमजनों को त्वरित राहत मिल सके। जिस प्रकार सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से शिकायतों का समाधान ससमय हो रहा है उससे लोगों का विश्वास बढ़ा है, उस विश्वास को बनाये रखना है। सभी अधिकारी और कर्मी आवेदन के निष्पादन में अपना पूर्ण सहयोग दें, किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक के दौरान राज्य भर से आये हुये आवदेकों ने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में



मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी-अपनी समस्यायें रखीं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, शिक्षा विभाग, गृह विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री ने संबद्ध जिला के जिलाधिकारी एवं विभाग को निर्देश दिया कि समय सीमा के अंदर आवेदकों की समस्याओं का समाधान करें। मुख्यमंत्री के निर्देश पर संबद्ध विभाग एवं जिलाधिकारी ने आवेदक की समस्या का ससमय समाधान का आश्वासन दिया। जिन आवेदकों की समस्याओं का समाधान हो गया उन्होंने राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान इससे त्वरित हो रहा है, इसके लिये मुख्यमंत्री जी के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें न्याय दिलाना हमारा दायित्व है, सहयोग कार्यक्रम इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में आवेदन करनेवाले जिन लोगों की समस्याओं का समाधान हो गया है उन्हें पटना आने की जरूरत नहीं है। जिनकी समस्यायें जटिल हैं और उसका समाधान जिला स्तर पर नहीं हो रहा है वैसे आवेदक राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में समाधान के लिये पटना आयें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। सहयोग शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ है। जिनकी समस्यायें जटिल हैं और उसका समाधान नहीं हो रहा है उनके लिए राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम की व्यवस्था की गई है, ताकि उनकी शिकायतों का पुनः परीक्षण कर न्यायसंगत एवं त्वरित निर्णय लिया जा सके।

सोलन के बोर्डिंग स्कूल में सिख बच्चे से रैगिंग अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने की निंदा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित एक बोर्डिंग स्कूल में सिख छात्र के साथ कथित रैगिंग की घटना को लेकर श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए हैं।

जत्थेदार ने कहा कि स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। किसी भी छात्र के साथ डराने, अपमानित करने या प्रताड़ित करने वाला व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं का बच्चों के मानसिक और शैक्षणिक जीवन पर गहरा असर पड़ सकता है। ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने बताया कि उन्होंने पीड़ित छात्र और उसके



परिवार से संपर्क कर उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली है। उन्होंने परिवार को हौसला देते हुए कहा कि इस कठिन समय में श्री अकाल तख्त साहिब उनके साथ खड़ा है और उन्हें चढ़दी कला में रहने का संदेश दिया गया है। जत्थेदार के अनुसार पीड़ित छात्र के परिवार की ओर से शिकायत दिए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। रैगिंग के आरोपों से जुड़े लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई है। जत्थेदार ने स्कूल प्रशासन की भूमिका पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि छात्र के अभिभावकों की ओर से प्रिंसिपल के खिलाफ भी शिकायतें सामने आई हैं। उनका कहना है कि यदि स्कूल प्रमुख अपने संस्थान में अनुशासन और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है तो उसके पद पर बने रहने को लेकर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मामले को लेकर जत्थेदार ने स्कूल प्रबंधन से बातचीत कर मौजूदा प्रिंसिपल को बदलने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि स्कूल प्रशासन ने उन्हें आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह के भीतर प्रिंसिपल में बदलाव कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने पंजाब में गुलजार सिंह मौत मामले में हरपाल सिंह चीमा का मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने किसान गुलजार सिंह की मौत के मामले में राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस्तीफा की मांग की है। बाजवा ने कहा कि चीमा के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार लोगों को सवाल पूछने तक की अनुमति नहीं दे रही है। बाजवा ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने छह सितंबर को एक सभा में दावा किया था कि राज्य में नशे के खिलाफ अभियान सफल रहा है। सभा में मौजूद गुलजार सिंह ने मंत्री के दावे का विरोध करते हुए कहा था कि नशा पंजाब के हर घर तक पहुंच चुका है। अगले दिन गांव के पंच और आम आदमी पार्टी के समर्थक गुलजार सिंह के घर पहुंचे तथा उनसे मंत्री से माफी मांगने के लिए कहा। उन्होंने दावा किया कि माफी से इनकार करने के बाद गुलजार सिंह पर दबाव बढ़ा और बाद में उन्होंने एक वीडियो जारी कर मंत्री के इशारे पर धमकाए जाने का आरोप लगाया। बाजवा ने कहा कि अब खबर है कि गुलजार सिंह ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का एक चिंताजनक चेहरा सामने आ रहा है। राज्य में जहां भी सरकारी कर्मचारी, किसान, मनरेगा कर्मी, आशा कार्यकर्ता, मजदूर और युवा प्रदर्शन करते हैं, वहां पुलिस बल का इस्तेमाल किया जाता है। आम आदमी पार्टी सरकार ने पंजाब पुलिस को ''प्राइवेट मिलिशिया'' में बदल दिया है। बाजवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी को पंजाब में सत्ता में आए चार वर्ष से अधिक समय हो गया है, लेकिन वह राज्य की स्थिति में सुधार नहीं कर सकी है। पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी है और लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में रंगदारी, गैंगस्टर गतिविधियां और मादक पदार्थों की तस्करी गंभीर समस्या बनी हुई हैं। पंजाब सीमावर्ती राज्य है और पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ तथा हथियारों की तस्करी हो रही है। इस मुद्दे पर राज्य और केंद्र, दोनों सरकारें प्रभावी नियंत्रण करने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को वास्तव में पंजाब की चिंता है तो उन्हें हरपाल सिंह चीमा का इस्तीफा लेना चाहिए और गुलजार सिंह की मौत के मामले में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करानी चाहिए।

बठिंडा में नशा बिक्री के खिलाफ पुलिस का तलाशी अभियान, करीब 20 हिरासत में

बठिंडा। शिरोमणि अकाली दल की ओर से नशे की बिक्री से संबंधित कथित स्टिंग वीडियो साझा किए जाने के दो दिन बाद बठिंडा पुलिस ने संगत कलां गांव और संगत मंडी में व्यापक घेराबंदी एवं तलाशी अभियान चलाया। मंगलवार सुबह करीब 200 पुलिस कर्मचारियों ने विभिन्न स्थानों पर जांच की। अभियान के दौरान करीब 20 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया और उनके कब्जे से कुछ बरामदगी भी हुई है। शिरोमणि अकाली दल ने अपने फ़ेसबुक पेज पर 3 मिनट 12 सेकंड का वीडियो साझा कर दावा किया था कि संगत कलां गांव में चिट्टा 600 रुपये तक में बेचा जा रहा है और महिलाओं के माध्यम से इसकी आपूर्ति की जा रही है। पार्टी ने वीडियो के आधार पर तत्काल जांच की मांग करते हुए राज्य में नशे की समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सवाल उठाए थे। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों की पुष्टि नहीं हुई है। बठिंडा के पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जगदीश बिश्नोई ने बताया कि मंगलवार के अभियान के दौरान करीब 20 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है और बरामदगी भी की गई है। हरिंदर सिंह, मनजिंदर कौर और अरुणप्रीत सिंह गग्गू को गिरफ्तार करके उनके पास से नौ ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

सरयू में नाव परिचालन पर पूर्ण रोक, दाहा नदी के जर्जर स्लूइस गेट से किसानों की बढ़ी चिंता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीवान। जिले के दरौली एवं सिसवन प्रखंड में सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नदी में छोटे-बड़े सभी प्रकार के नावों के परिचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। मंगलवार को दरौली थाना परिसर में अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी की संयुक्त अध्यक्षता में मछुआरों, स्ट्रीमर एवं नाव मालिकों के साथ बैठक की गयी। बैठक में नदी के बढ़ते जलस्तर से उत्पन्न खतरे को देखते हुए नाव मालिकों को सख्त हिदायत दी गयी कि वे किसी भी परिस्थिति में नाव का संचालन नहीं करें। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और मछुआरों से भी नदी में नहीं जाने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि सरयू का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और नदी की तेज धारा के कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है। ऐसे में लोग प्रशासन



के निर्देशों का पालन करते हुए अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। इधर, सिसवन-रामगढ़ गांव के समीप दाहा नदी पर स्थित जर्जर स्लूइस गेट से पानी का रिसाव शुरू होने के बाद आसपास के गांवों के किसानों की चिंता बढ़ गयी है। पिछले तीन-चार दिनों से नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि के कारण गेट पर पानी का दबाव बढ़ गया है। जर्जर गेट से रिस रहा पानी धीरे-धीरे रामगढ़ और पिपरा गांव के चंवर की ओर बढ़ रहा है। जलस्तर में वृद्धि जारी रही और रिसाव पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो चंवर में लगी धान की फसल जलमग्न हो सकती है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले करीब आठ वर्षों से दाहा नदी का जलस्तर बढ़ते ही जर्जर स्लूइस गेट से पानी का रिसाव शुरू हो जाता है। पानी आसपास के चंवर में फैलकर खरीफ की फसल को नुकसान पहुंचाता है। उनका कहना है कि अब तक करीब 1500 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में लगी खरीफ की फसल इस समस्या के कारण बर्बाद हो चुकी है। पिपरा, जानी छपरा, रामगढ़ और महमदपुर सहित आसपास के गांवों के किसान हर वर्ष इस समस्या का सामना करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पइन का बांध भी लंबे समय से जर्जर है। जगह-जगह बांध कमजोर होने के कारण पानी निर्धारित मार्ग से बहने के बजाय खेतों में फैल जाता है। ग्रामीण टिंकू तिवारी, कमलदेव तिवारी, विकास सिंह सहित अन्य लोगों ने पइन के बांध और दोनों स्लूइस गेट की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक दाहा नदी के किनारे सेमरी, हुसेना, कठतल, नयागांव सहित विभिन्न स्थानों पर करीब दर्जनभर स्लूइस गेट बदहाल हैं।

गोराडीह में बाढ़ का तांडव, दो दर्जन गांव जलमग्न, भागलपुर-गोराडीह मार्ग पर चढ़ा दो फीट पानी

भागलपुर। गंगा नदी के उफान और लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण भागलपुर जिले के गोराडीह प्रखंड में बाढ़ की स्थिति अत्यंत भयावह हो गई है। प्रखंड के लगभग दो दर्जन गांव पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं, जिससे हजारों की आबादी प्रभावित है। बाढ़ के पानी ने क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। भागलपुर-गोराडीह मुख्य मार्ग पर जमसी के समीप सड़क पर करीब दो फीट तक पानी बह रहा है। पानी की तेज धार के कारण इस मार्ग लोग जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे हैं। यदि पानी इसी तरह बढ़ता रहा तो आने वाले दिनों में इस मार्ग पर आवागमन बाधित हो सकता है। फिलहाल ग्रामीण जान जोखिम में डालकर पैदल या ऊंचे वाहनों के सहारे आवाजाही करने को मजबूर हैं। क्षेत्र के कई सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से पठन-पाठन पूरी तरह ठप हो गया है। विद्यालय परिसरों और कक्षाओं में पानी भर जाने के कारण बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूलों में छुट्टियां जैसी स्थिति बन गई है।

संगरूर में किसान गुलजार सिंह की मौत के बाद तनाव, अस्पताल में पुलिस बल तैनात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

■ पुलिस ने आरोपों से किया इनकार, सरपंच समेत तीन के खिलाफ मामला दर्ज

संगरूर। पंजाब में नशे की समस्या को लेकर सवाल उठाने वाले 50 वर्षीय गुलजार सिंह की मौत के बाद मंगलवार को संगरूर के अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में 100 से अधिक पुलिस कर्मचारी तैनात रहे। गांव के लोगों और स्थानीय निवासियों के एकत्र होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। गुलजार सिंह ने पिछले सप्ताह दिड़बा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नशीले पदार्थों की बिक्री का मुद्दा उठाया था। वायरल हुए एक वीडियो में उन्होंने अपने बेटे के नशे का आदी होने और नशे की आसानी से उपलब्धता पर चिंता जताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बाद गुलजार सिंह पर दबाव बनाया गया और उन्हें पुलिस की ओर से प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। हालांकि, पुलिस ने प्रताड़ना और यातना के आरोपों से इनकार किया है तथा मामले की जांच जारी होने की बात कही है। गुलजार सिंह को पहले दिड़बा के अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें पटियाला के राजिंदरा अस्पताल और बाद में बेहतर उपचार के लिए लुधियाना ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस घटना से कुछ दिन पहले नशा विरोधी कार्यकर्ता मोहनजीत सिंह ने भी सुनाम में मुख्यमंत्री की रैली के दौरान काला झंडा दिखाने के बाद पुलिस यातना के आरोप लगाए थे। इन घटनाओं को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ना के आरोप में एक सरपंच तथा दो अन्य व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, मृतक ने अपने शुरुआती बयान में गांव के सरपंच और दो अन्य लोगों के नाम लिए थे। पटियाला रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कुलदीप सिंह चहल ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद गुलजार सिंह का पार्थिव शरीर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ग्रामीणों की ओर से लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

अकबरनगर स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से पति-पत्नी समेत मासूम बेटी की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज-भागलपुर रेलखंड पर स्थित अकबरनगर रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को एक दर्दनाक रेल हादसा सामने आया है। यहाँ पटरी पार करने के दौरान एक ही परिवार के तीन लोग ट्रेन की चपेट में आ गए। इस भीषण हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी गंभीर रूप से घायल मासूम बच्ची ने अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों की पहचान शंभुगंज प्रखंड के भिट्टी गाँव निवासी सुबोध मंडल (पिता-स्व. सदानंद मंडल), उनकी 38 वर्षीय पत्नी पूनम देवी और उनकी मासूम बेटी राधिका कुमारी के रूप में हुई है। परिजन के मुताबिक, सुबोध मंडल अपने ससुराल अमरपुर से पत्नी और बच्ची के साथ भागलपुर जाने के लिए निकले थे। वे अपनी बीमार बेटी को डॉक्टर से दिखाने के लिए भागलपुर ले जा रहे थे। अकबरनगर स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने की जल्दी में वे रेल पटरी के रास्ते आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान वे 53416 डाउन बर्दवान ट्रेन की चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुबोध और उनकी पत्नी पूनम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल बच्ची राधिका को तुरंत अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। रेल अधिकारियों की सूचना पर आरपीएफ और जीआरपी की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

कुंभ-2027 से पहले उत्तराखंड को 8,029 मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न, मुख्यमंत्री धामी ने जताया आभार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार में होने वाले कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के बीच केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के लिए 8,029.152 मीट्रिक टन अतिरिक्त गेहूं और चावल आवंटित किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार जताया।



उन्होंने कहा कि कुंभ को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और भव्य बनाने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार उत्तराखंड को 3,051.079 मीट्रिक टन गेहूं और 4,978.073 मीट्रिक टन चावल अतिरिक्त रूप से दिया गया है। यह आवंटन राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए निर्धारित व्यवस्था के अंतर्गत किया गया है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार कुंभ जैसे बड़े आयोजनों के लिए संबंधित राज्य को उसके वार्षिक खाद्यान्न आवंटन का अधिकतम दो प्रतिशत तक अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटित किया जा सकता है। इसी व्यवस्था के तहत उत्तराखंड सरकार ने केंद्र से अतिरिक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कुंभ मेला-2027 को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और भव्य रूप से आयोजित करने के लिए राज्य सरकार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। हरिद्वार में वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए राज्य सरकार की ओर से खाद्य आपूर्ति समेत यातायात, पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटन को इन तैयारियों की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है।

सड़क सुरक्षा अभियान में 97 वाहनों की जांच, 32 से 4.43 लाख रुपये जुर्माना वसूला

किशनगंज। जिलाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर जिले में सड़क सुरक्षा और परिवहन नियमों के अनुपालन को लेकर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। 5 से 7 सितंबर तक चले अभियान के दौरान ट्रक एवं जुगाड़ वाहनों समेत विभिन्न वाहनों की सघन जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। जिला परिवहन विभाग के पदाधिकारियों ने जिले के विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर कुल 97 वाहनों की जांच की। जांच के दौरान परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले 32 वाहनों से कुल 4 लाख 43 हजार 500 रुपये का दंड वसूला गया। वहीं गंभीर अनियमितता पाए जाने पर 6 वाहनों को जब्त किया गया। मंगलवार को अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर जिले में नियमित रूप से वाहनों की जांच की जा रही है। विशेष रूप से मालवाहक वाहनों और जुगाड़ वाहनों के संचालन, आवश्यक कागजात, परिवहन नियमों के पालन तथा अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है।

मानसा के वकील पर एफआईआर के विरोध में पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की बार एसोसिएशनों का कामकाज स्थगित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

■ अमनिंदर सिंह मान के समर्थन में वकीलों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने किया आह्वान

चंडीगढ़। मानसा के अधिवक्ता अमनिंदर सिंह मान के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के विरोध में पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की बार एसोसिएशनों ने मंगलवार को कामकाज स्थगित रखा है। अमनिंदर के खिलाफ जुलाई में पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी के संबंध में कथित जातिसूचक टिप्पणी करने के मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। मानसा के साइबर अपराध पुलिस थाने में 18 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी में आरोप है कि अमनिंदर सिंह मान ने 7 जुलाई को सोशल मीडिया पर जसवीर सिंह गढ़ी के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने 14 जुलाई को मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस को मामला दर्ज करने और की गई कार्रवाई की जानकारी देने के निर्देश दिए थे। इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जसवीर सिंह गढ़ी आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुके हैं और वर्तमान में आम आदमी पार्टी के नेता हैं। जिला बार एसोसिएशन मानसा के अध्यक्ष अधिवक्ता गुरदास सिंह मान ने कहा कि अमनिंदर ने गढ़ी के संबंध में टिप्पणी की थी, लेकिन उनके अनुसार इस मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं लगाने का औचित्य नहीं है। अधिवक्ताओं का कहना है कि सोशल मीडिया पोस्ट में ऐसा कोई तथ्य नहीं था, जिसके आधार पर विशेष अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए था। मानसा की जिला और उपमंडलीय अदालतों में वकीलों ने शुक्रवार और शनिवार को कामकाज स्थगित रखा था। इसके बाद सोमवार को पंजाब की सभी बार एसोसिएशनों ने अमनिंदर के समर्थन में कामकाज स्थगित किया। अब वकीलों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने मंगलवार को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की सभी बार एसोसिएशनों से कामकाज स्थगित रखने की अपील की है। अधिवक्ताओं ने मामले में दर्ज प्राथमिकी और विशेष अधिनियम की धाराओं की वैधानिकता पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल मामला पुलिस जांच के अधीन है और संबंधित आरोपों पर अंतिम निर्णय अदालत की प्रक्रिया के अनुसार होगा।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063